सुप्रभात
रांची, बुधवार
07.05.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | बैशाख, शुक्ल पक्ष, दशमी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 I वर्ष : 12 I अंक : 290

12 पहला मानवरहित गगनयान मिशन इस साल के अंत तक भरेगा उड़ान

प्रहार की तैयारी : मोदी-डोभाल ने की बैठक, गृह सचिव ने की तैयारियों की समीक्षा

झारखंड समेत देशभर में आज वार मॉक ड्रिल

एजेंसी

नयी दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ युद्ध की आहट सुनायी दे रही है। दोनों देशों के बीच संभावित युद्ध को देखते हुए बुधवार को झारखंड समेत देशभर के 244 जिलों में वार मॉक ड्रिल की जानी है। इसकी तैयारी कर ली गयी है। इससे पूर्व 1971 में इस तरह की मॉक ड्रिल करायी गयी थी। जानकारी के अनुसार मॉक ड्रिल के लिए चिन्हित जिलों में ब्लैकआउट रहेगा। सभी घरों, ऑफिसों और सार्वजनिक स्थानों की बत्तियां बुझा दी जायेंगी। तेज आवाज में सायरन बजाया जायेगा। मॉक ड्रिल के तहत नागरिकों को हवाई हमले से बचने की ट्रेनिंग दी जायेगी। मॉक ड्रिल की तैयारियों के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार(एनएसए) अजित डोभाल ने पीएम आवास जा कर अकेले ही करीब 40 मिनट तक बातचीत की।

रांची, बोकारो, गोमिया, जमशेदपुर, साहिबगंज और गोड्डा में माक ड्रिल : झारखंड की राजधानी रांची, बोकारो, गोमिया, जमशेदपुर, साहिबगंज और गोड्डा समेत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के साथ-साथ लखनऊ, श्रीनगर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, पटना और जबलपुर समेत देश के 244 नागरिक सुरक्षा जिलों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को होनेवाले वार मॉक ड्रिल को लेकर दिल्ली समेत तमाम शहरों में सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। (शेष पेज 11 पर)

क्या-क्या होगा

- चिन्हित जिलों में ब्लैकआउट रहेगा
- तेज आवाज में सायरन बजाया जायेगा
- हवाई हमले से बचने की ट्रेनिंग दी जायेगी

सीमा पर आज बड़ा युद्धाभ्यास, नोटम जारी

पाक सीमा पर दो दिन गरजेंगे राफेल, मिराज और सुखोई

नयी दिल्ली। पहलगाम हादसे के बाद पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच भारत ने एक और बड़ा कदम उठाया है। भारत ने पाकिस्तान सीमा पर युद्धाभ्यास के लिए नोटम (NOTAM) यानि नोटिस टू एयर मिशन सिस्टम जारी किया है। देशभर के 244 जिलों में 7 मई को मॉक ड्रिल होने जा रही है। इस नोटम को इससे जोड़कर ही देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार भारत-पाकिस्तान सीमा के दक्षिणी भाग पर 7 और 8 मई को होने वाले बड़े पैमाने के हवाई अभ्यास होगा। वायु सेना के एक अधिकारी ने बताया कि भारतीय वायुसेना कल 7 मई से भारत-पाकिस्तान सीमा पर रेगिस्तानी क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में अभ्यास करेगी जिसमें राफेल, मिराज 2000 और सुखोई-30 सहित सभी अग्रणी विमान भाग लेंगे। यह अभ्यास 7 मई को रात 9:30 बजे शुरू होगा और 8 मई को सुबह 3:00 बजे तक जारी रहेगा। (शेष पेज 11 पर)

पहलगाम में सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी ले मोदी सरकार : खड़गे

सरनाधर्म कोड की खातिर संघर्ष करना होगा

- संविधान बचाओ रैली में बोले खड़गे
- हमले की खुफिया रिपोर्ट पर पीएम ने दौरा रद्द किया
- आतंकवाद से लड़ाई में कांग्रेस का सरकार का पूरा साथ

सरना धर्मकोड के लिए लड़ें

अपने करीब 40 मिनट के संबोधन में कांग्रेस अध्यक्ष ने सरना धर्मकोड, जाति जनगणना से लेकर एचईसी की माली हालत पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आने वाली जनगणना में कांग्रेस के लोग सरना धर्म कोड के लिए लड़ेंगे। सरना कोड के लिए सीएम हेमंत सोरेन से भी कहूंगा। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि जनगणना में सरना धर्मकोड को शामिल करने के लिए संघर्ष करना होगा। एचईसी की माली हालत के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार बताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी की पॉलिसी है, पब्लिक सेक्टर को बंद करो और एससी, एसटी और ओबीसी के पेट पर लात मारो। जहां दो-दो साल से पैसा नहीं मिलेगा, एचइसी के कर्मचारी कैसे काम करेंगे, जब वेतन ही सालों से नहीं मिले। आज सरकारी नौकरी बंद हो गयी है। आंकड़े पेपर में दिखाने से नहीं होता। पब्लिक सेक्टर बंद हो गया है। मोदी की कार्यशैली यही है। 30 लाख वेकेंसी सरकार में है, लेकिन वे लोगों को भूखे मारना चाहते हैं।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। संविधान बचाओ रैली के जरिये कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। पहलगाम आतंकी हमले में हुई सुरक्षा चूक का बड़ा आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया और केंद्र सरकार से इसकी जिम्मदारी लेने की बात की। सरना धर्मकोड से लेकर एचइसी की माली हालत पर चर्चा करने से नहीं चूके। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खड़गे मंगलवार को रांची के पुराने विधानसभा मैदान में आयोजित संविधान बचाओ रैली में बोल रहे थे। खड़गे ने कहा कि संविधान को बचाने का काम करना है। अगर इस काम में इंटरेस्ट नहीं लेंगे तो फिर से गुलाम बन जायेंगे। भाजपा गरीबों को कुचलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान बचाओ रैली 40 दिन तक चलेगा। जिला, प्रखंड और बूथ लेवल पर काम करना होगा। सभा को कांग्रेस की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल, झारखंड के प्रदेश प्रभारी के राजू, नेता प्रतिपक्ष प्रदीप यादव और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने भी संबोधित किया।

मंईयां योजना की तारीफ की : श्री खड़गे ने मंईयां योजना की तारीफ करते हुए कहा कि इस योजना से सभी महिलाएं खुश हैं। कांग्रेस और जेएमएम की सरकार मिलकर काम कर रही है। 56 सीट लाकर मजबूत सरकार झारखंड में है। (शेष पेज 11 पर)

पहले सरना धर्म कोड तभी जाति जनगणना : झामुमो

9 को धरना-प्रदर्शन

रांची। झामुमो ने कहा है कि सरना धर्म कोड लागू हुए बिना जातिगत जनगणना नहीं होने देंगे। पार्टी के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने पार्टी के सभी पदाधिकारियों को पत्र लिखा है। झारखंड सरकार द्वारा सरना धर्म कोड/आदिवासी धर्म कोड विधेयक को झारखंड विधानसभा से पारित कर राज्यपाल के माध्यम से केन्द्र के पास अनुमोदन के लिए भेजा गया था, परन्तु आज लगभग पांच साल बाद भी उक्त विधेयक पर केन्द्र सरकार द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया गया। यह आदिवासी समुदाय के प्रति भाजपा की मानसिकता को उजागर करती है। सरना धर्म कोड लागू किये बिना झामुमो झारखंड में जातिगत जनगणना नहीं होने देगी। पार्टी ने यह भी फैसला लिया है कि इस मुद्दे पर 09 मई को राज्य के सभी जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय विशाल धरना-प्रदर्शन किया जायेगा।

न्यूज डायरी

अनगड़ा में जंगली हाथी ने एक महिला को मार डाला

रांची। अनगड़ा इलाके में झुंड से बिछड़ा एक जंगली हाथी तबाही मचा रहा है। हाथी झुंड से बिछड़ कर मतवाला हाथी मंगलवार की सुबह जंगल से निकलकर गेतलसूद डैम पार कर गया और रिहायशी इलाके में प्रवेश कर गया। इस दौरान हाथी ने एक महिला को कुचलकर मार डाला। मृत महिला की पहचान अनगड़ा के लालगढ़ निवासी कुंती देवी (65) के रूप में की गयी।

सीएनटी भूमि वापसी के लिए नयी पहल

रांची। राज्य सरकार ने सीएनटी के तहत अनुसूचित जनजाति की भूमि वापसी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरूआ को पीठासीन पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जो सीएनटी से आच्छादित भूमि वापसी के मामलों की सुनवाई और निष्पादन करेंगे।

कंदीर एसकेएमयू और सीबी शर्मा विभावि के वीसी

रांची। झारखंड के विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति की गई है। इसका आदेश राज्यपाल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव नितिन मदन कुलकर्णी ने मंगलवार को जारी कर दी है। कुलाधिपति ने कुनुल कंदीर को सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका का कुलपति नियुक्त किया है। इसी तरह चंद्र भूषण शर्मा को विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग का कुलपति नियुक्त किया है।

बोकारो में कारोबारी के घर ईडी की छापेमारी

रांची। इडी ने मंगलवार को बोकारो में दो जगहों पर धापेमारी की। यह कार्रवाई जमीन कारोबार से जुड़े लोगों के ठिकानों पर की गई है। ईडी की टीम बोकारो के चास स्थित राणा प्रताप नगर में महेश नागिया के घर पर पहुंची और छापेमारी की। वहां से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किये। महेश के तेतुलिया मौजा के जमीन फजीर्वाड़ा में शामिल अजहर और अख्तर हुसैन से संबंधों के कारण ईडी ने महेश के यहां दबिश दी है।

कार्टून कोना

राज्यपाल से भेंट कर सीएम ने दी निवेश प्रयासों की जानकारी

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने अपने हाल ही के विदेश भ्रमण के दौरान राज्य में औद्योगिक निवेश के लिए किये गये प्रयासों के बारे में राज्यपाल को जानकारी दी। सीएम की धर्मपत्नी और विधानसभा सदस्य कल्पना सोरेन भी इस अवसर पर उपस्थित थीं। सीएम ने राज्यपाल से मुलाकात की और अपने विचार साझा किये।

खड़गे से भी मिले हेमंत : सीएम हेमंत सोरेन ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मुलाकात की। विधायक कल्पना सोरेन भी उनके साथ थीं। सीएम ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

हार्न बजाया नहीं हटा तो किशोरी ने बधिर युवक का गला रेता

रायपुर। बार-बार हॉर्न बजाने के बाद भी जब सड़क से एक सायकिल सवार युवक नहीं हटा, तो स्कूटी सवार युवती ने आपा खो दिया। किशोरी ने बीच सड़क पर दिनदहाड़े चाकू से गला रेतकर युवक की हत्या कर दी। बाद में पता चला कि बाद में पता चला कि सुदामा दलेर नामक युवक जिस युवक की हत्या की गयी, वह बहरा था और उसे कुछ सुनायी नहीं पड़ता था। घटना को अंजाम देने के बाद किशोरी वहां से स्कूटी लेकर फरार हो गयी। यह दिल दहलादेने वाली घटना छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की है।

आइएसआइ ने संभाली पाक-सेना की कमान

भारत का खौफ : पीएम, रक्षा मंत्री, सेनाध्यक्ष को बुलाया दफ्तर, पूछताछ

एजेंसी

नयी दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा लिए गए ताबड़तोड़ एक्शन के बाद पाकिस्तान में इन दिनों हड़कंप मचा हुआ है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री सहित कई बड़े अधिकारी यह दावा कर चुके हैं कि भारत कभी भी पाकिस्तान पर सैन्य हमला कर सकता है। इससे पाकिस्तानी खेमे में खौफ का माहौल है। जंग के हालातों को देखते हुए अब पाक और सेना की कमान पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आइएसआइ) संभाल ली है। मंगलवार को आइएसआइ ने पीएम शहबाज शरीफ , डिप्टी पीएम इशाक डार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर, के साथ साथ दानों सेनाद्यक्षों को अपने दफ्तर बुलाकर तैयारियों का जायजा लिया है। डॉन न्यूज के हवाले से बताया गया है कि शहबाज शरीफ आइएसआइ मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्हें भारत से आगामी खतरे को देखते हुए देश की तैयारियों के बारे में जानकारी दी गयी।

भारत का तेवर सख्त : गौरतलब है कि पहलगाम हमले के बाद से भारत ने सीमा पार आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े एक्शन लिये हैं। वहीं पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हमले में शामिल आर्तकियों और उन्हें शह देने वाले पाकिस्तान को माकूल जवाब देने की बात भी कही है। इससे पाकिस्तानी खेमे का गला सूखा हुआ है। जहां पाक के प्रधानमंत्री दुनिया भर के देशों के आगे गिड़गिड़ाने में लगे हैं, पर उन्हें कहीं से मदद का भरोसा नहीं मिला।

पाकिस्तान की हालत पतली : इस मुलाकात के दौरान पाकिस्तान की पुरानी ड्रामेबाजी भी जारी रही। पाक पीएमओ ने एक बयान जारी कर भारत के रुख को आक्रामक बता दिया। (शेष पेज 11 पर)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले- संविधान बचाओ के नाम पर कांग्रेस पूरे देश में फैला रही भ्रम

अलजजीरा पढ़ना छोड़ दें कांग्रेस नेता

- मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान सेना और सुरक्षाबलों का मनोबल गिराने वाला

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पर बड़ा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आखिरकार संविधान बचाओ की आड़ में कांग्रेस वास्तव में दिग्भ्रमित करना क्या चाहती है। इस मौकापरस्त पार्टी को देश में हुये आतंकी हमले का भी राजनीतिक लाभ उठाना है। सर्वदलीय बैठक के बाद इनके नेता सार्वजनिक रूप से कहते हैं कि वे केंद्र सरकार के हर फैसले में साथ हैं। उन्होंने कहा कि पीठ पीछे संविधान बचाओ रैली कर पूरे देश में भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा जिस समय पूरे देश को एकजुट रहने की जरूरत है। उस समय कांग्रेस झूठ और अफवाह फैलाकर देश के भीतर दरार पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को रांची में कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर अनर्गल और आधारहीन आरोप लगाये। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को तीन दिन पहले से हमले की जानकारी थी, और उन्हें इंटेलिजेंस रिपोर्ट पहले ही मिल गई थी। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऐसे समय में जब पूरी दुनिया व्यथित है। तब खड़गे जी का गैर जिम्मेदाराना बयान सुरक्षा एजेंसियों का मनोबल तोड़ने वाला कहा जायेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता अलजजीरा पढ़ना छोड़ दें।

मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा में दिये गये बयान पर भाजपा ने किया हमला, प्रतुल शाहदेव ने कहा

कांग्रेस का संविधान बचाओ सभा सुपर फ्लॉप रहा

- 26/11 का मुंबई हमला और इंदिरा गांधी की हत्या देश का सबसे बड़ा इंटेलिजेंस फेलियर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि कांग्रेस का संविधान बचाओ सभा सुपर फ्लॉप रही। श्री शाहदेव मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे ने खड़ग भी निकाला तो देश के खिलाफ। लोगों को उम्मीद थी कि पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देंगे, लेकिन, वह तो देश के इंटेलिजेंस एजेंसी और प्रधानमंत्री की मंशा पर ही प्रश्न कर गये। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रीयता की राजनीति करती है। इसीलिये, हमने कभी भी इंटेलिजेंस के फेलियर पर प्रश्न नहीं उठाया है। 26/11 का मुंबई हमले और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके आवास में उनके बॉडीगार्ड द्वारा हत्या देश के दो सबसे बड़े इंटेलिजेंस फेलियर हैं, लेकिन भाजपा ने उस समय देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुये प्रश्न नहीं उठाया था। बल्कि भाजपा पूरे तरीके से सरकार के साथ खड़ी रही। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपनी पुस्तक ए प्रॉमिसड लैंड में यह स्पष्ट लिखा था कि जब उनकी प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मुलाकात हुई तो उन्होंने बताया कि 26/11 के मुंबई हमलों के बाद इसलिये पाकिस्तान पर हमला नहीं किया कि इससे भाजपा को मुस्लिम विरोधी माहौल के कारण फायदा मिलता।

उन्होंने कहा कि संविधान के हत्या का सबसे बड़ा प्रयास इमरजेंसी के दौरान हुआ था। उन्होंने कहा कि उम्मीद थी कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहलगाम आतंकी हमले के बाद रॉबर्ट वाड्रा, कांग्रेस नेता अजय राय, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धमरैया, महाराष्ट्र के एमएलए विजय, इमरान मसूद, सैफुद्दीन सोज के देश विरोधी बयानों के लिये खेद प्रकट करेंगे। लेकिन, उन्होंने ऐसा भी नहीं किया।

उन्होंने कहा कि देश में 1872 से 1931 तक जो जनगणना हुई उसमें जाति का कॉलम भी हुआ करता था। 1951 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस जाति के कॉलम को जनगणना से समाप्त कर दिया। 1980 से 1990 तक कांग्रेस की दो पूर्ण बहुमत की सरकारों ने पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने वाले मंडल कमीशन की रिपोर्ट को दबा कर रखा। जब विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार ने इस रिपोर्ट को पेश किया तो तत्कालीन प्रतिपक्ष के नेता स्वर्गीय राजीव गांधी ने लोकसभा में मंडल कमीशन का प्वाइंट दर पॉइंट विरोध करते हुये इस देश को तोड़ने वाला कानून बताया था। इस अवसर पर तारिक इमरान भी उपस्थित थे।

झारखंड स्वास्थ्य विज्ञान विवि का गठन, मुख्यमंत्री होंगे चांसलर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड स्वास्थ्य विज्ञान विश्वद्यालय अधिनियम 2023 को लागू कर दिया गया है। विधानसभा से इसे पारित कराते हुए राज्यपाल की मंजूरी भी ली गयी है। विधि विभाग ने अधिसूचना जारी कर दिया है। इस विशविद्यालय के कुलाधिपति राज्य के मुख्यमंत्री होंगे। कुलाधिपति जब उपस्थित होगे तो दीक्षांत समारोह, शासी निकाय की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उन्हें यह अधिकार होगा कि विवि के कार्यालयों, कॉलेजों इत्यादि पर अपना निर्देश दे सकें। इसके अलावा भी कई अधिकार होंगे। इसमें कुलपति, रजिस्टार, डीन, परीक्षा नियंत्रक, डीन छात्र क्लयाण, संपदा अधिकारी एफओ सहित कई पद सृजित किए जायेंगे। यूनिवर्सिटीलिंग, वर्ग या पंथ का ध्यान न रखते हुए सभी व्यक्तियों के लिए खुला रहेगा। अधिनियम में यूनिवर्सिटी के अधिकार, प्रशासनिक नियंत्रण, पठन-पाठन, टीचिंग, नॉन टीचिंग स्टॉफ के बारे में विस्तृत व्याख्या की गयी है।

विज्ञान विवि मुख्य रूप से ज्ञान के विकास तथा प्रचार-प्रसार के लिए व्यवसायिक एवं तकनीकी शिक्षा देने, उत्क्रमित करने, प्रशिक्षण एवं शोध को विकसित एवं समुन्त करने के लिए प्रावधान करना, पद सृजन सहित, कार्रवाई का भी अधिकार दिया गया है। इसके अलावा आधुनिक विषय और समाज की बदलती आवश्यकताओं की अनुक्रिया में स्वास्थ्य विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में पेशेवर शिक्षा विकसित करना। शिक्षण अनुसंधान और विस्तार को पेशेवर करना, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कराने सहित अन्य कार्य हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य विज्ञान के सभी संकायों जिनमें आधुनिक चिकित्सा प्रणाली, दंत चिकित्सा उपचर्याख औषधी विभिन्न आयुवैर्दिक विधाएं, चिकित्सा प्रयोगशाल, यूनानी, हौम्योपैथी चिकित्सा में प्रबंधन, एकरूपता लाने सहित अन्य कार्य किए जायेंगे। इन सारे कॉलेज को इसी विवि के अधीन किया जायेगा। इनमें बेहतर मानव संसाधन, स्वास्थ्य संरचना विकसित करना ळभी मुख्य कार्य होगा। इस विवि का मुख्यालय राज्य सरकार निर्धारित करेगी।

खबर एक नजर में

सरयू राय ने राज्यपाल से जमशेदपुर नोटिफाइड एरिया कमिटी पर की चर्चा

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को विधायक सरयू राय ने मुलाकात की। इस अवसर पर सरयू राय ने राज्यपाल का ध्यान जमशेदपुर नोटिफाइड एरिया कमिटी को जमशेदपुर इंडस्ट्रियल एरिया कमेटी में परिवर्तित करने के निर्णय की ओर आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि उक्त निर्णय अत्यंत जल्दबाजी में लिया गया प्रतीत होता है। इसमें तकनीकी एवं वैधानिक पहलुओं की उपेक्षा की गई है। उन्होंने राज्यपाल से इस मुद्दे पर विचार करने का अनुरोध किया।

राज्यपाल से मिले खड़िया महाडोकलो समाज के प्रतिनिधि, सौंपा ज्ञापन

रांची। अखिल भारतीय खड़िया महाडोकलो समाज, सिमडेगा के एक शिष्टमंडल ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राज भवन में भेंट की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्ष 2011 में सिमडेगा जिले में तत्कालीन उप विकास आयुक्त द्वारा भाषा के आधार पर खड़िया समाज का त्रुटिपूर्ण सर्वेक्षण किए जाने के मामले की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गया।

टीएसी में प्रतिनिधित्व की मांग : शिष्टमंडल ने राज्यपाल से टीएसी में खड़िया महाडोकलो समाज को यथोचित प्रतिनिधित्व प्रदान किए जाने का आग्रह किया। राज्यपाल ने शिष्टमंडल की बात सुनी और उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा।

चेक बाउंस मामले में आरोपी दोषी करार

रांची। सिविल कोर्ट रांची के न्यायिक दंडाधिकारी परिधि शर्मा की अदालत ने चेक बाउंस मामले की सुनवाई करते हुए कांके के पतरा टोली निवासी अभियुक्त जैनुल आबेदीन को दोषी करार कर एक साल की साधारण कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 8.25 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। उस पर अपने दोस्त कोतवाली थाना क्षेत्र के लाइन टैंक रोड निवासी नैयर हुसैन से 6.50 लाख रुपए का ऋण लेने और नहीं उसका भुगतान नहीं करने का आरोप था। अभियुक्त ने अपनी पत्नी के इलाज के लिए नवंबर 2021 में ऋण लिया था। इसके बदले में चेक सौंपा था। जो बाउंस कर गया।

जेपीएससी-2 के आरोपियों की बेल पर सुनवाई

रांची। जेपीएससी द्वितीय सिविल सेवा नियुक्ति घोटाले में चार्जशीटेड आरोपी प्रकाश कुमार, हरि शंकर सिंह मुंडा, मौसमी नागेश, शौलेश कुमार श्रीवास्तव, हरिशंकर बड़ाईक और कानु राम नाग की ओर से दाखिल अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को सीबीआई की विशेष अदालत में आंशिक सुनवाई हुई। मामले में जवाब दाखिल करने के लिए समय प्रदान किया गया। साथ ही, अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 19 मई निर्धारित की है। आरोपियों ने जमानत की गुहार लगाते हुये पिछले महीने याचिका दाखिल की है।

सीबीआई कोर्ट से आरोपी को नहीं मिली बेल

रांची। सीबीआई की विशेष अदालत ने रिश्वत मामले में गिरफ्तार इंडियन डिफेंस सर्विस ऑफ इंजीनियर्स के गैरिसन इंजीनियर साहिल रातुसरिया को जमानत देने से इनकार किया है। उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने 30 अप्रैल को आदेश सुरक्षित रख लिया था। सीबीआई की एसीबी शाखा ने 19 मार्च को 40 हजार 500 रुपये घूस लेते इंजीनियर को रंगेहाथ गिरफ्तार किया था। तब से वह जेल में है। आर्मी के आधारभूत संरचना का निर्माण देखने वाली कंपनी आईडीएसई के इंजीनियर साहिल रातुसरिया ने सिविल वर्क के बाद 27 लाख का बिल संबंधित कंपनी ने आईडीएसई को सौंपा था। बतौर गैरिसन इंजीनियर इसे पास करने के एवज में 54 हजार की मांग की थी। बाद में 40,500 रुपये घूस लेते हुये साहिल को रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया।

फायर एनओसी मामले में अस्पतालों को चेतावनी

रांची। स्वास्थ्य सेवा से जुड़े संस्थानों को अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित कर अनापत्ति प्रमाण पत्र सिविल सर्जन कार्यालय में जमा करने का आदेश दिया गया है। राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देश के आलोक में रांची सिविल सर्जन ने इससे संबंधित आदेश जारी किया है। जारी आदेश में निजी अस्पताल, नर्सिंग होम, जांच घर, डायनोस्टिक सेंटर को अग्रनिशमन की व्यवस्था सुनिश्ति कर विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर जमा करने का आदेश दिया है। अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा नहीं करने की स्थिति में क्लिनिकल स्टैबलिशमेंट एक्ट के तहत कार्रवाई करने की चेतावनी दी गयी है।

हज यात्रियों के लिए बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से सीधी उड़ान हो : राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग

रांची। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग भारत सरकार ने झारखंड के हज यात्रियों के लिए बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची को इम्बार्केशन देने के लिए सचिव नागरिक उड्डयन मंत्रालय और सचिव अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार को कार्रवाई हेतू पत्र भेजा है। मालूम हो कि आमया संगठन के अध्यक्ष एस अली ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा को मांग पत्र दिया था। जिसमें झारखंड के हज यात्री पूर्व के भांति अपने राज्य से हज के लिए सीधे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची से जेद्दा के लिए उड़ान भर सके। उन्होंने मांग करते हुए बताया था कि झारखंड के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची को इम्बार्केशन प्वाइंट 2009 में मिला था और 2019 तक हर वर्ष करीब 3000 से 3200 हज यात्री रांची से जेद्दा फ्लाइट से जाया करते थे।

बाबूलाल ने जनता से मॉक ड्रिल में सहयोग की अपील की

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देश पर बुधवार को देशभर में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल अभ्यास नहीं, बल्कि आपात स्थितियों से निपटने की एक राष्ट्रव्यापी तैयारी है। इस दौरान हवाई हमलों की चेतावनी वाले सायरन, ब्लैकआउट के दौरान सतर्कता, निकासी योजनायें और आत्म-सुरक्षा प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण प्रयोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों, विशेष रूप से भाजपा कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों, छात्रों और वॉलंटियर्स से अपील करता हूं कि वे मॉक ड्रिल में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

सीनियर डीएसपी से एसपी पद पर प्रोन्नति पर लगी रोक हटी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमस रामचंद्र राव ने सीनियर डीएसपी से एसपी के पद पर प्रोन्नति पर लगी रोक को हटा दी है। एकलपीठ ने 26 मार्च को प्रमोशन देने पर रोक लगा दी थी। इसके खिलाफ प्रार्थियों ने खंडपीठ में अपील की थी। इस संबंध में रजतमणि वाखला एवं अन्य ने एकलपीठ में याचिका दायर की थी। प्रार्थियों की ओर से अदालत को बताया था कि सरकार ने डीएसपी पद पर तैनात नौ अधिकारियों को एसपी में प्रोन्नति देने के लिए सूची भेजी है। यह सूची गलत है। सूची में तीन डीएसपी शिवेंद्र, राधाप्रेम किशोर, मुकेश महतो का भी नाम शामिल है। इन तीनों पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। इनके खिलाफ सीबीआई जांच चल रही है और सीबीआई ने तीनों के खिलाफ आरोप पत्र भी दाखिल कर दिया है। दागी डीएसपी का नाम प्रोन्नति के लिए सरकार ने भेजा है, जबकि जिन अधिकारियों पर कोई आरोप नहीं है उनका नाम प्रोन्नति के लिए नहीं भेजा गया है। नियमों के अनुसार जिस अधिकारी पर आपराधिक मामला चल रहा है उसका नाम प्रोन्नति के लिए नहीं भेजा जा सकता। सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार और संघ लोक सेवा आयोग को नियुक्ति प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया था। इसके खिलाफ खंडपीठ में याचिका दायर की गयी थी

सरकारी नौकरियों में आंदोलनकारियों के आश्रितों को पांच फीसदी क्षैतिज आरक्षण

सरकार का फैसला

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राज्य में आंदोलनकारियों के आश्रितों को सरकारी नौकरियों में पांच प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का फैसला किया है। यह आरक्षण तृतीय और चतुर्थ वर्ग के पदों पर सरकारी नियुक्ति में मिलेगा। अब आंदोलनकारियों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी में आरक्षण का लाभ मिलेगा। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य झारखंड के आंदोलनकारियों के परिवारों को सरकारी नौकरियों में भागीदारी सुनिश्चित करना है।

फिलहाल क्या है आरक्षण की व्यवस्था

- अनुसूचित जनजाति : 26%
- अनुसूचित जाति : 10%
- अत्यंत पिछड़ा वर्ग : 8%
- पिछड़ा वर्ग : 6%
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग : 10%
- दिव्यांगजन : समय-समय पर निर्धारित
- महिलाएं : 5% क्षैतिज आरक्षण
- आंदोलनकारियों के आश्रित : 5% क्षैतिज आरक्षण

किसे मिलेगा यह लाभ : इस आरक्षण का लाभ झारखंड राज्य के आंदोलनकारियों के आश्रित परिवार के एक सदस्य को मिलेगा। यह लाभ एक बार ही दिया जाएगा। इसका उद्देश्य आंदोलनकारियों के परिवारों को सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व देना है।

मंत्री सुदिव्य कुमार ने राजकीय श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक, कहा

श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और तकनीक पर जोर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नगर विकास एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि श्रावणी मेला झारखंड की पहचान है। मंत्री श्री कुमार ने मंगलवार को देवघर परिसदन सभागार में आगामी राजकीय श्रावणी मेला 2025 की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है श्रावणी मेला। झारखंड सरकार एराजकीय श्रावणी मेला 11 जुलाई से 09 अगस्तद्ध के सफल आयोजन के लिये पूरी तरह संकल्पित है। श्रद्धा, व्यवस्था और तकनीक का संगम, यही होगा इस बार के मेले की पहचान।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को समान अवसर देने के उद्देश्य से इस वर्ष सभी सोमवार को आउट ऑफ टर्न दर्शन पर पूर्ण रूप से रोक रहेगी। उन्होंने निदेश दिया कि मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वास्थ्य केंद्र, सूचना सह सहायता केंद्र, टेंट सिटी, पेयजल, स्नानगृह, शौचालय, कूड़ेदान, सफाई व्यवस्था, इंद्र वर्षा और सजावट की बेहतर व्यवस्था करें।

सुरक्षा व विधि व्यवस्था पर जोर

मंत्री ने ओपी, ट्रैफिक नियंत्रण केंद्र, अपराध नियंत्रण, वाहन पड़ाव स्थल और रूटलाइनिंग की विस्तृत योजना पर चर्चा की। उन्होंने सभी विभागों को विद्युत आपूर्ति, नगर विकास, पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, जनसंपर्क, स्वास्थ्य, भवन प्रमंडल सहित सभी विभागों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का निर्देश दिया। श्रावणी मेला में तकनीक का व्यापक उपयोग सुनिश्चित करने का निदेश मंत्री ने दिया।

बैठक में पर्यटन सचिव मनोज कुमार, निदेशक अंजली यादव समेत अन्य पदाधिकारी थे।

स्कूली शिक्षा सचिव के निर्देश से राज्य के शिक्षकों में उबाल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमांशंकर सिंह द्वारा प्रदेश के प्राथमिक व मध्य विद्यालय के लिए नया आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार शिक्षक ई-विद्यावाहिनी ऐप में लगातार तीन दिन विलंब से उपस्थिति दर्ज करने पर एक आकस्मिक अवकाश की गिनती की जाएगी। बच्चों का स्कूल में प्रतिदिन 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति नहीं हो। शिक्षकों द्वारा पाठ्य पुस्तक के अनुरूप विषयवार विस्तृत पाठ्य योजना का निर्माण करें। शिक्षकगण स्प्लिट सिलेबस के आधार पर कक्षावार पाठ्यवस्तु का पठन-पाठन प्रति कार्यदिवस पंजी में संधारित करेंगे तथा प्रधानाध्यापक या प्रधान शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षर किया जाएगा। उसके बाद शिक्षकों की अनुपस्थिति विवरणी में निष्पादित पाठ्य-योजना के अनुरूप कक्षा लेने के सम्बन्धी प्रमाण-पत्र के आधार पर ही वेतन की निकासी की कार्रवाई सुनिश्चित होगी। इसे लेकर अखिल झारखण्ड प्राथमिक शिक्षक संघ के मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद का मानना है कि ऐसा आदेश शिक्षा और शिक्षकों के लिए काफी घातक है।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विस्तारित कार्य समिति की बैठक में बोले कांग्रेसी

मंत्री-विधायकों की वजह से संगठन नहीं, बल्कि संगठन की वजह से हैं वो : मल्लिकार्जुन खड़गे

- झारखंड में सरकार बनने से उत्साह जनक स्थिति
- चुनाव जीतने के बाद अपने आईडियोलॉजी को लागू करना महत्वपूर्ण

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विस्तारित कार्य समिति की बैठक मंगलवार को केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में बीएनआर चाणक्य के सभागार में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विशिष्ट अतिथि संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, झारखंड प्रभारी के राजू उपस्थित थे। बैठक में जिला अध्यक्ष सहित उपस्थित पदाधिकारियों ने अपनी बातें रखी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि झारखंड में सरकार बनने से उत्साह जनक स्थिति है। हम चुनाव जीत जाते हैं तो हमारा दायित्व खत्म नहीं होता बल्कि जीत के बाद अपने आईडियोलॉजी को लागू करना महत्वपूर्ण है। हर किसी को चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिलता है, कई उम्मीदवारों में से किसी एक को ही मौका मिलता है, संगठन का काम भी महत्वपूर्ण है।

जनता के वायदे पूरे करने होंगे : उन्होंने कहा कि मंत्रियों विधायकों सांसदों को यह नहीं समझना चाहिए कि उनकी वजह से संगठन है, बल्कि संगठन की वजह से ही वह हैं। उन्हें संगठन की मजबूती के बारे में भी सोचना होगा। जनता के वायदे पूरे करने होंगे। समाज और जनता के लिए संघर्ष करना है अभी कई काम बाकी हैं। अगर आप उसूल पर चलते हैं तो कोई आप पर उंगली नहीं उठायेगा, संगठन में यही होना चाहिये। हमें जो पद मिलता है उसे संभाल कर काम करना चाहिए। संगठन को मजबूत करने के लिए मेहनत करनी होगी। अगर संगठन मजबूत है तो आपको भी सम्मान मिलेगा। मैं नहीं हम पर भरोसा करें।

उन्होंने कहा कि संविधान बचाओ रैली के सफल आयोजन के लिए पूरे झारखंड कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता और यहां की जनता बधाई की पात्र है। अनुच्छेद 15 (5)को अमल में लाने के लिए हमें कोशिश करना है। निजी संस्थानों में भी आरक्षण लागू करना होगा यह संशोधन कांग्रेस की ही देन है, 50% आरक्षण की सीमा को बढ़ाना चाहिए।

हमें जमीन पर काम करना होगा : वेणुगोपाल

संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण है कि प्रदेश कार्य समिति की बैठक में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मौजूद हैं। झारखंड में पंचायत स्तर पर कमेटी को जल्द से जल्द पूरा करना है, हम कागजी कमिटी नहीं चाहते हमें जमीन पर काम करना होगा। 2025 हमारे लिए महत्वपूर्ण है, यह वर्ष संगठन के लिहाज से कांग्रेस के रिवाइवल का समय है, हमें जिम्मेदारी उठानी होगी।

संगठन मजबूतीकरण में ढिलाई बर्दाश्त नहीं : के राजू

के. राजू ने कहा कि हमारे सामने तीन महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। हमें संगठन मजबूत करना है इसके लिए पूर्व में ही आप सभी को निर्देश दिया जा चुका है। संगठन मजबूतीकरण की दिशा में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजनीतिक दलों पर बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेवारियां होती हैं, हमे जनमुद्दों को चिन्हित कर उस पर काम करना है। 40 दिवसीय संविधान बचाओ अभियान की शुरूआत जो हुई है उसे अगले 30 मई तक घर-घर पहुंचाना है। अगले 10 दिनों में जिला स्तर पर रैली संपन्न करना ह। उसके बाद विधानसभा स्तर पर हमें घर-घर संपर्क अभियान चलाना है इसे गंभीरता से लेना है।

जातिगत जनगणना और जन मुद्दे घर-घर तक पहुंचाये जाएंगे : कमलेश

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने संगठन की विगत 6 महीनो की पूरी गतिविधियों की जानकारी दी तथा आगे के कार्यक्रमों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि संविधान बचाओ अभियान के तहत जातिगत जनगणना सहित तमाम जन मुद्दे घर-घर तक पहुंचाये जाएंगे। बैठक में बेला प्रसाद, प्रदीप यादव, सुखदेव भगत, कालीचरण मुंडा, राजेश कच्छप, राजेश लिलोठिया, अलका लांबा, दीपिका पांडे, इरफान अंसारी, शिल्पी नेहा तिर्की, डॉ अजय, रामेश्वर उरांव आदि थे।

सायरन बजने पर घबरायें नहीं, डोरंडा में मॉक ड्रिल होगा आज

अपराह्न 4:00 से अपराह्न 7:00 बजे तक होगा मॉक ड्रिल यह वास्तविक आपातकाल नहीं, बस एक अभ्यास है...

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आपात स्थिति में नागरिक सुरक्षा को लेकर रांची में आज मॉक ड्रिल किया जायेगा। मॉक ड्रिल के संबंध में मंगलवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री व डीआईजी रांची चंदन सिन्हा ने मॉक ड्रिल के संबंध आवश्यक जानकारी दी।

रांची के डोरण्डा क्षेत्र में किया जायेगा मॉक ड्रिल

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बताया गया कि रांची के डोरंडा क्षेत्र में नागरिक सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल किया जायेगा। उन्होंने बताया कि अपराह्न चार बजे से अपराह्न सात बजे तक मॉक ड्रिल का आयोजन किया जायेगा। इन्होंने डोरंडा क्षेत्र के लोगों से अपील की कि मॉक ड्रिल नागरिक सुरक्षा के लिए अभ्यास मात्र है, इस दौरान सायरन बजने पर घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने

डोरण्डा क्षेत्र के लोगों से मॉक ड्रिल के दौरान अपने-अपने घरों के लाइट्स बंद रखने की अपील की है। लोगों से अपने वाहन के लाइट और जेनरेटर आदि भी बंद रखने का आह्वान किया गया है।

उपायुक्त ने कहा कि लोग घबराएं नहीं और मॉक ड्रिल में भाग लेने वाले अधिकारियों को पूरा सहयोग दें। यह एक पूर्व-निर्धारित और नियंत्रित अभ्यास है जिसका उद्देश्य जन जागरूकता और अंतर-एजेंसी आपदा प्रतिक्रिया को मजबूत करना है।

यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग की होगी व्यवस्था

मॉक ड्रिल के दौरान अपराह्न चार बजे से अपराह्न सात बजे तक डोरंडा क्षेत्र के लोगों के लिए ट्रैफिक के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था होगी। जिला प्रशासन ने डोरंडा क्षेत्र में आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग के उपयोग की अपील की है। ज्ञातव्य हो कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश के आलोक में ऑपरेशन अभ्यास के अंतर्गत आपदा की स्थिति में नागरिक सुरक्षा हेतु मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया है।

अभ्यास के उद्देश्य

नागरिक रक्षा तंत्र की तैयारियों का परीक्षण और सुधार करना।
नागरिकों को आपातकालीन प्रोटोकॉल और आत्म-सुरक्षा में प्रशिक्षित करना।
संकट के समय स्थानीय अधिकारियों और आम जनता के बीच समन्वय सुनिश्चित करना।

नागरिक कार्य योजना

1. हवाई हमले की चेतावनी सायरन
अभ्यास के दौरान निर्धारित समय पर तेज सायरन बजाए जाएंगे।
तुरंत घर के अंदर आश्रय लें।
खिड़कियों और दरवाजों से दूर रहें।
सायरन सुनाई देने तक घर के अंदर रहें।
यदि वाहन चला रहे हैं, तो सुरक्षित रूप से रुकें और यदि संभव हो तो घर के अंदर आश्रय लें।

2. आत्म-सुरक्षा और जीवन रक्षा प्रशिक्षण
स्थानीय प्राधिकरण, स्कूल और आरडब्ल्यूए लाइव प्रदर्शन करेंगे या जागरूकता सामग्री वितरित करेंगे।
विस्फोट या हमले के दौरान अपनी रक्षा करना सीखें : झुकें- ढकें- पकड़ें।
बच्चों को आपातकालीन कदम और संपर्क जानकारी सिखाएं।
एक गो-बैग तैयार रखें जिसमें आवश्यक वस्तुएं हों जैसेः प्राथमिक चिकित्सा किट, पीने का पानी, टॉर्च और बैटरी, बुनियादी सूखा भोजन, व्यक्तिगत पहचान पत्र, दवाएं और आपातकालीन संपर्क सूची

3. ब्लैकआउट अभ्यास
विशिष्ट क्षेत्रों में अस्थायी ब्लैकआउट।
निर्देश मिलने पर सभी घरेलू और बाहरी लाइटें बंद करें।
खिड़कियों से प्रकाश बाहर निकलने से रोकने के लिए ब्लैक पर्दे या मोटे कपड़े लगायें।
तेज प्रकाश उत्सर्जित करने वाले उपकरणों, जैसे मोबाइल स्क्रीन या फ्लैशलाइट, का उपयोग न करें (जब तक सुरक्षा के लिए आवश्यक न हो)।

4. बुनियादी ढांचे का छलावरण
प्राधिकरण पानी की टंकियों, बिजली स्टेशनों और दूरसंचार टावरों जैसे प्रमुख भवनों को छलावरण करने का अनुकरण कर सकते हैं।
प्रतिबंधित क्षेत्रों का सम्मान करें और आधिकारिक कार्य में बाधा न डालें।
इन अभ्यासों की तस्वीरें न लें या साझा न करें।
संघर्ष या खतरों के दौरान ऐसे बुनियादी ढांचे को छिपाने के महत्व को समझें।

5. निकासी योजना का पूर्वाभ्यास
चयनित आवासीय कॉलोनियों, स्कूलों और कार्यस्थलों में वैकल्पिक निकासी आयोजित की जा सकती है।
अपने भवन या क्षेत्र से निकलने का सबसे छोटा और सुरक्षित मार्ग जानें।
अभ्यास समन्वयकों या वार्डन के निर्देशों का पालन करें। लिफ्ट का उपयोग न करें, बुजुर्गों, बच्चों और विकलांग लोगों की सहायता करें।
पूर्व-निर्धारित सुरक्षित क्षेत्रों में इकट्ठा हों और व्यवस्था बनाए रखें।

6. संचार और समन्वय
मोबाइल फोन चार्ज रखें लेकिन अभ्यास के दौरान केवल आपातकालीन संचार के लिए उपयोग करें।
महत्वपूर्ण आपातकालीन संपर्क नंबर सहेजें- स्थानीय पुलिस स्टेशन, नागरिक रक्षा नियंत्रण कक्ष, निकटतम अस्पताल
सूचित रहने के लिए स्थानीय सामुदायिक प्रतिक्रिया टीम या व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं।

7. सूचित रहें, घबराएं नहीं
यह एक अभ्यास है, वास्तविक आपातकाल नहीं। घबराएं नहीं।
सोशल मीडिया पर असत्यापित संदेश, वीडियो या अफवाहें फैलाने से बचें।

8. स्कूल और कार्यालय की भागीदारी
माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल में उपस्थित होने और भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।
कार्यालयों को कर्मचारियों को अभ्यास के समय और निकासी प्रोटोकॉल के बारे में सूचित करना चाहिए।
प्रबंधन को आपातकालीन निकास, अलार्म सिस्टम और कर्मचारी तैयारियों का परीक्षण करना चाहिए।

9. नागरिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण
सामुदायिक सेवा में रुचि रखने वाले नागरिक अपने स्थानीय नागरिक रक्षा इकाइयों में पंजीकरण कर सकते हैं।
प्राथमिक चिकित्सा, भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रतिक्रिया में बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

छविरंजन समेत अन्य आरोपियों की वीसी के माध्यम से हुई पेशी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बरियातू के चेशायर होम रोड स्थिति एक एकड़ जमीन की अवैध तरीके से खरीद-फरोख्त के मामले में मंगलवार को पीएमएलए कोर्ट में जेल में बंद रांची के पूर्व डीसी छविरंजन समेत अन्य आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश किया गया। मामले में आरोप गठन के बाद ईडी को साक्ष्य प्रस्तुत करना है। मंगलवार को ईडी का गवाह नहीं पहुंचा। अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 20 मई निर्धारित की। छवि रंजन, अमित कुमार अग्रवाल, प्रेम प्रकाश, विष्णु अग्रवाल, दिलीप घोष, भरत प्रसाद, इम्तियाज अहमद, अफसर अली, मो सद्दाम और राजेश राय पर आरोप गठित किया गया है। मामले को लेकर ईडी ने 4 जुलाई 2023 को ईसीआईआर 5/2023 के तहत भरत प्रसाद एवं राजेश राय के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के दरम्यान छवि रंजन समेत 8 आरोपियों का नाम सामने आया।

गैरिसन इंजीनियर साहिल रातुसरिया की जमानत याचिका खारिज

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सिविल कोर्ट स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने रिश्वत मामले में गिरफ्तार इंडियन डिफेंस सर्विस ऑफ इंजीनियर्स के गैरिसन इंजीनियर साहिल रातुसरिया को जमानत देने से इनकार किया है। उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने पिछले दिनों अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। सीबीआई रांची की एसीबी शाखा ने 19 मार्च को 40 हजार 500 रुपए घूस लेते इंजीनियर को रंगेहाथ गिरफ्तार किया था। तब से वह जेल में है। आर्मी के आधारभूत संरचना का निर्माण देखने वाली कंपनी आईडीएसई के इंजीनियर साहिल रातुसरिया ने सिविल वर्क के बाद 27 लाख का बिल संबंधित कंपनी ने आईडीएसई को सौंपा था।

बतौर गैरिसन इंजीनियर इसे पास करने के एवज में 54 हजार की मांग की थी। बाद में 40,500 रुपए घूस लेते हुए साहिल को रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। तलाशी में इंजीनियर के नामकुम स्थित आवास से 80 लाख रुपये नकद मिले हैं। उसके आवास से एक करोड़ रुपये मूल्य के शेयर, 60 से 70 लाख रुपये के जेवरात व रुपयों के लेन-देन से संबंधित डायरी व कागजात भी मिले हैं।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली में महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा

तानाशाह सरकार को झुकना पड़ा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कांग्रेस की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने रांची में संविधान बचाओ रैली को संबोधित करते हुए कहा कि रांची से उठी ललकार दिल्ली की सरकार के कानों तक जाएगी। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना पर मुहर लगानी पड़ी है, यह जीत राहुल गांधी की जीत है। अलका लांबा ने कहा कि भाजपा और आरएसएस जातिगत जनगणना के खिलाफ थे। लेकिन राहुल गांधी ने इस मांग के साथ आंदोलन किया कि जिसकी जितनी आबादी, उसको उतना हक।

अलका लांबा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास में सेना प्रमुखों के साथ बैठक होती है, इसमें संघ के प्रमुख मोहन भागवत बुलाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम में 28 लोगों की जान चली गई, लेकिन प्रधानमंत्री ने सर्वदलीय बैठक में कहा कि हमसे चूक हो गई। अलका लांबा ने कहा कि राहुल गांधी पहलगाम गए, शहीद की विधवा से मिले, जबकि मोदी जी चुनावी राज्यों में जाकर अठखेलियां कर रहे हैं।

भाजपा संविधान की धज्जियां उड़ा रही : प्रदीप यादव

विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि भाजपा संविधान की धज्जियां उड़ा रही है, लेकिन कहती है कि कांग्रेस ने संविधान की धज्जियां उड़ाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसान हित में बनाए गए कानून को बदलने की कोशिश किसने की, भाजपा ने की। प्रदीप यादव ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता को भाजपा ने तार-तार किया है, हिंदू-मुसलमानों के बीच दीवार खड़ा करने का प्रयास किया है। वहीं, झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने देश और झारखंड के कोने-कोने से आए लोगों का संविधान बचाओ रैली में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस रैली की जरूरत क्यों पड़ी, इसके बारे में राष्ट्रीय नेता बताएंगे। केशव महतो कमलेश ने कहा कि न्याय के लिए एक-एक कांग्रेस कार्यकर्ता को संघर्ष करने की जरूरत है, निष्ठा के साथ। धन्यवाद ज्ञापन राजेश कच्छप ने किया।

कांग्रेस नेता खड़गे के खिलाफ भी भाजपा कर रही षड्यंत्र: भूपेश बघेल

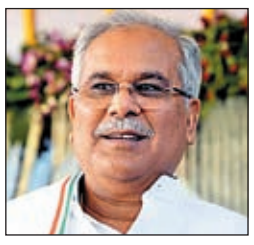

रांची। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आज संविधान खतरे में है। लोकतंत्र खतरे में है। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वे सबको डुबाना चाहते हैं। दुश्मन की तरह व्यवहार करते हैं। संविधान बचाओ रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान को बदलकर आपके अधिकार को समाप्त करना चाहती है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ भी भाजपा षडयंत्र कर रही है। जब-जब कांग्रेस को मौका मिला तब-तब कांग्रेस ने जनता के अधिकार को संपन्न बनाया। भाजपा को जब भी मौका मिला अधिकार छीनने का काम किया।

मनरेगा में नहीं चल रहा काम : आज पूरे देश में मनरेगा में काम नहीं चल रहा है। गरीबों के मुंह से निवाला छीना जा रहा है। महंगाई बढ़ती जा रही है। भाजपा अपने मित्रों का जेब भरने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जो कांग्रेस अंग्रेजों से नहीं डरी वो क्या काले अंग्रेजों से डरेगी। जिस परिवार ने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया, उस पर 2000 और 5000 करोड़ काम आरोप लगा रहे हैं। बेशर्मी के साथ झूठ बोलते हैं।

आम आदमी के लिए एक भी सिक्यूरिटी नहीं : बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे पर तंज कसते हुए कहा कि शादी की सालगिरह पर सैकड़ों जवान सुरक्षा में लगाये, लेकिन आम आदमी के लिए एक भी सिक्यूरिटी नहीं? पहलगाम घटना के 15 दिन गुजर जाने के बाद एक भी प्रभावी कदम नहीं उठाया है। इस संकट काल में हम सब एक हैं।

झारखंड की जनता का आभार, संविधान बचाओ रैली की सफलता में आपके सहयोग को सलाम

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं ने कहा कि झारखंड की धरती एक बार फिर आज फिर इतिहास की साक्षी बनी। संविधान बचाओ रैली का सफल आयोजन जनता की जागरूकता, कार्यकर्ताओं की मेहनत और कांग्रेस के प्रति विश्वास का प्रतीक बन गया। इस ऐतिहासिक रैली के सफल आयोजन पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता, संजीत यादव, अभिषेक साहू, फिरोज रिजवी मुन्ना, मेहुल दुबे, विशाल सिंह,पप्पू पासवान ने झारखंड की जनमानस, सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और समर्थकों को दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह रैली सिर्फ एक आयोजन नहीं थी, यह लोकतंत्र, संविधान और देश की आत्मा की रक्षा का संकल्प था। झारखंड की जनता ने आज यह साबित कर दिया कि जब बात संविधान की होती है, तो हर दिल एकजुट होकर आवाज बुलंद करता है। आलोक कुमार दूबे ने एवं लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि यह रैली कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में जन-जन तक संविधान की रक्षा का संदेश लेकर पहुंची है और यह संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

पीएम आवास योजना शहरी में किफायती आवासों की दिशा में नयी पहल

घटक 2.0 के तहत इस साल बनाये जायेंगे 10000 किफायती आवास

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के घटक 2.0 के तहत इस साल 10,000 किफायती आवास बनाए जायेंगे। नगरीय प्रशासन निदेशालय, जुडको और सभी नगर निकायों को इसका लक्ष्य दिया गया है। योजना के तहत लाभुकों का नियमित सर्वे कराकर सूची विभाग को भेजी जाएगी और लाभुकों की जांच के बाद ही आवास स्वीकृत किया जाएगा।

निकायवार सर्वे और आवास निर्माण की प्रक्रिया : नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव ने निकायवार सर्वे कराकर आवास निर्माण कार्य शुरू कराने का निर्देश दिया है। विभाग के सचिव ने स्पष्ट किया है कि नए आवास निर्माण के डीपीआर में बिजली, पानी, पहुंच पथ जैसी मूलभूत सुविधाओं का प्रावधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसी के अनुरूप परामर्शी चयन के लिए एसओपी तैयार किया जाएगा।

एएचपी घटक के तहत आवास निर्माण की प्रगति : प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तृतीय घटक एएचपी के तहत राज्य के विभिन्न नगर निकायों में बहुमंजिला आवासों का निर्माण कराया जा रहा है। अभी तक स्वीकृत आवासों में से 4032 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है और 14,326 आवास निमार्णाधीन हैं। हालांकि, कई आवासों में बिजली, पानी या एप्रोच रोड की व्यवस्था नहीं होने के कारण लाभुक फ्लैट लेने से आनाकानी कर रहे हैं। अब नए डीपीआर में इन सभी चीजों का प्रावधान किया जाएगा।

अवैध हथियार के साथ धराये आरोपी को नहीं मिली बेल

रांची। एटीएस मामले के विशेष न्यायाधीश एसएन तिवारी की अदालत ने मंगलवार को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार अपराधी ऋषभ वशिष्ठ उर्फ सन्नी सिंह को जमानत देने से इनकार किया है। उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई पश्चात अदालत ने खारिज कर दी। उसने 28 अप्रैल को जमानत की गुहार लगाते हुये याचिका दाखिल की थी। एटीएस ने किशोरगंज निवासी सन्नी सिंह को रिंग रोड में बीते 18 फरवरी को गिरफ्तार किया था। तलाशी के दौरान उसके वाहन की डिक्की से लोडेड अवैध हथियार एटीएस टीम ने बरामद किया था। गिरफ्तारी के बाद से ही वह जेल में है।

झारखंड में सीएनटी भूमि की वापसी के लिए नयी पहल, मंत्री बने पीठासीन पदाधिकारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी) के तहत अनुसूचित जनजाति की भूमि वापसी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरूआ को पीठासीन पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जो सीएनटी से आच्छादित भूमि वापसी के मामलों की सुनवाई और निष्पादन करेंगे।

क्या है सीएनटी एक्ट : छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की धारा 49(5) के तहत अनुसूचित जनजाति के लोगों की भूमि की सुरक्षा का प्रावधान है। इस अधिनियम के तहत भूमि वापसी के मामलों की सुनवाई और निष्पादन के लिए पीठासीन पदाधिकारी की नियुक्ति की गई है। भू-राजस्व विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इस पहल से अनुसूचित जनजाति के लोगों की भूमि की सुरक्षा और वापसी के मामलों में तेजी आने की उम्मीद है।

नियुक्ति की शर्तें : पीठासीन पदाधिकारी के रूप में दीपक बिरूआ का कार्यकाल राजकीय गजट में प्रकाशन की तिथि से नए पीठासीन पदाधिकारी का नाम प्रकाशित होने तक रहेगा। निष्पादित वाद को कार्यपालिका नियमावली के नियम 24 के तहत राज्यपाल और मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया जाएगा।

निजी उच्च शिक्षण संस्थानों में एसटी, एससी और ओबीसी को दाखिले में मिले आरक्षण : राजेश कुमार गुप्ता

रांची। केंद्र और राज्य सरकार निजी उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को प्रवेश में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को लागू कर आरक्षण दे। उक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा प्रदेश कार्यालय में अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने प्रेस वार्ता में कही। श्री गुप्ता ने कहा कि मनमोहन सिंह की सरकार ने 2006 में एससी एसटी ओबीसी वर्ग के छात्रों को निजी उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए 15 (5) के तहत 93वां संशोधन किया था। जिसे निजी शिक्षण संचालकों ने लागू न कर इसे माननीय सर्वोच्च न्यायालय में ले गये। जिसका फैसला जनवरी 2014 में पिछड़ा वर्ग के पक्ष में आया। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा प्रधानमंत्री से निजी उच्च शिक्षण संस्थानों में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को लागू करने की मांग की है। प्रेस वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप वर्मा, महासचिव रामावतार कश्यप, राम लखन साहू संतोष शर्मा शामिल थे।

कैथोलिक आदिवासी जैसे भ्रामक शब्द समाज को कर रहे गुमराहः बाबूलाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि ईसाई धर्म में मतांतरण कर चुके कुछ लोग कैथलिक आदिवासी जैसे भ्रामक शब्दों का इस्तेमाल कर समाज को गुमराह करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि पैसों और राजनीतिक स्वार्थ के लालच में मतांतरण कर ईसाई बन चुके ये लोग सिर्फ आरक्षण का अनुचित लाभ उठाने के लिये खुद को आदिवासी बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि कैथलिक समुदाय ये स्पष्ट समझ लेना चाहिये कि उन्हें अपने धर्म का पालन करने की पूरी स्वतंत्रता है, लेकिन, यदि लोभ, लालच, भय और साजिश के तहत आदिवासी समाज को मिटाने का षड्यंत्र किया गया, तो इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज चर्च के फरमानों से नहीं चलेगा। बल्कि यह अपनी दिशा सनातन आस्था, सरना स्थल, मांझी थान तथा जाहेर थान जैसे पारंपरिक श्रद्धा केंद्रों से तय करेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में जल्द ही आदिवासी समाज को संगठित कर विदेशी साज़िशों को नाकाम करने का आंदोलन प्रारंभ किया जायेगा। ताकि अपनी सांस्कृतिक पहचान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की जा सके। साथ ही, प्रशासन से भी अनुरोध है कि उक्त मामले का संज्ञान लेकर संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों के तहत आवश्यक कारवाई सुनिश्चित करें।

अपर मुख्य सचिव ने रिम्स, सभी मेडिकल कॉलेज और सिविल सर्जन को दिया निर्देश

सभी पुराने और जीर्ण-शीर्ण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के भवनों का होगा कायाकल्प

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के प्रमुख मेडिकल कॉलेज रिम्स के साथ राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के पुराने और जीर्ण भवनों का कायाकल्प होगा। जर्जर घोषित भवन ध्वस्त होंगे और जिन भवनों में मरम्मत की जरूरत होगी उनकी मरम्मत की जाएगी।

राज्य के अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अजय कुमार सिंह ने इस संबंध में रिम्स के साथ साथ सभी मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों को 3 दिन में कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पत्र के माध्यम से अपर मुख्य सचिव ने रिम्स के साथ साथ सभी मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों को निर्देश देते हुए कहा है कि जमशेदपुर जैसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो। इसके लिए भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता के साथ भवनों का निरीक्षण करें और जो भवन बिल्कुल क्षतिग्रस्त हैं और कंडेम घोषित करने के सभी मानदंडों को पूरा करते हैं, उन्हें कंडेम घोषित करते हुए ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा है कि यदि क्षतिग्रस्त भवनों की मरम्मत की आवश्यकता हो तो उसकी मरम्मती की जाये। इसके लिए कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग से प्राक्कलन तैयार कराते हुए मरम्मति की कार्रवाई की जाय। क्षतिग्रस्त भवनों की मरम्मत विभिन्न योजनाओं, जैसे मुख्यमंत्री चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल प्रबंधन तथा अनुरक्षण योजना और विभिन्न स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत प्राप्त क्लेम की राशि से की जा सकती है। इस निमित्त यदि अतिरिक्त राशि की आवश्यकता हो तो विभाग से इसकी मांग की जाय। अपर मुख्य सचिव ने तीन दिनों के अंदर उक्त निर्देश का अनुपालन करते हुए विभाग को प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया है।

झारखंड के उत्तर-पूर्वी जिलों में 10 को 'लू' चलने की संभावना

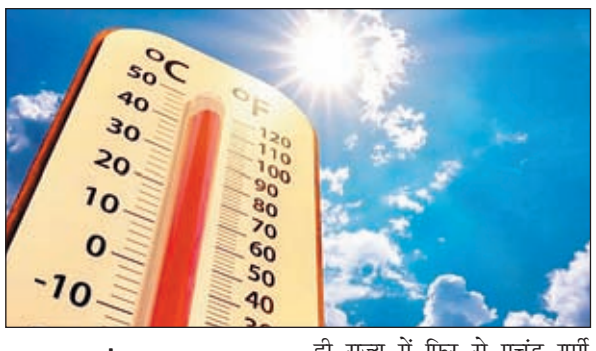

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड के उत्तर-पूर्वी जिलों में 10 मई को लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने जिन जिलों में लू चलने की आशंका व्यक्त की है उनमें दुमका, पाकुड और गोड्डा शामिल है। वहीं विभाग के अनुसार राज्य भर में तापमान बढ़ने की आशंका है। तापमान बढ़ते ही राज्य में फिर से प्रचंड गर्मी पड़ेगी। इससे राजधानी रांची समेत सभी जिलों के तापमान में पांच से सात डिग्री की वृद्धि हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि अप्रैल माह में गर्जन और बारिश के कारण पूरे राज्यर भर में तापमान कम रहा। इससे लोगों को गर्मी का प्रकोप नहीं झेलना पड़ा, लेकिन मौसम विभाग ने आठ मई के बाद तापमान में वद्धि होने की आशंका जतायी है।

एसबीयू और महिंद्रा यूनिवर्सिटी के बीच हुआ शैक्षणिक करार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरला बिरला यूनिवर्सिटी और महिंद्रा यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के बीच शैक्षणिक करार पर सहमति बनी है। इस आशय से संबंधित एमओयू पर एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक और महिंद्रा यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. यजुलु मेदुरी ने हस्ताक्षर किया। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अब शोध, परामर्श, शैक्षणिक तथा अन्यान्य क्रियाकलापों से संबंधित गतिविधियों का आदान-प्रदान होगा।

देश के 10 शीर्ष औद्योगिक घरानों में शामिल महिंद्रा एवं महिंद्रा समूह के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक पद्म विभूषण आनंद महिंद्रा द्वारा स्थापित महिंद्रा यूनिवर्सिटी ने हाल के वर्षों में अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में देश भर में अनूठी पहचान बनाई है। महिंद्रा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस द्वारा वित्त पोषित महिंद्रा यूनिवर्सिटी आईटी कंपनी टेक महिंद्रा की आनुषंगिक इकाई है।

इस एमओयू से दोनों विवि के छात्रों को वृहत शैक्षणिक परिवेश में अध्ययन करने का अवसर मिल सकेगा। साथ ही दोनों विवि के विभिन्न विशेषज्ञों के सान्निध्य में छात्रों को नवीनतम और शोधपरक जानकारियां भी उपलब्ध हो पाएंगी। सरला बिरला के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच हुए एमओयू पर हर्ष व्यक्त किया है।

छात्राओं की सुरक्षा पर राज्य सरकार ने नहीं सौंपी रिपोर्ट

झारखंड हाईकोर्ट ने जतायी कड़ी नाराजगी, दिया अंतिम मौका

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में मंगलवार को महिला और छात्राओं की सुरक्षा मामले की सुनवाई हुई। हाईकोर्ट के निर्देश के आलोक में की गयी कार्रवाई की रिपोर्ट मंगलवार को फिर सरकार ने पेश नहीं की। सरकार ने रिपोर्ट पेश करने के लिए कोर्ट से फिर समय की मांग की। इस पर खंडपीठ ने कड़ी नाराजगी जतायी और मुख्य सचिव को जवाब दाखिल करने का अंतिम मौका देते हुए सुनवाई जून के दूसरे सप्ताह में निर्धारित की। अदालत ने कहा कि यदि इस दिन जवाब दाखिल नहीं किया गया, तो सरकार पर 50 हजार का हर्जाना लगाया जाएगा। अदालत ने कहा कि कोर्ट के निर्देश के बाद सरकार ने भी सुरक्षा के लिए कदम उठाने की अंडरटेकिंग दी थी, लेकिन अभी तक इसे कोर्ट में पेश क्यों नहीं किया गया।

गौरतलब है कि अदालत ने सरकार को छात्राओं को ले जाने वाली स्कूल बसों में एक महिला कर्मचारी की प्रतिनियुक्ति, स्कूल बसों में सीसीटीवी कैमरे लगाने को कहा था। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार के हेल्पलाइन नंबर 112 के प्रचार-प्रसार करने समेत कई निर्देश दिए थे। सरकार ने सभी निर्देशों का पालन करने की बात कही थी। सरकार की ओर से बताया गया कि राज्य की छात्राओं के साथ हो रहे दुष्कर्म रोकने के लिए स्कूलों को कई निर्देश दिए गए हैं। सभी स्कूल बस में सीसीटीवी कैमरा लगाने, जिस बस से लड़कियां आना-जाना करती हैं उनमें महिला कंडक्टर रखने को कहा गया है। जल्द ही सभी स्कूल प्रबंधन के साथ बैठक कर इसे सुनिश्चित करने को कहा गया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि सरकार को हर हाल में महिलाओं और नाबालिग बच्चों का यौन उत्पीड़न रोकने के लिए पहल करनी होगी। पुलिस प्रशासन इस पर सख्त कार्रवाई करे। स्कूल बसों में लेडी टीचर रहें ताकि बच्चे सुरक्षित रहें। बस की कंडक्टर महिला हो तो और भी अच्छा रहेगा।

क्या है मामला

रिम्स की लिफ्ट में महिला डॉक्टर से छेड़छाड़, जमशेदपुर में स्कूल वैन में ड्राइवर के तीन वर्ष की छात्रा के साथ यौन शोषण, तमाड़ की नाबालिग का ट्रक चालक द्वारा अपहरण और दुष्कर्म के मामले को हाईकोर्ट में उठाया गया है। इस संबंध में अधिवक्ता भारती कौशल ने जनहित याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि जनवरी से लेकर जून तक महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार दुष्कर्म और छेड़खानी लगातार बढ़ी है। इस अवधि में 185 मामले दर्ज किए गए हैं। प्रार्थी भारती कौशल ने अदालत को बताया कि स्कूलों में वैन भी चलते हैं। स्कूल प्रबंधन वैन के ड्राइवर का सत्यापन नहीं कराते। वह ड्राइवर तीन- चार साल की बच्ची के साथ गलत हरकत करता है। इसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

खबर एक नजर में

श्री श्याम मंदिर में 152वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 152वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जो यह पढ़े हनुमान चालीसा होई सुदी साखी गौरीसा के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। सोनू अग्रवाल और मालविका अग्रवाल ने परिवार के साथ बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित की। पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनियां, मंत्री श्याम सुंदर शर्मा, उपमंत्री अनिल नारनौली, स्नेह पोद्दार, सोनू अग्रवाल, मालविका अग्रवाल, शौर्य और आरूषी अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे। यह जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी।

श्री राधा-कृष्ण सेवा धाम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग में श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम के श्री राधा-कृष्ण मंदिर में सीता नवमी व मां जानकी प्राकट्य दिवस के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना भव्य भजन कीर्तन, महाभोग एवं महाआरती का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में पूरे विधि विधान से पूजा-अर्चना व आरती कर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद भोग का वितरण किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक परिषद द्वारा सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में रहे मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम में रह रहे उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों को अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद खिलाया गया। इस अवसर पर विजय अग्रवाल, डुंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, मनोज चौधरी, पूरणमल सर्राफ, संजय सर्राफ, सुरेश भगत, सुरेश अग्रवाल, नंदकिशोर चौधरी, पवन पोद्दार, विशाल जालान, शिव भगवान अग्रवाल, प्रेमचंद श्रीवास्तव, सुरेश मलिक, विद्या देवी अग्रवाल, रानी लाभ, ममता शरण, सुधा मलिक, रानी दास, अनुपमा रंजन, श्वेता किरण, निर्मला किरण, कविता मलिक, पुष्पा लाभ, मनीषा प्रसाद, संध्या देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष उपस्थित थे।

प्राइवेट स्कूलों की समस्या को लेकर वर्चुअल बैठक

रांची। प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन ने राज्य में संचलित निजी विद्यालयों कि समस्याओं के संबंध में एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान कि अध्यक्षता में हुई। राज्य स्तरीय ऑनलाइन बैठक का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से मंगलवार को आयोजित किया गया। बैठक का संचालन प्रदेश सचिव तौफीक हुसैन ने किया। बैठक में मसूद कच्ची, अरविंद कुमार, आलोक विपिन टोप्पो, मेघाली कुमारी, डॉ बीएनपी बर्णवाल, अभय कुमार, अनिल गुप्ता, परवीन मोदी, मुमताज आलम, जाया वर्मा, दिलीप यादव, राज वर्मा, हुजैफा खान, अंसारुल्लाह, प्रेमनाथ, अजय कुमार, जयप्रकाश मेहता, दीपक कुशवाहा, पल्लव बर्णवाल, रंजीत पांडे, भुनेश्वर कुमार, आरिफ अंसारी, दिलीप बर्णवाल सहित अन्य लोग शामिल हुए।

लापता युवक का शव मनातू तालाब से बरामद

रांची। सुखदेव नगर थाना अंतर्गत देवी मंडप रोड का रहने वाला 20 वर्षीय युवक रौशन कुमार ठाकुर उर्फ राजू का शव मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे एनडीआरएफ की टीम ने कांके थाना क्षेत्र के मनातू तालाब से बरामद किया है। मौके पर पहुंची कांके थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेज दिया है। मृतक शनिवार से लापता था। इस मामले में सुखदेव नगर थाना में गुमशुदगी की सनहा दर्ज की गई है। परिजनों ने बताया कि खोजबीन के दौरान जानकारी मिली थी कि रौशन अपने तीन दोस्त यश उरांव, रिशु और प्रवीण उर्फ लालो के साथ स्कूटी से घुमने निकला था। इस दौरान सभी ने कटहल मोड़ के पास से शराब भी खरीदी थी। इसमें जब राजू के दोस्तों से पूछताछ की गई तो सभी इनकार किये। पुलिस की पूछताछ में दो दोस्तों ने बताया कि राजू मनातू तालाब में डूब गया है। मृतक के दोस्तों की निशानदेही पर मृतक का कपड़ा और मोबाइल दूसरी जगह से बरामद हुआ है। इस मामले में कांके थाना प्रभारी प्रकाश रजक ने बताया कि आसपास के लोगों के अनुसार मृतक और उसके दोस्त शराब का अत्याधिक सेवन किये हुये थे। परिजनों के द्वारा अबतक किसी प्रकार का लिखित आवेदन नही दिया गया है। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

भक्ति से ही ईश्वर की अनुभूति : स्वामी परिपूर्णानंद

रांची। भगवान सभी प्राणियों के अंदर विद्यमान हैं और मनुष्य को ज्ञान एवं स्मृति प्रदान करते हैं। उन्हें भक्ति के लिए प्रेरित करते हैं। ये विचार चिन्मया मिशन आश्रम में सात दिनों से चल रहे ज्ञान यज्ञ के समापन पर स्वामी परिपूर्णानंद महाराज ने मंगलवार को व्यक्त किये। उनका प्रवचन तत्व बोध नामक ग्रन्थ पर आधारित था। जिसमें उन्होंने पंचकोश के संदर्भ में बताया कि आत्मा के ऊपर पंचकोशों का आवरण है जिसे हटाने पर सत चित्त आनंद स्वरूप आत्मा का अनुभव किया जा सकता है। उन्होंने श्रीमद् भागवत गीता के पंद्रहवें अध्याय का उद्धरण करते हुए भगवान के विभिन्न विभूतियों की विस्तार से चर्चा की।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालयों में नामांकन का मौका

- राज्य में संचालित 26 आवासीय विद्यालय के 936 सीटों पर नामांकन जारी
- कक्षा 10 में बच्चों का नहीं होगा नामांकन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य में संचालित 26 नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालयों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इन विद्यालयों में विशेष कोटि के बच्चों का नामांकन लिया जाना है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय के रिक्त 936 सीटों के विरुद्ध नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है।

इस संबंध में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने सभी जिलों को पत्र मंगलवार को भेजा है। माध्यमिक स्तर पर 9-10 तक की कक्षाएं संचालित की जानी हैं। हालांकि कक्षा 10 में नया नामांकन नहीं लिया जायेगा। अतः कक्षा 8 से प्रगमन के बाद कक्षा 9 में नामांकन तथा कक्षा 9 से प्रोग्रेशन के बाद कक्षा 10 में नामांकन लेने के पश्चात माध्यमिक स्तर पर कुल 60 सीटों में से यदि सीटें खाली रह जाती हैं, तो कक्षा 9 में शेष सीटों में नामांकन लिया जा सकता है। इस तरह माध्यमिक स्तर कक्षा 9-10 मिलाकर कुल 60 बच्चों का नामांकन लिया जायेगा।

इन बच्चों का नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय में होगा नामांकन

नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय में अनाथ बच्चे, एकल माता पिता के बच्चे, बिना व्यस्क संरक्षण के रहने वाले बच्चे, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित परिवारों के बच्चे, मानव तस्करी से प्रभावित परिवार के बच्चे, सड़क पर जीवन यापन करने वाले बच्चे, भिक्षा मांगने वाले एवं घूमन्तू बच्चे, खदानों, ईंट भट्ठों व अन्य खदानों में काम करने वाले श्रमिकों के बच्चे और बाल श्रमिक, प्रवासी परिवारों के बच्चे, आदिम जनजाति परिवारों के बच्चे नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय में नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

प्रसन्न मन से कार्य को करने से निश्चित रूप से मिलती है सफलता : मुकेश सिंह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मन्मुख एजुकेशन संस्था में मंगलवार को खुशी संस्था के संस्थापक मुकेश सिंह द्वारा भ्रमण किया गया। उन्होंने इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन का कोर्स कर रहे सभी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रसन्न मन से किसी भी कार्य को करने से सफलता निश्चित रूप से मिलती है। इसके लिए स्थिति कुछ भी हो लेकिन अपने आप को खुश रखना सीखिए। अगर जिंदगी है तो कुछ ना कुछ परेशानी आती रहती है लेकिन उस परेशानी को भी समझदारी से समझते हुए खत्म की जा सकती है। उन्होंने बहुत सारा उदाहरण देते हुए अपनी बातें रखी। साथ में मन्मुख संस्था के सीओ मनोज कुमार झा के द्वारा कहा गया कि आप लोग अपने आप को इतना सशक्त और मजबूत बनाएं जिससे कि कोई भी लक्ष्य आसान लगे। लक्ष्य प्राप्त करने में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़े तो उससे घबराना नहीं है। हर हाल में अपने लक्ष्य को प्राप्त करना ही है। इस उद्देश्य से अपने-अपने कार्य को करें। प्रोजेक्ट मैनेजर मनजीत कुमार झा ने भी अपनी बातों को रखते हुए सभी लोगों से कहा कि आप लोगों के जीवन यापन को आगे बढ़ाने के लिए ही यह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मौके पर संस्था के सभी सदस्य उपस्थित थे।

सकारात्मक सोच ही देता है सफलता रूपी परिणाम : मुकेश चौहान

रांची। मंगलवार को होचर कांके स्थित नेताजी एकेडमी हाई स्कूल में खुशी क्लास का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि तनाव, डिप्रेशन अपने जीवन में आस-पास भी फटकने नहीं देना है। सकारात्मकता से खुशी जगती है और यही खुशी मंजिल तक ले जाती है। मौके पर प्रधानाचार्य डॉ वीरेंद्र साहू ने अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा है। कार्यक्रम में संदीप शाह, सुजीत उपाध्याय, शिव प्रसाद साहू, सुनीता कच्छप, अनु देवी, कुसुम टोप्पो, मनीष साहू, मनसुख एडुकेशन के प्रमुख मनोज झा, मंजीत झा, देव कुमार, राहुल कुमार, सिपिन कुमार, आकांक्षा कुमारी सहित दर्जनों विद्यार्थी उपस्थित थे।

ओलंपियाड में शारदा ग्लोबल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ओलम्पियाड परीक्षा विद्यार्थी की वास्तविक क्षमता और योग्यता का परिचय देती है। इस परीक्षा में प्रतिभागी अपने शैक्षणिक कौशल को विकसित करके बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। इस प्रकार की परीक्षाएं विभिन्न विषयों के वैचारिक ज्ञान का परीक्षण करने का आदर्श तरीका हैं। शारदा ग्लोबल स्कूल के छात्र इस प्रकार की परीक्षाओं में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते रहे हैं, जो विद्यालय के शिक्षण पद्धति को एवं उचित निर्देशन को दर्शाता है।

इण्टर नेशनल सोशल स्टडीज विषय में चार छात्रों को 'गोल्ड मेडल्स ऑफ डिस्टिंक्शन, छह छात्रों को 'गोल्ड मेडल्स ऑफ एक्सीलेन्स मिला।

इण्टरनेशनल इंग्लिश ओलम्पियाड में चार छात्रों को गोल्ड मेडल्स ऑफ डिस्टिंक्शन, 26 छात्रों को गोल्ड मेडल्स ऑफ एक्सीलेंस हासिल हुआ। इण्टरनेशनल मैथमेटिक्स ओलम्पियाड में चार छात्रों को गोल्ड मेडल्स ऑफ डिस्टिंक्शन और 35 छात्रों को गोल्ड एक्सीलेंस प्राप्त हुआ।

इण्टर नेशनल कम्प्यूटर साइन्स ओलम्पियाड में नौ छात्रों को गोल्ड मेडल्स ऑफ डिस्टिंक्शन और सात छात्रों को गोल्ड मेडल्स ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया।

छात्रों की इस अभूतपूर्व सफलता पर विद्यालय की डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. रंजना स्वरूप एवं प्राचार्या जसमीत कौर ने हर्ष जताते हुए कहा कि शारदा ग्लोबल स्कूल अपने संस्थान के छात्रों के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव बनाने का अतिरिक्त प्रयास करता आ रहा है, जिससे छात्रों की विषयों के प्रति अवधारणा सहज एवं स्पष्ट रूप में लेकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद ने मां जानकी पूजनोत्सव मनाया

- 51 कुमारी कन्याओं का किया पूजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद रांची की ओर से मंगलवार को मां जानकी के प्राकट्य दिवस के अवसर पर कोकर क्षेत्र के वार्ड 6 के पार्षद कार्यालय में मां जानकी पूजनोत्सव का आयोजन किया गया। मां जानकी पूजनोत्सव मिथिला समाज के मैथिल एवं कोकर के स्थानीय लोगों के सहयोग से संपन्न हुआ। झारखण्ड में प्रवासी मैथिल एवं स्थानीय लोगों के सहयोग से यह पहला अवसर रहा कि किसी मिथिला-मैथिली संस्था के द्वारा मूर्ति पूजन का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एवं पूजन का आयोजन आचार्य पंडित उमा शंकर झा एवं यजमान किरण पाठक के द्वारा वैदिक विधि से संपन्न हुआ। प्रसाद स्वरुप खीर, पचमेर, फल मां भारतेश्वरी को भोग लगाया गया। पूजन उपरांत मां भगवती स्वरूपा कुमारी कन्याओं के पूजन एवं उनको भोजन कराया गया। इसके बाद प्रसाद का वितरण हुआ। संध्या काल में शाम 4 बजे से सांस्कृतिक आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकार रूपा चौधरी एवं निभा झा ने मैथिली सोहर गीत एवं अन्य पारंपरिक गीतों से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं, आशुतोष द्विवेदी ने अपनी प्रस्तुति से लोगों झूमने पर मजबूर कर दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में वार्ड 6 के पूर्व पार्षद प्रतिनिधि आनंद खलको, सरोज झा, मनोज सिंह, किरण पाठक, रीना मिश्रा, कुमुद झा, निर्मला झा, आशा झा, दीपा झा, अनिता झा, राजीव झा, निशांत झा, उमा शंकर झा, पंडित संतोष झा, विद्यानंद ठाकुर, बीरेंद्र कुमार झा, अमरनाथ झा, विलट पोद्दार, राज कुमार पोद्दार, अजय झा, राधेश्याम यादव, अशोक सिंह, आनंद झा एवं यतींद्र दास समेत अन्य लोगों ने सराहनीय भूमिका निभायी।

झारखंड मैथिली मंच ने जानकी प्राकट्य दिवस मनाया

- डीएवी स्वर्ण रेखा विद्यानगर में किया 51 कुंवारी कन्या का पूजन कार्यक्रम

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड मैथिली मंच ने जानकी दिवस मनाया। मंगलवार को झारखण्ड मैथिली मंच के बहिना प्रकोष्ठ के तत्वावधान में जानकी प्राकट्य दिवस आयोजित किया गया।

प्रथम चरण में विद्यापति दलान हरमू के परिसर में माता जानकी की विधिवत पूजा अर्चना की गयी एवं विद्यापति तथा माता जानकी को सामूहिक रूप से पुष्पांजलि अर्पित की गई। तदुपरांत विद्यापति रचित भगवती बंदना जय जय भैरवि असुर भयाऊनि के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई तत्पश्चात सोहर आदि अनेक विधा में आकर्षक गीतों की प्रस्तुति बबिता झा, बिट्टू झा, सुनीता झा, अनिता झा, नमीता मिश्र, किरण झा के समूह गान के रूप में हुई।

दूसरे चरण में डीएवी स्वर्ण रेखा विद्यानगर में 51 कुंवारी कन्या का पूजन कार्यक्रम किया गया। बच्चियों को उपहार भी प्रदान किया गया। सभी कन्या पारंपरिक परिधान में सुसज्जित बहुत ही आकर्षक एवं मनमोहक लग रही थीं।

विद्यालय के सचिव डॉ गंगेश गुंजन ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

बदरी नाथ झा ने बच्चियों को प्रश्न -उत्तर के माध्यम से माता जानकी के बारे में पूरी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की प्राचार्य मंजु सिंह, निभा झा सहित अनेक शिक्षिकाओं ने सराहनीय सहयोग दिया।

कार्यक्रम में झारखण्ड मैथिली मंच के अध्यक्ष बिनय कुमार झा, महासचिव जयन्त कुमार झा, संरक्षक अरूण कुमार झा, ब्रज किशोर झा, नरेश झा, ब्रज कुमार झा, बदरी नाथ झा, भारतेन्दु कुमार झा, बहिना प्रकोष्ठ की श्रीमती बबिता झा, श्रीमती बिट्टू झा, श्रीमती सुनीता झा, श्रीमती अनीता झा, श्रीमती नमीता मिश्र, श्रीमती किरण झा सहित काफी संख्या में सदस्य सम्मिलित हुए। समस्त कार्यक्रम बहिना प्रकोष्ठ की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

जानकी नवमी के अवसर पर भव्य प्राकट्योत्सव समारोह का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड मिथिला मंच के जानकी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में जानकी नवमी के शुभ अवसर पर पर भव्य प्राकट्योत्सव समारोह का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस मौके पर माता सीता के प्राकट्य दिवस को भव्य दिव्य एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। मंच के वरिष्ठ सदस्य सियाराम झा सरस ने बच्चों को मां जानकी के प्राकट्य के विषय में विस्तार से बताया। मंच की अध्यक्षा ममता झा ने कुमारी कन्याओं एवं बच्चों को बताया कैसे राजा जनक अकाल के समय हल जोतने गये और पुनौराधाम में माता सीता धरती से प्रकट हुईं।

प्राकट्योत्सव कार्यक्रम की विशेष झलक रही 51 कुमारी कन्याओं का पूजन एवं भोज, जो कि मिथिला की पारंपरिक धार्मिक संस्कृति का अभिन्न अंग है। कार्यक्रम के आयोजन में जानकी प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ममता झा, महासचिव निशा झा, कोषाध्यक्ष उषा पाठक, बबिता झा, रंजना झा, रानी झा, कविता चौधरी, प्रियंका प्रियदर्शी, शिल्पा झा, सरिता पाठक, मीना सिंह, नम्रता सोनी, सुप्रिता झा, पूजा झा, सुनीता मिश्रा, सरोज देवी, विनिशा झा का योगदान रहा।

मुरतो पंचायत भवन में साप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक

मजदूरों को काम देने से ही क्षेत्र का विकास संभव है : बीडीओ

खबर मन्त्र संवाददाता

समीक्षा बैठक के बाद मौजूद बीडीओ व अन्य।

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के मुरतो पंचायत भवन में मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मनरेगा, आवास समेत अन्य विकास योजनाओं की समीक्षा की गई। साथ ही आवश्यकता अनुसार कई दिशा निर्देश भी दिए गए। बैठक में बीडीओ ने मुरतो पंचायत के डारकंडरिया ग्राम में गिरीधारी उरांव के आम बागवानी का गड्ढा खोदाई का शुभारंभ किया। मौके पर बीडीओ राहुल उरांव ने शत प्रतिशत अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में काम करने, डिमांड करना सुनिश्चित करने व समय पर आवास का पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने मनरेगा से संबंधित मानव दिवस सृजन करने, योजनाएं पूर्ण कर एम आई एस में क्लोज करने के साथ-साथ रिजेक्ट ट्रांजैक्शन और सभी पैरामीटर में सुधार लाने की हिदायत दिया। साथ ही मनरेगा, आवास के अतिरिक्त 15 वित्त, कृषि, पशुपालन व कल्याण विभाग समेत अन्य सभी विभागों की समीक्षा की गई। उन्होंने मनरेगा के तहत प्रति ग्राम पांच-पांच योजनाओं का संचालन व प्रति पंचायत 150-200 मजदूरों का डिमांड करते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। क्योंकि इसी के जरिए हम अपने मानव दिवस सृजन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। मौके पर पंचायत की मुखिया सुनीता सोरेंग ने पदाधिकारियों व कर्मियों का स्वागत करते हुए पंचायत में चलने वाली योजनाओं के संबंध में कई जानकारियां भी दीं। इस दौरान बीडीओ ने सेवन रजिस्टर एवं कई योजनाओं के अभिलेख का निरीक्षण किया। वहीं मौके पर बीपीओ संजय तिर्की, सहायक अभियंता पुरुषोत्तम भाई पटेल, कनीय अभियंता, सद्दाम हुसैन अंसारी, अभय आशीष कोया, लेखापाल अभय खलखो, भारत स्वांसी, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, लाभुक व ग्रामीण समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

मृतक कामेश्वर बेदिया के परिजनों की मदद को पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता

मृतक भाजपा बुथ अध्यक्ष के घर पहुंचे लोग।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के हेंदेबिली के भाजपा बुथ अध्यक्ष व पूर्व पंचायत समिति सदस्य 48 वर्षीय कामेश्वर बेदिया का निधन के बाद, मंगलवार को कई भाजपा कार्यकर्ता उसके घर पहुंचे। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष जलैंद्र कुमार, पूर्व प्रमुख जयगाविंद उर्फ लालू साहू, रामसाय मुंडा, सुनील नायक आदि ने मृतक की पत्नी सुनिता देवी व स्वजनों से मिलकर दुख जताया, और घटना की जानकारी ली। बताया गया कि मृतक की विधवा मां व पत्नी ही बच्चे हैं। अंतिम संस्कार कार्यक्रम उसके चाचा व स्वजनों द्वारा किया जा रहा है। दोनो का एकलौता सहारा के निधन होने से वे काफी दुखी हैं। मिलने पहुंचे लोगों ने दोनो का हरसंभव मदद करने का भरोषा दिया। वहीं गांव के समाजिक कार्यकर्ता किशोर भंडारी आदि को मदद करने को लेकर सरकारी कागजात भी अपडेट कराने को कहा गया।

बताया गया कि सोमवार को मृतक के अंतिम संस्कार व श्रद्धांजलि देने किसी भी भाजपा नेता व कार्यकर्ता के नही पहुंचने से स्वजनों, ग्रामीणों के साथ क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भी नाराजगी जताई गई थी। इनके अलावा कई और भाजपा कार्यकर्ताओं के भी मृतक के घर पहुंचने की सूचना है।

रातू : सीएचसी से जागरूकता सारथी रथ रवाना

- परिवार नियोजन का होगा प्रचार
- शत-प्रतिशत लक्ष्य की कवायद

खबर मन्त्र संवाददाता

झंडी दिखाते बीडीओ व अन्य।

रातू (रांची)। सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार के निर्देश पर मंगलवार की दोपहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मिशन परिवार विकास 2025 के जागरूकता अभियान को लेकर प्रमुख संगीता तिर्की, बीडीओ एसके चौरसिया व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुजीत कुमार कश्यप की ओर से सारथी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके जरिये गांवों में परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधन अपनाने से संबंधित प्रचार-प्रसार किया जायेगा। इसका उद्देश्य शत-प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करना है। इसमें स्वास्थ्य परिचारिका और सहिया बहनों की खास भूमिका होगी।

कार्यक्रम में लिया हिस्सा

डॉ प्रीति, डॉ सौम्या, सांसद प्रतिनिधि शिवपूजन साहु, जिप अध्यक्ष प्रतिनिधि राजीव रंजन उर्फ चिंटू मिश्र, बीपीएम वैशाली कृष्णा, बीएएम अभिषेक तिवारी, प्रकाश गोप, अमित कुमार, बतिया देवी, विद्या सागर शर्मा, प्रवीण कुमार, अजीत कुमार, परिचारिकाएं, सहिया व अन्य स्वास्थ्य कर्मी आदि।

कार्यालय जिला ग्रामीण विकास शाखा, लोहरदगा
(मनरेगा कोषांग)
(Third Call)

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड, राँची पत्रांक (N)273(अनु0) दिनांक 03.03.2025 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना हेतु खाद एवं अन्य सामग्रियों के क्रय के लिये योग्य एवं पंजीकृत ग्राम संगठन/कृषक उत्पादक कंपनी/कृषक उत्पादक समूह/कृषक को–ऑपरेटिव जिनके पास सामग्रियों के कारोबार करने का प्रमाण पत्र एवं GST No. उपलब्ध है, उनसे मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक निविदादाता से सीलबंद लिफाफे में निविदा दिनांक 13.05.2025 को 11.00 बजे पूर्वाहन तक उप विकास आयुक्त–सह–अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, मनरेगा, लोहरदगा के कार्यालय में प्राप्त की जायेगी तथा दिनांक 13.05.2025 को 12.00 बजे अपराहन निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

नोट :– निविदा की विस्तृत शर्त्ते एवं अन्य जानकारी लोहरदगा जिले के वेबसाईट https://lohardaga.nic.in पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त–सह–
अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, लोहरदगा

PR 351719 Lohardaga(25-26)#D

जंगली हांथी ने महिला को कुचला, लोगों में दहशत

खबर मन्त्र संवाददाता

नदी पार कर ओरमांझी पहुंचा झुंड से बिछड़ा हाथी।

अनगड़ा। मंगलवार को अहले सुबह करीब पांच बजे गेतलसूद डैम पार करके एक जंगली हांथी अनगड़ा थाना क्षेत्र के लालगढ़ बस्ती आ धमका। और सुबह सुबह लकड़ी और पत्ता चुनने गई एक महिला को सूढ़ में लपेट कर एक पत्थर में पटक दिया जिससे महिला की घटना स्थल पर हीं मृत्यु हो गयी। मृतक महिला की पहचान कुन्ती देवी 65 वर्ष पति कपील प्रजापति के रूप में हुई है। हांथी के आबादी वाले क्षेत्र में घूस जाने से क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल बन गया है। सूचना पाकर वनकर्मियों और अधिकारियों ने जंगली हांथी को खदेड़कर जंगल की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि उक्त जंगली हांथी झूंड से बिछड़ गया है जिसके कारण वह खूंखार हो गया है। घटना सूचना पाकर घटना स्थल पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने मृतक के परिजन को मुआवजा के तौर पर अभी 25 हजार रुपये का भुगतान किए। बाकी 3.75 लाख रुपया कागजी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद देने का आश्वासन दिया गया है। घटना स्थल पर पहुंची अनगड़ा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भेज दिया है। वन विभाग से मुआवजा दिलाने हेतु सहयोग करने में पूर्व विधायक रामकुमार पहान मुखिया दुर्गा पहान विरेन्द्र सिंह भोक्ता सिकन्दर अन्सारी नरेश साहु इत्यादि शामिल थे।

झुंड से बिछड़ा हाथी पहुंचा ओरमांझी लोगों को दौड़ाया

हाथी को देखने पहुंचे लोगो की भीड़।

ओरमांझी। झुंड से बिछड़कर एक हाथी के ओरमांझी पहुंचने पर क्षेत्र के लोगों में भय व्याप्त है। बताया गया कि सुबह सात बजे के करीब एक हाथी को सालहन की ओर से तैयर कर नदी पार करते एक हाथी को देखा गया। हाथी नदी पारकर रूक्का पहुंच गया था। क्षेत्र में जैसे ही हाथी आने की जानाकरी मिली, हाथी को देखने आसपास से काफी संख्या में लोग पहुंच गए। बताया गया कि हाथी मैदान में चर रहे पशुओं व फोटों लेने गए युवकों को दौड़ा रहा था। वहीं कई लोग हाथी की ओर जाने से लोगों को मना भी कर रहे थें। वहीं सूचना मिलने पर वनविभाग के लोग भी पहुंच गए थें। विभाग द्वारा ड्रान की मदद से हाथी पर नजर बनाए हुई थी। लोग झुंड में बिछड़े हाथी को काफी खतरनाक बता कर, आगे जाने से मना कर रहे थें। बाद में विभाग की टीम द्वारा हाथी भगाव दस्ता व सायरन की मदद से जिधर से आया था उधार ही पहुंचाने का प्रयास कर रहे थी। तभी हाथी भगा रहे दस्ते के एक सदस्य को भी दौड़ा दिया था। उसने हाथी पर जलता मशाल फेक कर अपनी जा बचाई। समाचार लिखे जाने तक विभाग द्वारा हाथी को क्षेत्र से भगा दिए जाने की सूचना है।

झारखण्ड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड
(CIN: U40108JH2013SGC001704)
निगम कार्यालयः कुसई कॉलोनी डोरण्डा, राँची–834002

सूचना

श्री योगेन्द्र लाल राय,
मकान संख्या -25/2A,
नियर पंचमणी मंदिर,
धुर्वा, राँची–834004

आपको एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा सामान्य डाक के माध्यम से,
1. महाप्रबंधक (मा०सं० एवं प्रशा०) एवं
2. महाप्रबंधक (अंकेक्षण), झारखण्ड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड, कुसई, डोरण्डा, राँची के पते पर झारखण्ड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड के जमशेदपुर प्रक्षेत्र में कार्यरत पदाधिकारी के विरूद्ध शिकायत पत्र प्रेषित किया गया है।

आप संबंधित शिकायत के सत्यापन के संदर्भ में मजिस्ट्रेट के समक्ष किये गये शपथ पत्र के माध्यम से शिकायत को सत्यापित करते हुए साक्ष्य सहित दिनांक 14.05.2025 को अपराह्न 01:30 बजे अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उनके कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने की कृपा करें।

उपरोक्त के संबंध में आपको पूर्व में दिनांक 13.02.2025 को स्पीड पोस्ट से भेजा गया पत्र वापस लौट गया है।

आपको अंतिम अवसर देते हुए यह सूचित किया जाता है, निर्धारित तिथि 14.05.2025 को यथा समय उपस्थित होकर साक्ष्य तथा शपथ–पत्र प्रस्तुत करें अन्यथा आरोपों को सत्यापित नहीं मानते हुए आपके द्वारा समर्पित शिकायत पत्र को निरस्त कर दिया जाएगा।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

ह०/–
(आदित्य कुमार)
महाप्रबंधक (मा०सं० एवं प्रशा०)

PR 351747 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(25-26)#D

स्पीड न्यूज

बिजली तार के संपर्क में आने से बैल का मौत

राहे। प्रखंड के गोमदा कोकरो नदी किनारे करंट प्रभावित बिजली तार के संपर्क से एक बैल का मौत हुआ है। घटना मंगलवार दिन के 12 बजे के आसपास की है। गोमदा गांव के किसान जयराम महतो का बैल का मौत करंट प्रभावित बिजली तार के संपर्क में आने से हुआ है। घटना की सूचना पर जिप सदस्य बादल महतो घटनास्थल पर पहुंच कर किसान से आवश्यक कार्रवाई करने को कहा और बिजली विभाग से मुआवजा देने की मांग की गई।

शादी समारोह में गोली चलने से युवती की मौत

मांडर। थाना अंतर्गत ब्राम्बे में मध्य रात्रि एक शादी समारोह में गोली चलने से एक युवती की मौत हो गई। मांडर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि एक शादी समारोह में चान्हो के कमाती निवासी 20 वर्षीय अमिता खलखो की गोली लगने से मौत हो गई। रातु थाना क्षेत्र के काटू निवासी एक युवक हथियार लेकर शादी समारोह में पहुंचा था। इसी दौरान हथियार दिखाने के क्रम में गोली चल गई। जिस से युवती की मौत हो गई। घटना के बाद अपराधी मौके से फरार है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मंगलवार सुबह 9 बजे रिम्स भेज दिया। शाम तक मृतका की अंतिम संस्कार कर दिया गया। अभियुक्त की तलाश जारी है।

ठनका की चपेट में आकर गाय की मौत

सिकिदीरी। कुच्चू पंचायत के बदरी टोला भुकभुकिया में मंगलवार को ठनका गिरने से झरिया मुंडा के एक गाय की मौत हो गई। झरिया मुंडा अपने मवेशियों को खेत में बांध कर काम कर रहा था। इसी दौरान ठनका की चपेट में आकर गाय की मौत हो गई। किसान झरिया मुंडा का लगभग बीस हजार रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना पाकर जेएलकेएम के केन्द्रीय सचिव सह ग्राम प्रधान बालेश्वर बेदिया ने आपदा प्रबंधन विभाग से किसान को मुआवजा देने की मांग की है।

शिक्षा जागरूकता अभियान रथ रवाना

चान्हो। मंगलवार को शिक्षा जागरूकता अभियान रथ को प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मो इम्तियाज ने फ्लेग ऑफ करके रवाना किया। रूआर कार्यक्रम के तहत विद्यालय में नामांकन के लिए एवं ठहराव के लिए जागरूकता हेत प्रखंड मुख्यालय से एक जागरूकता रथ निकला गया। यह रथ प्रखंड के सभी पंचायत के स्कूल के पोषक एरिया में जाकर जागरूकता फैलाने का काम करेगा। रथ के माध्यम से सभी जगह हैंड बिल एवं पोस्टर आदि लगाई जा जाएगी।

सरना नगर हनुमान मंदिर की दो दिनी वार्षिकोत्सव

महिला और युवतियों ने निकाली कलशयात्रा

कलशयात्रा में शामिल महिलाएं।

- अखंड हरि-कीर्तन शुरू
- आज होगा महाभंडारा

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। प्रखंड मुख्यालय स्थित सरना नगर की हनुमान मंदिर की दो दिनी वार्षिकोत्सव शुरू हो गया है। इसके पहले दिन मंगलवार की सुबह 551 महिला और युवतियों ने कलशयात्रा निकाली। महाराजा तालाब में पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच जलाभिषेक किया गया। कलश स्थापना पूजा के बाद धार्मिक अनुष्ठान और 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन शुरू हो गया। बुधवार को हवन, प्रसाद वितरण एवं महाभंडारे के साथ ही इसकी पूणार्हुति होगी।

इन्होंने निभायी भूमिका

मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, सचिव अजय कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष मधुकर सिंह, उपाध्यक्ष जितेंद्र लाल सिंदुरिया, कामेश्वर कुमार, पुरुषोत्तम गुप्ता, संजय गुप्ता, पिंटू शर्मा, स्वामी नायक, संजीव शर्मा, जितेंद्र कुमार ठाकुर, विजय वर्मा, राजू नायक, संजय साहू, पवन साहू, सीताराम, रामरतन राम, ब्रह्मदेव चौधरी, गुडन सिंह व जदू सिंह आदि।

जल मीनार मरम्मती की मांग को लेकर आजसू ने किया प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। इटकी प्रखंड क्षेत्र में 14 वें और 15 वें वित्त आयोग से स्थापित अधिकांश सोलर युक्त जलमीनार खराब होने से पेय जल संकट उत्पन हो गयी है। प्रखंड के नौ पंचायत में लगे जल मीनार में ज्यादा तर खराब पड़ा है। जिससे ग्रामीणों को पीने का पानी से लेकर रोजमर्रा की ज़िन्दगी मे उपयोग होने वाले पानी लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक पंचायत में लगे चापानलों में 14वें और 15वें वित्त आयोग मद से सोलर युक्त मिनी जलमीनार का निर्माण किया गया था। इसमें अधिकांश चापानल रख रखाव के आभाव में खराब होकर बेकार पड़ा है। किसी का मोटर पम्प जल गया है और किसी का सोलर प्लेट खराब है। जिससे जलमीनार से पेय जल आपूर्ति ठप पड़ गई है। अब जलमीनार से भी जलापूर्ति ठप हो गई है। जिससे अब ग्रामीणों के पेय जल की समस्या उत्पन हो गई है।

Government of Jharkhand
Urban Development Department
Latehar Nagar Panchayat , Latehar

e- Procurement Notice
NIT No. - UDD/LNP/03/2025-26

Notice No. - Date –

S.L. No.	Tender ID	Name of Work	Estimated Cost	Earnest Money	Tender Fee	Completion of Work
		15वें वित्त आयोग मद से				
01	01/LNP/03/2025-26	Construction of P.C.C. Road at Banpur Ward No 02 From House of Bindu Ram to Tihara More Karkat Siwana Under Nagar Panchayat Latehar.	17340318.00	346900.00	10000.00	चार माह
02	Date of Publication of Tender on website		07.05.2025 at 11:00 AM			
03	Mode of Submission of bids		E-Tendering https//:jharkhandtenders.gov.in			
04	Date start of submission of bids		08.05.2025 at 10:00 am			
05	Last Date/Time of submission of bids		27.05.2025 upto 03:00 pm			
06	Technical Bid opening date (Online)		29.05.2025 at 2.00 PM			
07	Tender Bidding System		Two Bid System (Technical Bid & Financial Bid)			
08	Name & Address of office inviting tender		Executive officer Nagar Panchayat, Latehar			
09	Contact No. of Procurement officer		9308707021/ 8789131804			
10	Helpline number of e-Procurement cell		9308707021/ 8789131804			

NOTE : Only e-Tenders will be accepted.
Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in

(Rajeev Ranjan)
Executive Officer
Nagar Panchayat, Latehar

PR 351734 (Urban Development)25-26*D

महिला सुरक्षा के बिना देश सुरक्षित नही हो सकता : भारत यात्री

- देश को अपराधिक मानसिकता से आजादी जरूरी

मानसिक व शारीरिक शोषण के खिलाफ कार्यक्रम

खबर मन्त्र संवाददाता

संबोधित करते हुए राजस्थान के राजेंद्र कुमार।

ओरमांझी। देशभर में महिलाओं के प्रति योन हिंस्सा जारी है। अपराध इतना बढ़ गया है कि, अपराध करने वाले लगभग 30 प्रतिशत महिलाओं की अपराध के बाद हत्याएं कर देते हैं। इस तरह के अपराध जबतक समाचारों में दिखते हैं, लोगों में आक्रोश रहता है। उसके बाद धीरे-धीरे समाज आगे बढ जाती है। इस मानसिकता को समाज से निकालना जरूरी है। उक्त बाते जागते रहो भारत यात्रा के तहत हरियाना से ओरमांझी पहुंचे यात्रा के संयोजक राजेंद्र कुमार ने कही, उनके साथ यात्रा में गुजरात के जम्मु बेन, राजस्थान के विक्रम सिंह, बिहार से शत्रुघ्न झा, रांची से स्मिता गुप्ता व रामगढ़ से एएस फाउन्डेशन के निदेशक दीपक कुमार व जीवन कुमार भी शामिल थें। बच्चियों व महिलाओं में हो रहे हिंस्सा को लेकर एसबी इंटर कॉलेज मनातू ओरमांझी में आयोजित कार्यक्रम में कालेज व झारखंड पब्लिक स्कूल की छात्राओं को संबोधित कर रहे राजेंद्र कुमार ने भारत यात्रा का उदेश्य बताया, कहा आठ मार्च को विश्व महिला दिवस पर राजस्थान से भारत यात्रा निकली है। लगभग 21 हजार किमी चलकर व 21 राज्यों से होकर सात जुन को दिल्ली पहुंचेगी। जहां महिला सुरक्षा से संबंधित एक सुझाव पत्र राष्ट्रपति को सौंपा जाएगा। देशभर से लगभग 100 सामाजिक संस्थाओं का समर्थन मिलेन पर हर्ष जताया, और झारखंड के सुदूरवर्ती गांव में शिक्षण संस्थान व छात्राओं की प्रतिभा देखकर कहा झारखंड से एक बेहतर छवि लेकर लौट रहे हैं। कहा भारत विकशित राष्ट्र कब बनेगा यह बोल नही सकते, लेकिन यहां के छात्राओं को देखकर कहा जा सकता है कि झारखंड जल्द विकशित राज्य बनेगा। वहीं शत्रुघ्न झा ने धरती मां कहने व पिता नही कहने का अर्थ समझाया, दुर्गा, काली व झांसी की रानी आदि का उदहारण देते हुए कहा धरती में मां से बड़ा व शक्ति शाली कोई नही है। उन्होने छात्राओं को मन से मजबूत होने व योन शोषण का शिकार होने पर छुपाने नही अपने माता-पिता व शिक्षक को बताने का अहवान किया। वहीं गुजरात की 78 वर्षीय जम्मु बेन उजार्वान गीतों के माध्यम से महिलाओं की शक्ति का बखान की, कहा जबतक महिलाएं सुरक्षित नही भारत सुरक्षित नही हो सकता। रांची की स्मिता गुप्ता सभी शिक्षण संस्थानों में सुझाव व शिकायत पेटी रखने का अहवान किया, कहा जो बच्चे अपने साथ होने वाली हिंस्सा को बता नही सकते वे लिखकर पेटी में डाल सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन लिटिल ड्रॉप्स के सचिव जीवन कुमार किया। कालेज के निदेशक बिरेंद्र बंशवार, सुनिता कुमारी, अनिल कुमार, नागेंद्र महतो, मंजु कुमारी, कमला प्रसाद, हरेंद्र कुमार, नकुल प्रसाद, वीरेन्द्र कुमार, दीपक कुमार, अर्चना कुमारी सहित शिक्षक व उपस्थित सैकड़ों छात्राओं द्वारा कार्यक्रम की सरहाना की गई।

झारखण्ड सरकार
राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग
(जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची)

प्रारंभिक अधिसूचना
(अधिनियम–30/2013 की धारा–11 (1) के अधीन)

"कतारी बगान से नामकुम–राँची स्टेशन के बीच कि0मी0–416.770 में Manned L.C.-MH-27 के स्थान पर पथ उपरी पुल (R.O.B) पथ परियोजना"

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है मौजा–शामलोंग (शीट–1) थाना–राँची, थाना सं.–212, अंचल–अरगोड़ा, जिला–राँची में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना **"कतारी बगान से नामकुम–राँची स्टेशन के बीच कि0मी0–416.770 में Manned L.C.-MH-27 के स्थान पर पथ उपरी पुल (R.O.B) पथ परियोजना"** हेतु अपेक्षित है, प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत् नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रुप में नियुक्त किए गए हैं। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम/मौजा–मौजा–शामलोंग (शीट–1) थाना–राँची, थाना सं.–212, अंचल–अरगोड़ा, जिला–राँची में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश रकबा–**0.1194** एकड़ भूमि मानक माप का भू–खण्ड, जिसका विस्तृत विवरणी निम्नलिखित है, अर्जनाधीन हैः–

मौजा–शामलोंग (शीट–1)

खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
1	464	रैयती		0.1014	बकाश्त	95	463	504	ROAD
67	472	रैयती		0.0052	पीआरी कोईरी, वल्द–धाशी कोईरी , जाति–कोइरी, निवासी–साकीन देह मोतावित	504	473	476	ROAD
67	476	रैयती		0.0095	पीआरी कोईरी, वल्द–धाशी कोईरी , जाति–कोइरी, निवासी–साकीन देह मोतावित	472	475	470	ROAD
26	1360	रैयती		0.0033	गंगा तेली, वल्द – रघुनाथ तेली, वहिस्सा बराबरी, जाति– तेली, निवासी– साकीन चुटिया व हरख तेली, वल्द – संतोख तेली, वहिस्सा बराबरी, जाति– तेली, निवासी– साकीन चुटिया	476	477	477	ROAD
			कुल	0.1194					

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा–11(1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं यथा विनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची और उनके कर्मचारी को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नही करेगा या ऐसा कोई अंतरण नही करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नही उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60 दिनों) के अन्तर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियाँ हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

अमीन, जि0भू0अ0का0,राँची। | कानूनगो, जि0भू0अ0का0,राँची। | जि0 भू0 अ0 पदा0, राँची। | अपर समाहर्त्ता, राँची। | उपायुक्त, राँची।

PR 351758 (Land Reforms)25-26*D

विश्व व्यापार में हलचल

डब्ल्यूटीओ के अस्तित्व में आने के बाद कई विकासशील देशों ने एकतरफा टैरिफ उदारीकरण को अपनाया है जिसके चलते विकसित देशों में विसंगतिपूर्ण सब्सिडी, गैर टैरिफ अवरोध और कठिन मानक सामने आए हैं। इससे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी दूरी बढ़ रही है। डब्ल्यूटीओ इसे हल नहीं कर पाया और इसकी वैधता को लेकर एक संकट उत्पन्न हुआ। व्यापक उथल-पुथल का प्रभावी तौर पर यह मतलब हुआ कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार विवादों का क्षेत्र बना रहा औरअमेरिका ने हाल ही में एकतरफा कदम उठाते हुए टैरिफ लगाए जाने से पिछली तमाम सहमतियां बेकार हो गईं। इसके साथ ही डब्ल्यूटीओ में भरोसा तथा वार्ता की उसकी क्षमता प्रभावित हुई। इस घटना ने आर्थिक वैश्वीकरण की बुनियाद को हिला दिया। ऐसे में भारत को दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है।डब्ल्यूटीओ द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक 1995 से 2023 के बीच विश्व व्यापार (वस्तु एवं वाणिज्यिक सेवाएं) में मजबूत वृद्धि देखी गई जो सालाना करीब 5.8 फीसदी रही। परिणामस्वरूप इसमें पांच गुना का इजाफा देखने को मिला। जैसा कि सबको पता है विश्व व्यापार में वृद्धि ने वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि को पीछे छोड़ दिया जिसमें इसी समान अवधि में सालाना 4.4 फीसदी की दर से ही वृद्धि हुई। वैश्विक व्यापार-जीडीपी अनुपात में मजबूती आई। यह 1995 के 20 फीसदी से बढ़कर 2022 में 31 फीसदी पर पहुंच गया। हालांकि 2023 में इसमें गिरावट आई और यह 29 फीसदी रह गया। शोध एवं विकास तथा सबक कई बार एक ही सिक्के के दो पहलू होते हैं। ऐसे में पुरानी हिचकिचाहट को छोड़कर देश की जरूरतों से संबद्ध तकनीकी अवसरों में इजाफा करने में सरकार की भूमिका को कई गुना बढ़ाने की आवश्यकता है।

मेष : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क : राजकीय कार्यो से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार हैं। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु : आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर : अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

चाणक्य, चित्रगुप्त और शिवाजी जैसे हमारे महान जनों को मिला स्थान

मुझे यह सोचकर पीड़ा होती है कि आज भी हमारे बच्चों को इतिहास के नाम पर मुगल शासकों की गाथाएँ पढ़ाई जाती हैं, जबकि चाणक्य, चित्रगुप्त और छत्रपति शिवाजी जैसे हमारे महान विचारकों और योद्धाओं को पाठ्यक्रम में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता।

इतिहास केवल अतीत का आईना नहीं होता, वह आने वाली पीढ़ियों की दृष्टि का आधार भी होता है। अफसोस है कि भारत के वर्तमान शैक्षणिक ढाँचे में यह आईना धुंधला कर दिया गया है। मुगल दरबारों की चमक, विदेशी आक्रांताओं की वीरता और गुलामी के प्रतीकों को जिस तरह से भारतीय इतिहास के केन्द्र में रखा गया है, वह न केवल बौद्धिक अन्याय है, बल्कि सांस्कृतिक आत्महीनता का भी बीज है। आखिर कब तक हमारे बच्चों पर मुगल शासकों का बोझ लादा जाएगा। कब तक हमारी नई पीढ़ी औरंगजेब, बाबर, खिलजी की तलवारों को आदर्श समझेगी और अपने महान पूर्वजों की गाथाओं से अनजान रहेगी। यह प्रश्न केवल शिक्षा व्यवस्था का नहीं है, यह हमारी आत्मा और पहचान का भी प्रश्न है।

चाणक्य, जिन्हें कौटिल्य या विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है, कोई साधारण राजपुरुष नहीं थे। वे राजनीति, अर्थशास्त्र और कूटनीति के मनीषी थे। अर्थशास्त्र जैसा ग्रंथ लिखने वाला यह विचारक, केवल एक राजा का गुरु नहीं था। वह सम्राटों को राष्ट्रधर्म का बोध कराने वाला मार्गदर्शक था। पर क्या हमारे पाठ्यक्रम में चाणक्य के सिद्धांतों को वह स्थान मिला है, जो वह वास्तव में इसके हकदार थे ? किसी भी राष्ट्र की नीतिगत समझ अपने विचारशील नेताओं के दर्शन से बनती है। चाणक्य के सिद्धांत आज भी शासन, कूटनीति और प्रशासन के क्षेत्र में प्रासंगिक हैं। लेकिन जब इतिहास की किताबों में चाणक्य के नाम पर केवल 2-3 पंक्तियाँ मिलती हैं, तब समझ आता है कि ज्ञान के सूर्य को कितनी कृत्रिम छाया से ढक दिया गया है।

इसी तरह चित्रगुप्त, एक ऐसा नाम जो केवल धार्मिक आस्थाओं तक सीमित कर दिया गया है। परन्तु उनका महत्व एक अत्यंत उच्च कोटि के सामाजिक व्यवस्थापक का भी था। वे कर्म का लेखा-जोखा रखने वाले देवता माने जाते हैं, पर इसका व्यापक आशय आज की पीढ़ी को नहीं सिखाया जाता। चित्रगुप्त न्याय और दायित्व की उस परंपरा का प्रतीक हैं, जो भारतीय दर्शन की रीढ़ है। अगर हम अपने बच्चों को यह नहीं बताएँगे कि हमारे पूर्वजों ने न्याय, विवेक और उत्तरदायित्व को कितनी ऊँचाई दी थी तो वे विदेशी न्यायशास्त्रों को ही 'आधुनिक' और 'सर्वोत्तम' मानते रहेंगे।

\- प्रियंका सौरभ

> भारत का इतिहास वेदों में है, उपनिषदों में है, रामायण और महाभारत में है, नालंदा और तक्षशिला में है, आर्यभट्ट, वराहमिहिर और भास्कराचार्य के विज्ञान में है। पर अफसोस कि बच्चों को इनकी जगह सिखाया जाता है कि कौन सा विदेशी ने भारत में रेल लाया, डाकघर लाया और किसने कानून सिखाया।

छत्रपति शिवाजी महाराज केवल योद्धा नहीं थे, वे भारतीय राष्ट्रवाद की जीवंत प्रतिमा थे। उनकी युद्धनीति, उनकी प्रशासनिक सूझबूझ और उनके धर्मनिरपेक्ष व्यवहार ने उस दौर में भी हिन्दुस्तान की अस्मिता को एक नई परिभाषा दी, जब भारत टुकड़ों में बँटा हुआ था। हैरत की बात है कि आज भी कई राज्यों के स्कूली पाठ्यक्रमों में शिवाजी का नाम केवल एक ह्यमराठा योद्धाह्न तक सीमित कर दिया गया है। क्या यही है हमारी ऐतिहासिक दृष्टि? क्या यह न्याय है उस नायक के साथ, जिसने 'हिंदवी स्वराज्य' की कल्पना को तलवार की धार पर जिया?

इतिहास सिर्फ. वो नहीं होता जो घटित हुआ, इतिहास वो होता है, जिसे बताया गया, पढ़ाया गया और दोहराया गया। जब पाठ्य-पुस्तकों में तैमूर, गोरी को विस्तार से पढ़ाया जाए और पृथ्वीराज चौहान, राणा प्रताप, गुरुगोबिंद सिंह, झाँसी की रानी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस को हाशिये पर डाल दिया जाए तो पीढ़ियाँ गुलाम मानसिकता की पाठशाला से ही निकलेंगी। भारत का इतिहास वेदों में है, उपनिषदों में है, रामायण और महाभारत में है, नालंदा और तक्षशिला में है, आर्यभट्ट, वराहमिहिर और भास्कराचार्य के विज्ञान में है। पर अफसोस कि बच्चों को इनकी जगह सिखाया जाता है कि कौन सा विदेशी ने भारत में रेल लाया, डाकघर लाया और किसने कानून सिखाया।

यह विषय केवल पाठ्यक्रम में नाम जोड़ने और हटाने का नहीं है। यह एक गहरी वैचारिक लड़ाई है, हमारे आत्मबोध, आत्मगौरव और सांस्कृतिक अस्तित्व की। अगर हमारी पीढ़ियाँ लगातार वही इतिहास पढ़ेंगी, जिसमें वे पराजित, गुलाम और निरीह चित्रित किए गए हैं तो वे स्वाभिमान और स्वतंत्र सोच कैसे विकसित करेंगी? हम यह नहीं कहते कि मुगल इतिहास को हटाया जाए। हम यह कहते हैं कि उसे भी उसी आलोचनात्मक दृष्टि से पढ़ाया जाए, जैसे किसी भी अन्य युग को। उसके साथ-साथ हमारे नायकों को भी वह सम्मान मिले जो वे पात्र हैं, दया नहीं।

जय सनातन का अर्थ केवल धार्मिक जयघोष नहीं है। यह उस मूल चेतना का आह्वान है जो भारत को भारत बनाती है जैसे सहिष्णुता, विज्ञान, दर्शन, आत्मानुशासन और कर्म। सनातन भारत की आत्मा में चाणक्य की नीति, शिवाजी की शौर्यता, चित्रगुप्त की न्याय भावना, विदुर की नैतिकता और महर्षि पतंजलि की योगमय सोच शामिल है। जब तक यह आत्मा पाठ्यक्रमों में नहीं झलकेगी, तब तक हमारी चेतना अधूरी ही रहेगी।

आज आवश्यकता है एक नए भारत के निर्माण की। ऐसा भारत जो अपने अतीत से शर्मिंदा न हो, बल्कि उस पर गर्व करे। हमें अपने इतिहास का पुनर्लेखन नहीं, पुनर्जागरण करना है। हमारे पूर्वजों की गाथाएँ, उनके सिद्धांत, उनके मूल्यों को नई पीढ़ी तक ले जाना कोई साम्प्रदायिक कार्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय उत्तरदायित्व है। अब समय है कि हमारी शिक्षा नीति, पाठ्यपुस्तक समितियाँ और बौद्धिक संस्थान यह सोचें कि क्या हम एक आत्मनिर्भर, आत्मगौरव से युक्त भारत की नींव रख रहे हैं या गुलामी के रंग से रंगी हुई इमारतें बना रहे हैं? क्योंकि जो राष्ट्र अपने नायकों को भूलता है, वह अंततः स्वयं को भी खो देता है।

लेटर टू एडिटर

स्वदेशी तकनीक

भारतीय स्वदेशी तकनीक की वैश्विक मांग बढ़ रही है। वंदे भारत ट्रेन जैसे उदाहरण ने इसे साबित किया है; इस ट्रेन की मांग कई देशों, जैसे चिली, कनाडा और मलेशिया, में बढ़ी है। इसकी मुख्य वजह भारत में इसका कम मूल्य है—वहीं अन्य देशों में ऐसी ट्रेनें 160 से 180 करोड़ में बिकती हैं, जबकि भारत में ये 120 से 130 करोड़ में उपलब्ध हैं। भारतीय निर्माण की गति भी बेहतर है। यह सब ह्यमेक इन इंडियाह्न के सपने को साकार कर रहा है।

–अमृतलाल मारू, रांची

सहयोग सिद्धांत

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक, आईएमएफ और डब्ल्यूटीओ जैसी संस्थाएं आज आंतरिक संघर्षों और बाहरी दबावों के कारण अपनी प्रासंगिकता खोती दिख रही हैं। उनके नियम भी बदलती चुनौतियों के सामने कमजोर पड़ते हैं। नया वैश्विक मॉडल विकसित करें, राजनीतिक चुनौतियों का समाधान दे। – रवि, रांची

X ट्वीट

पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के दुख में, शहीद के दर्जे की उनकी मांग में, मैं साथ खड़ा हूं।

प्रधानमंत्री से आग्रह है कि वो इस त्रासदी में जान गंवाने वालों को यह सम्मान देकर उनके परिवारों की भावना का आदर करें।

– राहुल गांधी, सांसद

जिस भी तरीके से मापें, सच्चाई यही है–

भारत में गरीबी घट रही है!

बहुआयामी गरीबी 2005-06 में 53.8% थी, जो 2022-23 में घटकर सिर्फ 15.5% रह गई है।

ये है न्यू इंडिया की असली तस्वीर! – **अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय मंत्री**

आधुनिक जीवन में ध्यान की प्रासंगिकता

गिरीश्वर मिश्र

समाज

ध्यान किसी तरह का धार्मिक उपक्रम नहीं है। यह बाहर से हट कर अंदर के अनुभवों को सम्बोधित करने वाला वैचारिक (रिफलेक्टिव) प्रयास है। एकाग्रता तथा अवगत या सचेत होना ही इसका मुख्य आधार है जो वर्तमान में बने रहने और मन की शांति को रेखांकित करता है। दरअसल आँख, कान, नाक, त्वचा आदि हमारे सभी संग्राहक बाहर की दुनिया से लगातार उद्दीपक लाते रहते हैं और उस सारी सामग्री की हमारे मन को व्याख्या करनी पड़ती है। हमारी आँखों से एकत्रित सूचनाओं की बाहर की दुनिया से मिलने वाली सम्पूर्ण सूचनाओं के करीब दो तिहाई भाग की हिस्सेदारी होती है। ये सारी सूचनाएँ हमारे चेतन मन पर असर डालती हैं। तनाव के क्षणों में मन अंदर और बाहर से पैदा होने वाले विचारों से जूझता है। ये विचार ध्यान पाने के लिए आपस में प्रतिद्वंदिता करते हैं और एक-दूसरे से टकराते भी हैं । सूचनाओं की बढ़ती मात्रा से सूचना का अतिभार पैदा होता है। तब अवधान की एकाग्रता घटने लगती है। एक साथ भारी संख्या में आते विचारों की अव्यवस्थित भीड़ का तनाव के अनुभव से बड़ा गहरा रिश्ता है। कहते हैं ध्यान का कार्य एक ब्लैकबोर्ड पर चाक से की गई सारी लिखावट को डस्टर से साफ करने जैसा होता है। सूचना और संचार की शब्दावली में कहें तो ध्यान करने से हमारी चेतना की बैंडविड्थ बढ़ जाती है।

ध्यान कई प्रकार का होता है। इसे सिर्फ विचार या कल्पना मान लेना ठीक न होगा। ध्यान के अंतर्गत आदमी सजग और सचेत होकर अपने भीतर की ओर गहन स्तर पर केंद्रित होता है। इसे आंतरिक ध्यानाकर्षण भी कह सकते हैं। ध्यान को मुख्यतः दो भागों में रखा जाता है। एकाग्र ध्यान तथा सचेत ध्यान इसके दो मुख्य प्रकार पहचाने गए हैं। एकाग्र ध्यान करने में किसी एक विचार पर अवधान (अटेंशन) को केंद्रित किया जाता है। इसके अंतर्गत किसी मंत्र, शब्द या ध्वनि पर अवधान केंद्रित करना सम्मिलित है। एकाग्र होने से मन भटकता नहीं है। ध्यान के फलस्वरूप होने वाले मुख्य अनुभवों में आंतरिक एकाग्रता, प्रशांति और सहज भाव मुख्य होते हैं। ध्यान में वर्तमान का सम्पूर्ण अनुभव होता है। भावातीत ध्यान भी इसी तरह का है जो पश्चिम में बड़ा लोकप्रिय हुआ। सचेत ध्यान (माइंडफुलनेस मेडिटेशन) में सभी आ रहे विचारों को स्वीकार किया जाता है और उनको नियंत्रित करने की कोई कोशिश नहीं की जाती है। बिना किसी निर्णय या भावनात्मक लगाव के उनको अनुभव किया जाता है। जेन ध्यान, विपश्यना, प्रेक्षा ध्यान, सहज ध्यान आदि कई प्रकार के ध्यान की परम्पराओं का विकास हुआ है।

वस्तुतः ध्यान से हमारी चेतना की दशा में बदलाव आता है। विस्तार में कहें तो देश और काल के अनुभव, वर्तमान की उन्मुखता, ग्रहणशीलता में वृद्धि और स्वयं को अतिक्रांत करने की वृत्ति जैसे बदलाव प्रमुखता से पाए गए हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि ध्यान लगाने से जैविक शारीरिक स्तर पर अनेक परिवर्तन आते हैं। इनमें आक्सीजन की खपत में कमी, हृदय गति का धीमा होना तथा रक्तचाप कम प्रमुख हैं। ध्यान करने से मस्तिष्क में अल्फा तरंगें अधिक होती हैं।

ध्यान के लिए जरूरी है कि शांत स्थान पर आराम से स्थिर बैठने का अभ्यास किया जाए। तब श्वांस को सहज बना कर साक्षी भाव अपनाते हुए मन में आ-जा रहे विचारों की गुणवत्ता का परीक्षण किया जाता है। स्वीकार करने की मनोवृत्ति के साथ केंद्रित और अविचलित बने रहना ध्यान की बड़ी उपलब्धि होती है। कहते हैं कि ध्यान एक मानसिक झाड़ू जैसा होता है जो मन के सभी कोनों में सफाई कर देता है। ध्यान मन की स्थिति है जिसके लिए एकाग्रता का अभ्यास जरूरी होता है। वस्तुतः ध्यान हमारी चेतना का अंतरण है। यह एक व्यवस्थित और पद्धतिबद्ध प्रक्रिया है। अभ्यास के साथ शरीर, स्वांस, इंद्रियाँ और मन इन सभी पर हम क्रमशः केंद्रित होते चलते हैं। आमतौर पर योगासन, स्ट्रेचिंग, आराम (रिलैक्सेशन), श्वांसन अभ्यास के बाद ज्ञान मुद्रा के साथ सुखासन या पद्मासन में बैठ ध्यान किया जाता है। ऐसे में अहं को चेतना के केंद्र की ओर ले जाना सम्भव हो पाता है। शांति, आनंद, स्वतंत्रता ही हमारी मूल प्रकृति है। जीवन और मृत्यु, आगमन-प्रस्थान सरीखे होते हैं। आंतरिक विकास तथा आत्मा और स्व के प्रति जागरूकता ध्यान की श्रेष्ठ उपलब्धि है। ध्यान के सतत अभ्यास से तनाव का प्रतिरोध संभव होता है और मानसिक शांति की अवस्था में वृद्धि होती है। ध्यान से आनंद में वृद्धि तथा अनुभव में संतुष्टि, स्पष्टता और सजगता आती है। तब शरीर विश्रांत, मन केंद्रित और स्वास्थ्य अच्छा होता है। ध्यान का उपचारात्मक प्रभाव पड़ता है और अभ्यास करने वाला व्यक्ति आत्मनिर्भर और आंतरिक बल से सम्पन्न होता है।

कैमरा, 'भूख' और सोशल मीडिया

प्रियंका

मीडिया

सोशल मीडिया के युग में भलाई और करुणा अब मौन संवेदनाएं नहीं रहीं। वे कैमरे के फ्रेम में कैद होती जा रही हैं। आज अधिकांश मदद 'लाइक्स' और 'फॉलोवर्स' के लिए की जाती है, न कि सच्ची इंसानियत के लिए। सहायता अब एक 'कंटेंट' बन चुकी है और जरूरतमंद की गरिमा अकसर इस प्रदर्शन की भेंट चढ़ जाती है। इसलिए यूजर्स को अब आत्मपरीक्षण जरूर करना चाहिए कि क्या हम वाकई मदद कर रहे हैं या बस सोशल मीडिया पर नेकी की तस्वीर गढ़ रहे हैं?

आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहां इंसानियत, परोपकार, और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां 'नेकी कर दरिया में डाल' की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे, बिना देखे, उसे कुछ खाने को दे जाते थे। आज वही दृश्य होता है, लेकिन कैमरा पहले निकाला जाता है। भूखे की थाली से ज्यादा अहमियत उस एंगल की होती है, जिसमें वह थाली दिखाई दे। सेवा अब सीधी नहीं रही, वह एक स्क्रिप्टेड ऐक्ट में बदल गई है। आधुनिक मानव की आत्मा अब लाइक्स, शेयर, कमेंट्स की भूखी हो चली है। किसी की मदद करने के बाद हमें तसल्ली तब मिलती है, जब कोई कहे, 'वाह, आप तो बड़े नेकदिल हैं।' पहले मदद करने के बाद मन को जो संतोष मिलता था, अब वह 'फॉलोवर्स बढ़ने' के संतोष से बदला जा चुका है।

यह न केवल इंसानियत की आत्मा को खरोंचता है, बल्कि मदद पाने वाले की गरिमा को भी आहत करता है। वह व्यक्ति जिसे मदद मिली है, उसकी जरूरतें तो पूरी होती हैं, लेकिन उसकी निजता, उसकी आत्मसम्मान की परतें एक-एक कर सोशल मीडिया के सामने उतार दी जाती हैं। सोचिए, अगर कोई कैमरा न हो, कोई दर्शक न हो, कोई ताली बजाने वाला न हो-क्या तब भी आप वही मदद करेंगे?

आज कई बार लगता है कि सहायता करना एक स्क्रिप्टेड इवेंट बन चुका है। वीडियो में सबसे पहले मदद मिलने वाले व्यक्ति की दयनीय स्थिति को दिखाया जाता है, फिर सहायता प्रदान की जाती है, और अंत में किसी नायक की तरह मददकर्ता का चेहरा। यह सब इतनी सफाई से किया जाता है कि वीडियो फिल्म जैसी लगती है- संगीत के साथ, टाइटल के साथ, और अंत में एक गूढ़-सा संदेश।

इस सारी प्रवृत्ति में सबसे अधिक पीड़ित होती है नैतिकता। किसी की जरूरत को दिखावा बना देना उस व्यक्ति के अस्तित्व पर हमला है। एक भूखे की भूख अगर कैमरे में रिकॉर्ड न हो तो क्या उसका दुख कम है? क्या दया केवल तभी योग्य है जब वह पब्लिक डोमेन में हो? यह नई नैतिकता सिर्फ दूसरों के सामने दिखने के लिए जीती है। अब 'कृपा' भी एक मुद्रा बन गई है-जिसे दिखाना पड़ता है, गिनाना पड़ता है। स्वार्थरहित सेवा का स्थान स्वार्थयुक्त प्रदर्शन ने ले लिया है।

कल्पना कीजिए एक दृश्य-एक व्यक्ति सड़क किनारे बेहोश पड़ा है। एक 'सोशल वॉरियर' आता है, और उसके साथ उसका कैमरामैन। सबसे पहले कुछ तस्वीरें, फिर एक वीडियो- 'हमने इनको उठाया, पानी पिलाया, एंबुलेंस बुलाई' और फिर कैप्शन-हम सब मिलकर बदलाव ला सकते हैं...। कमेंट्स आते हैं– वाह भाई साहब, आप तो फरिश्ता हैं। किसी को यह नहीं सूझता कि क्या वह व्यक्ति कैमरे में आना चाहता था? क्या उसे अपने जीवन की सबसे कमजोर अवस्था में पब्लिकली दिखाया जाना चाहिए था? आज नेकी भी एक पूंजी बन गई है।

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज

भुरकुंडा के पटेल नगर में ऑपरेटिव बैंक के नये भवन का उद्घाटन

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक भुरकुंडा के नवनिर्मित बैंक भवन का मंगलवार को पटेलनगर में उद्घाटन झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक की अध्यक्ष विभा सिंह ने किया। मौके पर बैंक के निदेशक प्रभात सिंह, सरोज सिंह, शैलेन्द्र सिंह, रामोध प्रसाद, चीफ मैनेजर प्रीतेश पाठक, रीजनल मैनेजर जीतेश कुमार, सीओ ब्रजेश्वरनाथ, भुरकुंडा शाखा प्रबंधक अमित सिन्हा मुख्य रूप से मौजूद थे। विभा सिंह ने इसे क्षेत्र के आर्थिक विकास की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस शाखा के खुलने से अब स्थानीय लोगों को बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। निदेशक प्रभात सिंह ने भरोसा दिलाया कि शाखा में किसानों, छोटे व्यवसायियों और आम नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप सभी आधुनिक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

राकमवि भुरकुंडा में संयोजिका का चयन

भुरकुंडा (रामगढ़)। ग्राम पंचायत बुध बाजार दोतल्ला के राजकीय कन्या मध्य विद्यालय भुरकुंडा में मंगलवार को मुखिया सत्यवंती देवी के देखरेख में सर्वसम्मति से विद्यालय प्रबंधन समिति के कार्यकारिणी तथा संयोजिका का चयन किया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष ज्योति लकड़ा, उपाध्यक्ष लखेंद्र बेदिया, पदेन सचिव रवीश कुमार चुने गये। वहीं सदस्यों में रवि नायक, राजू भुंइया, नीतू देवी, रोशनी देवी, नेहा देवी, नाजनीन परवीन, ललिता देवी, सूमी मरांडी, छुवी देवी, रेणुका देवी एवं देवंती देवी को संयोजिका के रूप में चयन किया गया। पर्यवेक्षक विभाग की ओर से शिक्षक रवींद्र पासवान व उमेश कुमार उपस्थित थे।

भुरकुंडा की दीपिका को मिला लहंगा

भुरकुंडा (रामगढ़)। अकेलानगर निवासी रमेश नायक और मुन्नी देवी की पुत्री दीपिका कुमारी को सांसद मनीष जायसवाल की ओर से मंगलवार को एक लहंगा भेंट किया गया। भुरकुंडा मंडल के सांसद प्रतिनिधि राकेश सिन्हा और मंडल उपाध्यक्ष अमरेश सिंह ने दीपिका को उपहार देते हुए आशीर्वाद दिया। राकेश सिन्हा व अमरेश सिंह कहा कि यह कदम समाज में सकारात्मक संदेश देगा। अमरेश सिंह ने कहा कि समाज के वंचित वर्गों के सहयोग के लिए भाजपा हमेशा तत्पर रहती है, और यह प्रयास उसी दिशा में एक छोटा किंतु सार्थक कदम है। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए सांसद मनीष जायसवाल का आभार प्रकट किया और अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। मौके पर अरुण नायक सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

कुजू बस्ती में घर से लाखों की चोरी

कुजू। कुजू बस्ती निवासी सीताराम प्रसाद के आवास में बीती रात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। साथ ही चोरों ने लाखों रुपये मूल्य के आभूषण सहित नगदी की चोरी कर ली। भुक्त भोगी ने ओपी में आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की है। मांडू इंस्पेक्टर सुरेश लिंडा, कुजू ओपी प्रभार प्रभारी अभिनव कुमार के साथ टेक्निकल सेल के अधिकारी आवास पहुंचकर जांच की। आवेदन में कहा है कि अपने भतीजे के शादी में शामिल होने के लिए सपरिवार रामगढ़ गए थे। रात्रि करीब 2 बजे जब वापस घर लौटे तो देखा कि आवास के मैन गेट का ताला टूटा है। जब अंदर प्रवेश किया तो विभिन्न कमरों के दरवाजा को टूटा पाया। अलमारी में से नगदी 1 लाख 25 हजार सहित 6 लाख 50 हजार मूल्य के सोना- चांदी गायब पाया।

सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में बैठक

रजरप्पा। सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में मंगलवार को विद्या विकास समिति के विभाग प्रमुख (जमशेदपुर) तुलसी प्रसाद ठाकुर, रामगढ़ संकुल प्रमुख सह रामगढ़ विद्यालय के प्रधानाचार्य वरुण चौधरी के साथ स्थानीय विद्यालय के आचार्यों की योजना बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में 12-13 मई को सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में आयोजित होने वाले प्रांतीय संकुल प्रमुख एवं संकुल संयोजक बैठक एवं प्रांतीय विषय प्रमुख तथा विषय सह प्रमुख बैठक को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में विद्यालय के प्रभारी मिथिलेश कुमार खन्ना, अमरदीप, बच्चूलाल तिवारी, चितरंजन लाल खन्ना, अनिल कुमार त्रिपाठी, रेखा कुमारी, ललिता गिरि, डॉ गायत्री कुमारी, पूनम सिंह, ज्योति राजहंस, गायत्री कुमारी आदि उपस्थित थे।

रैली में शामिल हुये कई कांग्रेसी

भुरकुंडा (रामगढ़)। प्रदेश कांग्रेस द्वारा रांची में आयोजित संविधान बचाओ रैली में मंगलवार को पतरातू प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुजीत कुमार पटेल के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सुजीत पटेल ने रवाना होने से पूर्व कहा कि आज देश में संविधान पर गहरा संकट मंडरा रहा है। जिस तरह राहुल गांधी ने जातीय जनगणना की मांग को लेकर आवाज उठाई। भाजपा सरकार संविधान और संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है, धारा 19 जैसे मौलिक अधिकार खतरे में हैं। पतरातू प्रखंड से रैली में प्रमुख रूप से प्रखंड अध्यक्ष सुजीत पटेल, चमन लाल, इकबाल हुसैन, अनिल सिंह, बबीता सिंह, अमर यादव, रामयज्ञ सिंह, संजय यादव, लखन मुंडा, रामकिशोर महतो, वीरू सिंह, असगर अली, सरफराज अहमद, शंभू सिंह, संजीव कुमार सिंह, अनिल कुशवाहा, प्रकाश दास, पवन यादव, शहजादा तालीम, मुनंद दास, मुनेश्वर बेदिया, सोमेश्वर बेदिया, फिरदौस आलम, शिव करमाली, मुस्लिम अंसारी, दिनेश दास सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

हे हुकूमत, कब जगेगा तुम्हारा सिस्टम?

हजारीबाग की 7 साल पुरानी फाइलें चीख रही हैं, इंसाफ दो

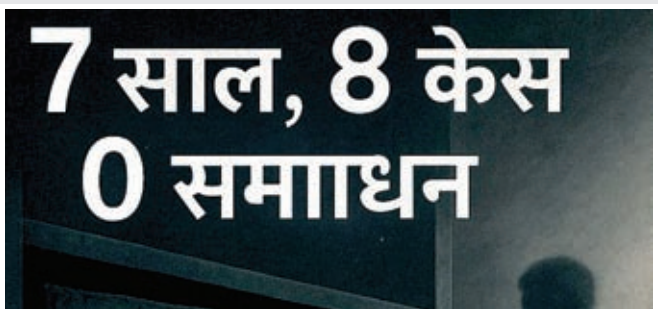

अभय कुमार सिंह

हजारीबाग। झारखंड का हजारीबाग जिला आज एक ऐसे अंधेरे में डूबा है, जहां हत्याएं, अपहरण, और संगठित अपराध सिर्फ घटनाएं नहीं, बल्कि रोजमर्रा की बात बन गई हैं। पिछले सात सालों में यहां 8 बड़े मामले सामने आए और हर मामले ने शहर को झकझोरा, मीडिया में सुर्खियां बटोरीं, लेकिन नतीजा वही पुरानाः फाइल बंद, केस ठंडा। यह सिर्फ अपराध की कहानी नहीं, यह एक सिस्टम की चुप्पी की दास्तान है। हर घटना में पुलिस ने जांच जारी का राग अलापा, लेकिन न अपराधी पकड़े गए, न कोई ठोस निष्कर्ष सामने आया।

मौत की लिस्ट जो खत्म नहीं होती... : 2018, खजांची तालाबः माहेश्वरी परिवार के 6 लोगों की एक रात में रहस्यमयी मौत, पुलिस आज तक तय नहीं कर पाई-यह आत्महत्या थी या कत्लेआम।

सितंबर 2018, केरेडारी: राजेश सोनी की पत्नी, बेटी और बहन की बेरहम हत्या, मामला आज भी अधर में है।

अक्टूबर 2019, कोर्रा: व्यवसायी दिवाकर मेहता लापता, मोटरसाइकिल जंगल में मिली, इंसान अब तक गायब।

2020, बड़कागांव: नान्हू राणा और त्रिलोकी साव की गोली मारकर हत्या, कोई गिरफ्तारी नहीं, कोई सुराग नहीं।

2022, गुरु गोविंद रोडः व्यवसायी सुजीत देव का कमरे में खून से लथपथ शव, सीसीटीवी तक मिटा दिए गए, केस ठंडे बस्ते में।

लापता लोग, ठप केस, बेबस परिवार : दीपू सिंह और शिवजीत सिंह 2019 से गायब हैं। कार सहित दोनों हवा में गायब हो गए। उनके घरवालों की आस कब की टूट चुकी है। कोरेक्स तस्करी और हथियारों का गोरखधंधा सामने आया, मगर सरगना आज भी फरार घूम रहा है। सवाल ये नहीं कि अपराध क्यों हुए, सवाल ये है कि इंसाफ क्यों नहीं हुआ? हर पीड़ित परिवार के पास वही कागज हैं, एफआईआर की कॉपी, कोर्ट के आदेश, पुलिस के आश्वासन। लेकिन जवाब कहीं नहीं है। फॉरेंसिक सैंपल भेजे गए, सीसीटीवी खंगाले गए, लेकिन न्याय अब भी गायब है, जैसे दिवाकर, जैसे दीपू, जैसे सुजीत। क्या हजारीबाग के लोगों की जान की कीमत जीरो है?

जब शहर के बीचोंबीच हत्या हो और हत्यारे सात साल बाद भी न मिलें, तो ये सिर्फ पुलिस की नाकामी नहीं, बल्कि सिस्टम की साजिश लगती है। क्या कोई इन केसों को जानबूझकर उलझा रहा है? क्या रसूखदारों के हाथ इतने लंबे हैं कि कानून तक उनसे टकराने से डरता है? अब जनता पूछ रही है कि बस बहुत हुआ! क्या हजारीबाग की फाइलें यूं ही धूल खाती रहेंगी या किसी सुबह इनका भी सूरज उगेगा? इंसाफ चाहिए... अब नहीं तो कब?

कुएं से युवक का शव मिला

हजारीबाग में 5 घंटे तक सड़क जाम

काफी समय से नशेड़ियों और जुएबाजों का गढ़ बन चुका है सिमरा रेस्ट हाउस का इलाका

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में सोमवार सुबह एक पुराना कुआं शहर के सबसे बड़े रहस्य में बदल गया, जब सिमरा रेस्ट हाउस के पीछे से एक 36 वर्षीय युवक की लाश बरामद हुई। मृतक की पहचान खिरगांव के पांडे टोला निवासी भुट्टल पांडे के रूप में हुई है। शव की हालत देखकर अंदेशा जताया जा रहा है कि उसकी बेरहमी से हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया गया। जैसे ही यह खबर फैली, स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

लोग सड़कों पर उतर आए और मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। हालत यह रही की लगभग पांच घंटे शहर के लोग इस जाम से हलकान रहे। नाराज लोगों का कहना है कि इलाके में अपराध बेलगाम हो चला है और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन

पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर समय रहते इलाके में गश्ती तेज होती, तो इस युवक की जान बचाई जा सकती थी। सूत्रों के मुताबिक, वह इलाका काफी समय से नशेड़ियों और जुएबाजों का गढ़ बन चुका है। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि यह हत्या किसी आपसी रंजिश या नशे के धंधे से जुड़ी हो सकती है। जिस जगह शव मिला है, वह पहले भी कई आपराधिक घटनाओं का केंद्र रहा है, लेकिन पुलिस यहां जाने से कतराती रही है। वैसे भी नशेड़ियों ने शहर के लोगो का जीना मुहाल किया हुआ है। इधर बड़ा बाजार थाना प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराया और भरोसा दिलाया कि जांच हर कोण से की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और स्थानीय संदिग्धों से पूछताछ शुरू कर दी गई है। इस वारदात ने एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं की क्या हजारीबाग का शांत शहर अब अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है? और क्या पुलिस अब भी आंखें मूंदे रहेगी जब तक अगली लाश नहीं मिलती?

कल्याण विभाग की डीसी ने की समीक्षा

रामगढ़। जिला कल्याण विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक हुई। जिला कल्याण पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर चौधरी द्वारा उपायुक्त सहित व अन्य अधिकारियों को साइकिल वितरण योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, छात्रवृत्ति योजना, वन अधिकार पट्टा सहित अन्य योजनाओं के तहत किए जा रहे हैं कार्यों की जानकारी दी गई।

उपायुक्त ने शेष बचे विद्यार्थियों को भी जल्द से जल्द साइकिल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिले के अलग-अलग क्षेत्र में रह रहे बिरहोर समूह के लोगों की जानकारी लेते हुए बिरहोर कॉलोनी में पेयजल, पीसीसी पथ, सोलर लाइट सहित अन्य सुविधाओं से संबंधित प्रतिवेदन तैयार कर 13 मई तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

हजारीबाग : इंदिरा गांधी विद्यालय बना बालू माफियाओं का अड्डा

हजारीबाग। जहां बेटियों के सपनों को ऊंची उड़ान देनी थी, वहां बालू माफियाओं ने अपने धंधे की नींव जमा ली है। हजारीबाग के प्रतिष्ठित इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय का आवासीय परिसर, आजकल शिक्षा का नहीं, अवैध बालू व्यापार का पर्याय बनता जा रहा है। यह मामला सिर्फ अवैध खनन का नहीं, बल्कि सरकारी संरक्षण, प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार की जड़ तक जाता दिख रहा है। ज्ञात हो कि विद्यालय परिसर के आसपास कम से कम 10 जगहों पर सैकड़ों ट्रैक्टर बालू का अवैध स्टॉक किया गया है। इन स्टॉक्स से प्रतिदिन ट्रैक्टरों द्वारा हजारीबाग शहर में अवैध रूप से बालू की आपूर्ति की जा रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे धंधे का केंद्र बिंदु विद्यालय का सहायक क्लर्क का आवास बताया जा रहा है, जिसके सामने सबसे अधिक बालू जमा है। सूत्रों के अनुसार, स्थानीय बालू माफिया ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सहायक क्लर्क को मैनेज करके सालों से यह कारोबार यहां फल-फूल रहा है। यह खुलासा न केवल विद्यालय की गरिमा पर सवाल उठाता है, बल्कि प्रशासनिक मिलीभगत की ओर भी इशारा करता है। जब लौहसिंगना थाना प्रभारी से इस पर बात की गई, तो उन्होंने अनभिज्ञता जताई, लेकिन कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं, जिला शिक्षा पदाधिकारी सह प्रभारी प्राचार्य ने बालू स्टॉक को छात्रावास निर्माण कार्य से जोड़ने की बात कही झ जबकि पूरे झारखंड में बालू उठाव पर सरकारी रोक है।

बारीडीह पंचायत में लहंगा वितरित

भुरकुंडा (रामगढ़)। बारीडीह पंचायत में मंगलवार को सांसद मनीष जायसवाल द्वारा उपहार स्वरूप दिए गए लहंगों का वितरण किया गया। भदानीनगर मंडल के सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र करमाली, मंडल उपाध्यक्ष अनूप कुमार ठाकुर और महामंत्री मोती नारायण सिंह ने कई युवतियों को विवाह के लिए लहंगा देकर आशीर्वाद दिया। सोबीला कुमारी, लक्ष्मी कुमारी , अंजली कुमारी, रूपा कुमारी, कंचन कुमारी, रुकमणी कुमारी दिव्या कुमारी को मिला लहंगा।

रोशन लाल चौधरी ने अंचल कार्यालय का किया निरीक्षण

भुरकुंडा (रामगढ़)। विधायक रोशन लाल चौधरी ने मंगलवार को पतरातू अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण कर वहां की कार्यशैली पर गहरी नाराजगी जताई। जनता की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विधायक कार्यालय पहुंचे और अंचलाधिकारी मनोज कुमार चौरसिया को तलब किया। विधायक ने बताया कि काफी समय से आम लोगों की शिकायतें मिल रही थीं कि अंचल कार्यालय में कार्यों को अनावश्यक रूप से लंबित रखा जा रहा है और लोगों को बार-बार दौड़ाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मौजूद लोगों ने भी अपनी समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं और बताया कि महीनों से फाइलें लंबित पड़ी हैं, सिर्फ आश्वासन मिलता है कि काम हो जाएगा, लेकिन निष्पादन नहीं होता। मौके पर राजाराम प्रजापति, सतीश मोहन मिश्रा, अमरेश सिंह, दिलीप दांगी, गंगाधर महतो, विश्वरंजन सिन्हा, अशोक पाठक, विजेंद्र मुंडा सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

कुजू रेलवे साइडिंग में हो रहा कोयला डस्ट मिक्सिंग का खेल

खबर मन्त्र संवाददाता

- कई फैक्ट्रियों से निकलने वाले डस्ट और चारकोल को कोयला में मिलाकर भेजा जा रहा है बाहर
- ग्रामीण प्रदूषण से परेशान

कुजू। कोयलांचल कुजू जैसे घनी आबादी क्षेत्र में पुराना एनएच कुजू चौक से सटे दो साइडिंग चल रहा है। पहला कुजू रेलवे साइडिंग तथा दूसरा सीसीएल कुजू साइडिंग है।दो-दो साइडिंग के खुलने से लोगों में रोजगार की आस जगी थी। लेकिन दोनों हीं साइडिंग से आम लोगों को सिर्फ प्रदूषणयुक्त धूल खाने को मिल रहा है।जबकि प्रभावित के नाम पर चंद लोगों की चांदी कट रही है। कुजू रेलवे साइडिंग में रोजाना कोयला व आयनओर का रैक लोडिंग व अनलोडिंग होता है। जिससे काफी मात्रा में प्रदूषण होता है। वहीं सीसीएल कुजू साइडिंग में भी रोजाना कोयले का रैक लोडिंग होता है। दोनों ही साइडिंग से प्रतिदिन लगभग हजारों टन कोयला लोड व अनलोड होता है। कुजू रेलवे साइडिंग में सीसीएल कुजू क्षेत्र के अलावे गिद्दी सी, घाटो, रेलीगढ़ा, उरीमारी, न्यू बिरसा, ओल्ड बिरसा, आम्रपाली, पाथाडीह,कठारा, पिपरवार, तापिन नॉर्थ,तापिन साउथ आदि कोलियरियों से रोजाना डंपर, हाइवा व ट्रकों के माध्यम से कुजू रेलवे साइडिंग में कोयला गिराया जाता है। जिसके बाद साइडिंग में अलग-अलग कंपनी के नाम पर बने यार्ड में उसे स्टॉक किया जाता है। साथ ही उसे स्थानीय पावर प्लांट व रोड सेल के माध्यम से बाहर के मंडियों में बेचा जाता है। जबकि रैक के माध्यम से भी उसे बाहर भेजा जाता है। वहीं रैक के माध्यम से आयरनओर साइडिंग में गिराया जाता है जो स्थानीय पावर प्लांट में भेजा जाता है।

स्टॉक यार्ड बनाकर उसकी आड़ में कोयला-डस्ट मिक्सिंग का धंधा वर्षों से किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर स्थानीय चंद सामर्थ्यवान धंधेबाजों द्वारा भी अपनी-अपनी जमीन पर यार्ड बनाकर प्रत्येक माह हजारों टन कोयला-डस्ट मिक्सिंग के धंधे को अंजाम दिया जा रहा हैं। मिक्सिंग कोयले को रोड सेल व रैक लोडिंग के माध्यम से खपाया जा रहा है। वर्तमान समय में रेलवे साइडिंग के इर्द-गिर्द जेपी बीणा,आकृति, शारदा आदि नाम की यार्ड कंपनियां निर्बाध रूप से मिक्सिंग के धंधे में जुटी है। वहीं कई लोगों द्वारा धंधे को अंजाम देने के लिए यार्ड का निर्माण कराया जा रहा है।इन सभी कोयला स्टॉक यार्ड में भारी मात्रा में कोयले का स्टॉक है,जो जांच का विषय है। कुजू रेलवे साइडिंग में रैक से जाने वाला कोयला में भारी मात्रा में डस्ट मिलाया जा रहा है। बताया जाता है कि विभिन्न फैक्ट्रियों से निकलने वाले डस्ट को रात के अंधेरे में साइडिंग में गिराकर उसे रैक के माध्यम से कोयला में मिलाकर बाहर भेजा जा रहा है। इस धंधे से धंधेबाज तो मालामाल हो रहे हैं, लेकिन सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। साइडिंग खुलने के बाद विस्थापित प्रभावित के नाम पर क्षेत्र के चंद प्रभावशाली लोगों ने शुरूआती दौर में लगभग 400 लोगों की एक सूची बनाई। लेकिन विस्थापित प्रभावित के नाम पर प्रत्येक रैक मिलने वाली मोटी राशि पर चंद लोगों ने अपना सिक्का जमा लिया है।

एक नजर में

इचाक में ऑटो पलटने से आठ घायल

हजारीबाग। इचाक थाना क्षेत्र अंतर्गत खुटरा गांव के पास सोमवार शाम करीब 4 बजे दलियाही मोड़ के पास यात्रियों से भरी ऑटो का पिछला टायर अचानकखुल गया, जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर ढलान पर दो से तीन बार पलट गई। इस दुर्घटना में ऑटो सवार 15 में से आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें दो मासूम बच्चे और ऑटो चालक भी शामिल हैं। घायलों में दिग्घी गांव के 63 वर्षीय कपूर सिंह और 41 वर्षीय मनी देवी की हालत गंभीर बताई जा रही है। इनके अलावा पचिया देवी (53), गंगिया देवी (62), सावित्री देवी (40), फुल्की देवी (50), सुलेखा कुमारी (32) और उसके बच्चे अनिशा कुमारी (6) व अर्पित राज (4) भी घायल हुए हैं। चालक अनुज शर्मा को भी चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शी शंकर प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि सभी लोग बाजार से लौट रहे थे जब हादसा हुआ। जैसे ही ऑटो दलियाही मोड़ पर पहुंची, बाएं पहिए का बोल्ट ढीला होकर निकल गया और टायर खुलते ही गाड़ी पलट गई। हादसे की सूचना पर इचाक पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सभी घायलों को 108 एंबुलेंस से शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। ऑटो को जब्त कर थाने लाया गया है।

चरही के चनारो में रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ

चरही। चुरचू प्रखंड के चनारो गांव में मंगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्री श्री 1008 रुद्र महायज्ञ सह शिव-हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। गांव के सैकड़ों श्रद्धालु पारंपरिक परिधानों में ढोल-नगाड़े और गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा में शामिल हुए। भक्तों ने ₹हर हर महादेव₹ और ₹ॐ नमः शिवाय के जयकारों के साथ भक्तिमय वातावरण बना दिया। शोभायात्रा नवनिर्मित मंदिर परिसर से शुरू होकर परबाद होते हुए चोड़ी नदी के तट तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलशों में पवित्र जल भरा गया और वापस मंदिर में प्रतिष्ठित किया गया। यह यज्ञ चनारो गांव में पहली बार हो रहा है। पांच दिवसीय इस अनुष्ठान में प्रतिदिन बनारस से आए कथा वाचक द्वारा प्रवचन होगा। समापन दिवस 9 मई को प्राण प्रतिष्ठा, सार्वजनिक हवन, पूणार्हुति, भंडारा और रात्रि में भक्ति जागरण का आयोजन होगा। इस आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष फुलेश्वर महतो, सचिव चौलेश्वर महतो, संरक्षक लखराज सिंह, प्रमुख निरंजन नायक, मुखिया ब्रजबिहारी महतो सहित कई गणमान्य व्यक्ति और ग्रामीण तन-मन से जुटे हुए हैं।

लस्करी में खंभे से हो रही बिजली की आपूर्ति

बरही। रसोई धमना पंचायत स्थित लस्करी गांव में बिजली विभाग की घोर लापरवाही सामने आई है। यहां भवन निर्माण कार्य में खंभे के सहारे अस्थाई और खतरनाक तरीके से बिजली की आपूर्ति की जा रही है। यह जुगाड किसी भी वक्त बड़े हादसे को न्योता दे सकता है, जिससे ग्रामीणों की जान जोखिम में है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग को कई बार शिकायत दी गई, पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। खंभे पर झूलती खुली तारें बारिश या हलकी चूक से जानलेवा हो सकती हैं। खासकर ग्रामीण महिलाएं जो रोज मवेशी चराने इसी रास्ते से गुजरती हैं, वे रोज खतरे के साए में होती हैं। लोगों का कहना है कि विभाग के कर्मचारी इस अस्थायी व्यवस्था को नजरअंदाज कर रहे हैं, जैसे किसी त्रासदी का इंतजार कर रहे हों। अब देखना है कि विभाग कब जागेगा और कब तक इस खतरनाक बिजली व्यवस्था को हटा कर सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित अधिकारी अविलंब स्थायी और सुरक्षित समाधान करें, कोई बड़ी दुर्घटना किसी की जान सकती है।

हाइटेंशन तार की चपेट में आने से युवक की मौत

बरकट्ठा । बेडोकला में सोमवार सुबह एक युवक हाईटेंशन तार की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। टिंकू राणा, ग्राम मस्केडीह, चलकुशा निवासी टेंपो गाड़ी में लदे समान को उतारने के क्रम में वह बिजली तार के चपेट में आ गया। लोगों के मुताबिक मृतक टेंपो से सामान उतार रहा था। टेंपो जहां खड़ी थी। उसी के ऊपर कुछ दूरी पर हाईटेंशन तार गुजरा है। वह तार के चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई।

विधायक ने आठ योजनाओं का किया शिलान्यास

बड़कागांव। विधायक रोशन लाल चौधरी ने बड़कागांव प्रखंड में आठ विकास योजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें सीसीएल उरीमारी चेक पोस्ट से तिलैया तक 2.3 किमी सड़क सुदृढ़ीकरण, पुंदौल से मरदूसोती तक 2.020 किमी सड़क निर्माण तथा टी-02 से सुकुल खपिया तक 2.8 किमी सड़क कार्य शामिल है। डीएमएफटी मद से राजकीय मध्य विद्यालय जरजरा, पीएम श्री उत्क्रमित मध्य विद्यालय शिवाडीह, उत्क्रमित मध्य विद्यालय नालापार हरली और ग्राम अंबाजीत के विद्यालयों का उन्नयन कार्य भी शुरू किया गया। साथ ही चंदौल पंचायत के महंगाई खुर्द गांव स्थित रानी तालाब के जीर्णोद्धार कार्य की भी शुरूआत हुई। ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों के साथ विधायक का भव्य स्वागत किया। चौधरी ने कहा कि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही उनका मुख्य उद्देश्य है। वे सड़क से लेकर सदन तक जनता की आवाज उठाने के लिए हमेशा तैयार हैं। इस अवसर पर आजसू, भाजपा और कई संगठनों के नेता व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिनमें दिलीप दांगी, कोलेश्वर गंझू, बेबी देवी, खेमलाल महतो, संदीप कुशवाहा, महेंद्र महतो आदि प्रमुख रहे।

पीडीएस डीलरों के साथ बीडीओ ने की बैठक

विष्णुगढ़। प्रखंड मुख्यालय सभागार में सोमवार को बीडीओ की अध्यक्षता में पीडीएस डीलरों के साथ बैठक हुई। बैठक में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बीडीओ ने सभी डीलरों को निर्देशित किया कि ऐसे राशन कार्ड धारियों की पहचान की जाए जो अपवर्जन मानकों में आते हैं, फिर भी राशन का लाभ उठा रहे हैं। ऐसे लाभुकों की सूची जल्द प्रखंड कार्यालय को सौंपने को कहा गया। साथ ही संपन्न परिवारों को स्वेच्छा से राशन कार्ड सरेंडर करने के लिए प्रेरित करने का भी निर्देश दिया गया। बीडीओ ने स्पष्ट किया कि जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राशन वितरण हर माह पूर्व से गठित निगरानी समिति की उपस्थिति में अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया गया। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने डीलरों को 30 जून तक लाभुकों का ई-केवाईसी पूरा करने को कहा। बैठक में टेकोचंद महतो, शंभूनाथ पांडे, उमेश पांडे, चेतलाल महतो, गोवर्धन प्रसाद समेत अन्य पीडीएस विक्रेता उपस्थित थे।

चरही में मंडा पूजा को लेकर बैठक

चरही। इस वर्ष भी चरही में शिव-पार्वती मंडा पूजा धुमधाम से मनाने को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक। इसकी अध्यक्षता समाजसेवी उमेश सिंह ने किया। बैठक में विगत वर्ष के लेखा-जोखा को प्रस्तुत किया गया। बैठक में कमिटी का गठन किया गया।जिसमें अध्यक्ष लाल सिंह,उपाध्यक्ष संतोष रविदास,अजय महतो, विकास महतो, सचिव जीतन करमाली, नरेश ठाकुर, कोषाध्यक्ष घनश्याम करमाली और गुड्डू महतो को बनाया गया।

मोहन खेड़ा आते हैं दुनिया भर से भक्त

कमल सिंधी

मोहनखेड़ा जैन तीर्थ पहुंचने हेतु राजगढ़ से गुरु भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था रहती है। राजगढ़ में मोहनखेड़ा पेढ़ी के नाम से विश्राम गृह है जहां से मोहनखेड़ा जाने हेतु गुरूभक्तों के लिए वाहन व्यवस्था रहती है। मोहनखेड़ा तीर्थ पर कई राजनीतिक हस्तियां भी दर्शन करने पहुंच चुकी है।

मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमिटर दुर इंदौर-अहमदाबाद राजमार्ग पर राजगढ़ के समीप मोहनखेड़ा जैन समाज का एक प्रमुख श्वेताम्बर तीर्थ स्थल है। समय-समय पर मोहनखेड़ा में अनेक चमत्कार हुए है। जैन समाज की अटूट आस्था मोहनखेड़ा तीर्थ से जुड़ी हुई है। जैन समाज के छोटे-बड़े मंदिरों के साथ ही यहां पर जैन समाज के 68 वें गुरूदेवेश श्री राजेन्द्र सूरीश्वर जी महाराज साहब का विशाल समाधी मंदिर बना हुआ है। हर वर्ष गुरु सप्तमी पर यहां मेला लगता है। इस दिन यहां देशभर सहित विदेश से भी गुरू भक्त दर्शन- वंदन करने पहुंचते है। मोहनखेड़ा जैन तीर्थ पर कई बड़ी राजनीतिक हस्तियां एवं फिल्मी अभिनेता भी अपना शीश झुकाने पहुंच चुके है। राजेन्द्र सूरीश्वर जी के सामने जो भी मन्नत रखते हैं वह पूर्ण होती है।

श्री राजेन्द्र सूरीश्वरजी ने त्यागी थी अपने देह-

बताया जाता है कि मोहनखेड़ा तीर्थ स्थल का नाम पहले खेड़ा हुआ करता था। यहां आसपास जंगल था। राजेन्द्र सूरीश्वरजी ने मोहनखेड़ा में आदिनाथ भगवान के मंदिर का निर्माण करवाया था। जैन समाज के 68 वें गुरूदेवेश श्री राजेन्द्र सूरिश्वरजी म.सा. जावरा से विहार करते हुए राजगढ़ पहुंचे थे। राजगढ़ में 21 दिसंबर 1906 को पोष सुदी सप्तमी के दिन राजेन्द्र सूरीश्वरजी ने अंतीम सांस ली थी। जिसके बाद समाजनों ने मोहनखेड़ा में उनका अंतिम संस्कार कर समाधी मंदिर की स्थापना की। समाजजनों ने तीर्थ का समय-समय पर विकास किया। आज माहेनखेड़ा तीर्थ पर स्वर्ण मंदिर का निर्माण हो चुका है। प्रतिदिन यहां गुरूभक्तों का आवागमन रहता है। तीर्थ पर दादा गुरूदेव राजेन्द्र सूरीश्वरजी, यतिन्द्र सूरीश्वरजी, विद्याचन्द्र सूरीश्वरजी, हैमेन्द्र सूरीश्वरजी की समाधी के साथ-साथ आचार्य रविन्द्र सूरीश्वरजी के समाधी मंदिर का भी निर्माण हो चुका है।

कई राजनीतिक हस्तीयां एवं फिल्म अभिनेता पहुंच चुके है-

मोहनखेड़ा जैन तीर्थ पहुंचने हेतु राजगढ़ से गुरु भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था रहती है। राजगढ़ में मोहनखेड़ा पेढ़ी के नाम से विश्राम गृह है जहां से मोहनखेड़ा जाने हेतु गुरूभक्तों के लिए वाहन व्यवस्था रहती है। मोहनखेड़ा तीर्थ पर कई राजनीतिक हस्तियां भी दर्शन करने पहुंच चुकी है। पूर्व राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिह चौहान, कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित कई बड़ी राजनीतिक हस्तियां यहां अपनी मनोकामना लेकर अपना शीश झुका चुके हैं। साथ ही फिल्मी अभिनेता सनी देओल, मशहूर गायक दलेर मेहंदी सहित कई फिल्मी हस्तियां भी मोहनखेड़ा पहुंच चुके है। हर वर्ष बड़े सेलेब्रेटी का यहां आना-जाना लगा रहता है। गुरू सप्तमी को लगता है मेला-

मोहनखेड़ा तीर्थ मानव सेवा एवं जीवदया का अनूठा केन्द्र है। यहां के तीर्थ प्रेरक गच्छाधिपती आचार्य श्री ऋषभचन्द्र सूरिश्वरजी म.सा. की प्रेरणा से श्री राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर पेढ़ी ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष जीवदया एवं मानव सेवा हेतु अनेक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। साथ ही आचार्य श्री की प्रेरणा से लगातार तीर्थ का विकास हो रहा है। मोहनखेड़ा तीर्थ पर माह पोष सुदी सप्तमी को विशाल मेले का अयोजन होता है। इस दिन देश-विदेश से लाखों गुरुभक्तों यहां पहुंचते है। लम्बी-लम्बी कतारों में लगकर श्री राजेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. के दर्शन एवं पूजन गुरुभक्तों द्वारा किया जाता है। साथ ही आचार्यश्री के आर्शीवाद लेते है। हवाई यात्रा से आने वाले गुरुभक्तों के लिए तीर्थ पर हेलीपेड बना हुआ है। साथ ही प्रतिदिन गुरूदेव की आरती के लाइव प्रसारण भी होता है। तीर्थ पर श्रद्धालुओं के ठहरने हेतु एयर कंडीशनर धर्मशालाओ का निर्माण किया हुआ है। तीर्थ पर विशेष बात यह है कि यहां आने वाले यात्रियों को निःशुल्क भोजन प्रसादी दी जाती है।

होते है अनेक चमत्कार, बना जीवदया का केंद्र-

मोहनखेड़ा तीर्थ पर अनेक चमत्कार समय-समय पर हुए है। विगत वर्षो यहां प्रतिमा से अमृत झरना बहा था एवं केसर वर्षा हुई थी। जैन समाज के वरिष्ठ पत्रकार सुनिल बाफना बताते है कि मोहनखेड़ा तीर्थ अपने आप में कई चमत्कारों को समेटे हुए है। आचार्य श्री ऋषभचन्द्र सूरीश्वरजी की प्रेरणा से यहां विशाल गौशाला का निर्माण भी हुआ है। जहां 1100 पशु की देखरेख होती है। तीर्थ पर एक भव्य नेत्र चिकित्सालय में हजारों लोगो का उपचार नि?शुल्क होता है। यहां पहुंचने वाले गुरूभक्तों को एक अलग की सुकुन महसुस होता है। गुरूभक्तों की मन्नते भी यहां पूरी होती है। तीर्थ पर गौशाला के प्रांगण में लाखों कबूतरों का आश्रय है। गर्मी को ध्यान में रखते हुए कबूतरों के लिए 35 कूलर लगाए गए है।

इस तीर्थ में दुनिया भर के भक्त आते हैं।

प्रेम में ही खिलता है भक्ति का फूल

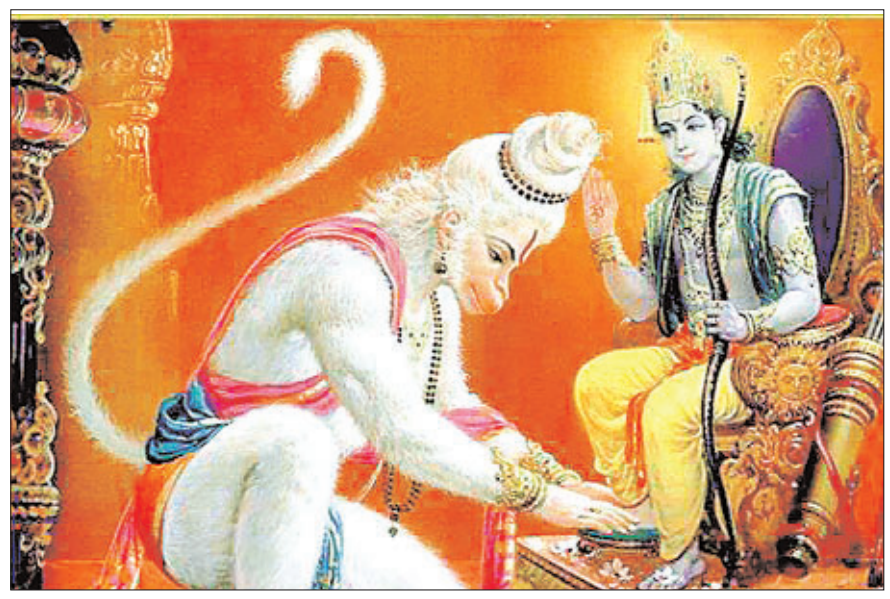

ओशो सिद्धार्थ औलिया

परम शिखर तक जाने के अनेक मार्ग हैं। उनमें से आठ मुख्य हैं। ये आठों हमारे शरीर के आठ चक्रों से संबंधित हैं। भक्तियोग का संबंध अनाहत या हृदय चक्र से है और प्रेम तथा राग भी इसी चक्र से संबंधित हैं। राग अथवा प्रेम के मार्ग से जो यात्रा हम चैतन्य की करते हैं, अपनी आत्मा तक की जो यात्रा हम हृदय के मार्ग से करते हैं, उसी का नाम है- भक्तियोग। यह प्रेम का, हृदय का, भाव का, श्रद्धा का मार्ग है।

प्रेम योग कैसे बन सकता है?

सूफी कहते हैं, प्रेम-प्रेम में भी भेद है। लेकिन जिसे लौकिक प्रेम का अनुभव नहीं है, उसे पारलौकिक प्रेम का अनुभव होना कठिन है। संवेदना ही किसी को बुद्ध, नानक या कबीर बनाती है। संवेदनहीनता हमें बुद्धू बना देती है। बुद्धू से बुद्धत्व तक की यात्रा संवेदना की यात्रा है। संवेदना न हो तो हृदय पाषाण हो जाए। अगर आपके पास हृदय है तो आपको प्रेम होगा ही, चाहे जिससे हो। प्रेम भाई से हो कि पत्नी से, प्रेमिका से हो या प्रेमी से, आपका प्रेम किससे है, यह बात गौण है। आपको प्रेम है, यह है मुख्य बात। अगर संसार में ऐसा कोई न हो जिसे आप प्रेम कर सकें, जिसे आप अपना कह सकें तो फिर जीने का उद्देश्य भी क्या है? यह जीवन तभी तक प्यारा है, जब तक आपके जीवन में कोई ऐसा हो जिसे आप अपना कह सकें।

जब आप प्रेम के लिए किसी की ओर हाथ बढाते हैं तो दूसरा भी आपको प्रेम करने लगता है। अगर आपको किसी से प्रेम न हो और आप सोचें कि जगत आपको प्रेम करे, तो यह संभव नहीं। हम जो देते हैं, जगत वही हजार-हजार गुना करके हमें लौटाता है। इसलिए, जिसे प्रेम की आकांक्षा हो, वह पहले देना सीखे। तभी वह घड़ी आएगी जब कोई आपको भी प्रेम करेगा और आप पाएंगे कि कोई है, जिसकी जिंदगी में आप अहम स्थान रखते हैं, जिसके लिए आपका होना जरूरी है। तब पहली बार आपको अपना मूल्य समझ में आता है और आप स्वयं को भी प्रेम करना शुरू कर देते हैं।

इसी प्रेम से भक्तियोग की शुरुआत होती है। इसकी दो दिशाएं हैं- आत्मविस्मरण और आत्मस्मरण। जब आप किसी को इस प्रकार प्रेम करते हैं जो आपको आत्मविस्मरण में ले जाए, तो वह अशुद्ध प्रेम है, क्योंकि वह आपको वासना की ओर ले जा रहा है। वह प्रेम जिसमें आप खुद को भूल जाएं, आपको स्वयं का ही स्मरण न रह जाए, वह शुद्ध प्रेम नहीं हो सकता। शुद्ध प्रेम आपको आत्मस्मरण में ले जाता है। जब आप किसी को याद करते हैं, तो आपकी चेतना उसकी ओर जाती है और तब आप अपने को भूल जाते हैं। लेकिन आप किसी को यदि ऐसे याद करें कि मानो उसके प्रेम की तरंगें आपकी ओर आ रही हैं तो यह हुआ स्वकेंद्रित प्रेम। यही शुद्ध प्रेम है। तब आप अपने को भूल न सकेंगे। तब आप दुखी या चिंतित भी नहीं हो पाएंगे। वासनारहित प्रेम वरदान है।

सामान्यत?, प्रेमी दुखी हो जाते हैं क्योंकि प्रेम करने की कला उनको नहीं आती। असली प्रेम वह है जो आपको स्वकेंद्रित प्रेम में ले जाता है और जब आप ऐसा महसूस करने लगें कि आपके प्रेमपात्र की प्रेम तरंगें आपकी ओर बरसात के झोंके की तरह आ रही हैं तो वही है शुद्ध प्रेम। इसी भावदशा में प्रेमयोग की पूर्णता है। यह प्रेम योग ही भक्तियोग का पहला कदम है। जो प्रेम कर सकते हैं, भक्तियोग उन्हीं के लिए है।

प्रेम और श्रद्धा में है अंतर

प्रेम और श्रद्धा में थोड़ा भेद है। प्रेम बराबर वालों में होता है, श्रद्धा अपने से बड़ों के प्रति होती है, जैसे-माता-पिता या गुरु के प्रति। प्रेम का ऊर्ध्व रूप है- श्रद्धा। प्रेम का अर्थ है- आप देना चाहते हैं और स्वयं को देने लायक समझते हैं। देने का भाव ही प्रेम है। श्रद्धा में भी आप देना तो चाहते हैं, लेकिन आपके भीतर भाव यह रहता है कि हमारे पास है ही क्या देने को? गुरु के प्रति ऐसा ही भाव होता है शिष्य के भीतर। श्रद्धा का अर्थ है कि आपके भीतर सब कुछ दे देने का मन है, लेकिन आप देने के लिए स्वयं को अपात्र समझते हैं। किंतु, यदि श्रद्धा ऐसी हो, आप अपने गुरु का स्मरण ऐसे करते हों कि स्वयं को ही भूल जाएं और आपकी चेतना में केवल आपके गुरु ही शेष रह जाएं तो यह भी श्रद्धा का अशुद्ध रूप है। अपना ख्याल जिसे बिल्कुल नहीं रह जाता, वह अंधश्रद्धा में होता है। गुरु का स्मरण भी ऐसे होना चाहिए, मानो गुरु का आशीष आप पर बरस रहा है और आप उसकी बारिश में भीग रहे हैं। ऐसी स्वकेंद्रित श्रद्धा ही शुद्ध श्रद्धा है।

निष्कपट भाव से ईश्वर की खोज

स्वामी विवेकानंद ने 'भक्ति-योग' पुस्तक में लिखा है कि निष्कपट भाव से ईश्वर की खोज ही भक्तियोग है। इस खोज का आरंभ, मध्य और अंत प्रेम में होता है। नारद अपने भक्तिसूत्र में कहते हैं, 'भगवान का परम प्रेम ही भक्ति है। जब मनुष्य इसे प्राप्त कर लेता है, तो सभी उसके प्रेम-पात्र बन जाते हैं। वह किसी से घृणा नहीं करता; वह सदा के लिए संतुष्ट हो जाता है। इस प्रेम से किसी काम्य वस्तु की प्राप्ति नहीं हो सकती, क्योंकि जब तक सांसारिक वासनाएं घर किये रहती हैं, तब तक प्रेम का उदय ही नहीं होता। भक्ति स्वयं ही साध्य और साधनस्वरूप है।' भक्तियोग का एक बड़ा लाभ यह है कि वह हमारे चरम लक्ष्य (ईश्वर) की प्राप्ति का सब से सरल और स्वाभाविक मार्ग है।

(लेखक ओशोधारा के संस्थापक हैं)

एकलव्य का अंगूठादान

एकलव्य ने यहां दिया गुरुदक्षिणा में अंगूठा

निषाद-भील समाज के लोगों की आस्था के कारण वर्ष 1721 में गांव खांडसा के लोगों ने यहां एक मढ़ी का निर्माण करवाया। इससे पहले मंदिर के नाम पर यहां सिर्फ एक चबूतरा बना हुआ था। कहा जाता है कि जिस स्थान पर चबूतरा बना था, वहां गुरु द्रोण ने एकलव्य से गुरुदक्षिणा में लिया हुआ अंगूठा दफनाया था।

इसे विकसित कर तीर्थ स्थल का रूप मिलना चाहिये। ग्रामीण कहते हैं कि अनदेखी के कारण ऐतिहासिक धरोहर सिर्फ कथा-कहानियों में सिमटकर रह गई है।

नवीन पांचाल

गुरु द्रोणाचार्य की कर्मस्थली गुरुग्राम के इतिहास में एक ऐसा पन्ना भी जुड़ा हुआ है जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। देश का एकमात्र एकलव्य मंदिर गुरुग्राम में है। वही एकलव्य, जिन्होंने महाभारत काल में गुरु द्रोण की प्रतिमा को प्रतीकात्मक तौर पर अपना गुरु मानकर धनुर्विद्या हासिल की और बाद में गुरुदक्षिणा के रूप में अपने दाहिने हाथ का अंगूठा उन्हें दे दिया।

महाभारत काल में खांडवप्रस्थ के नाम से जिस स्थान को जाना जाता था, वह गुरुग्राम जिले का गांव खांडसा है। चारों तरफ विश्व प्रसिद्ध औद्योगिक इकाईयों से घिरे इस गांव में ही स्थित है एकलव्य मंदिर। यह मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र व पाकिस्तान के कई हिस्सों में बसे निषाद भील समाज के लोगों की आस्था का केंद्र है। इस समाज से जुड़े लोग देशभर से यहां माथा टेकने आते हैं। घर में किसी नये सदस्य के आगमन पर निषाद-भील समाज के लोग इस मंदिर में धौंक लगाने भी आते हैं। मंदिर में हर साल मेला लगता है और देश-विदेश में बसे निषाद-भील समाज के लोग यहां आकर मनोकामना मांगते हैं।

निषाद-भील समाज के लोगों की आस्था के कारण वर्ष 1721 में गांव खांडसा के लोगों ने यहां एक मढ़ी का निर्माण करवाया। इससे पहले मंदिर के नाम पर यहां सिर्फ एक चबूतरा बना हुआ था। कहा जाता है कि जिस स्थान पर चबूतरा बना था, वहां गुरु द्रोण ने एकलव्य से गुरुदक्षिणा में लिया हुआ अंगूठा दफनाया था। इसी चबूतरे पर निषाद-भील समाज के लोग माथा टेकने आते थे। अब यहां कुछ कमरे बनवा दिए गए हैं, ताकि दूर दराज से आने वाले आस्थावान लोग यहां रात्रि विश्राम कर सकें।

गांव के लोग इस मंदिर को विशाल तीर्थ में रूप में विकसित करवाने की मंशा रखते हैं। मंदिर के पास ही स्थित एक इंडस्ट्री के संचालक व स्थानीय निवासी दीपक मैनी कहते हैं कि यह मंदिर भारतभर में गुरु-शिष्य की अनूठी परंपरा का श्रेष्ठ उदाहरण है।

इसे विकसित कर तीर्थ स्थल का रूप मिलना चाहिये। ग्रामीण कहते हैं कि अनदेखी के कारण ऐतिहासिक धरोहर सिर्फ कथा-कहानियों में सिमटकर रह गई है। ग्रामीण मान सिंह राघव बताते हैं कि एकलव्य मंदिर इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहीं से कुरुक्षेत्र में होने वाले महाभारत के युद्ध की रणनीति तैयार की गई। महाभारतकालीन राजधानी हस्तिनापुर भी इसी खांडवप्रस्थ की नीति से चलती थी।

जिहि प्रानी हउमै तजी करता रामु पछानि

प्रो. नव संगीत सिंह

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में जिंदगी के अनेक फलसफे हैं। जिंदगी के असल मकसद से दूर लोभ-मोह-अहंकार में फंसे लोगों को गुरु ने समझाया कि परमात्मा के भजन के बिना यह जीवन व्यर्थ बीत गया तो आखिर में पछतावा ही बचेगा। उन्होंने कहा- करणो हुतो सु ना कीओ परिओ लोभ कै फंध।। नानक समिओ रम गइओ अब क्यो रोवत अंध।। यानी जीवन में जो करना था, वो नहीं किया, इसके बजाय लोभ के फंदे में फंसे रहे। अब जब समय निकल गया है तो क्यों रोते हो।

गुरु जी ने अहंकार का त्याग करने और हरि-नाम का सुमिरन करने का उपदेश दिया। जो मनुष्य अहंकार को त्याग देता है, उसे ही वास्तव में 'करता पुरख' का ज्ञान होता है। यह समझाते हुए गुरु जी ने कहा- जिहि प्रानी हउमै तजी करता रामु पछानि।। कहु नानक वहु मुकति नरु इह मन साची मान।।

काम एवं क्रोध में डूबे हुए मनुष्य को अच्छे-बुरे की पहचान नहीं होती। इन बुराइयों के अंधेरे में मनुष्य को वास्तविक प्रभु दिखाई नहीं देता। गुरु साहिब ने अपनी वाणी में इनसे बचने की प्रेरणा देते हुए कहा-

काम क्रोध मोह बसि प्रानी हरि मूरति बिसराई।। काम क्रोध जिह परसै नाहनि तिह घटि ब्रह्म निवासा।।

गुरु तेग बहादुर जी संसार की अस्थिरता का बोध करवाते हुए इस तथ्य पर बल देते हैं कि मोह-ममता का त्याग भी अति आवश्यक है-

लोभ मोह माइया ममता फुनि जिह घट माहि पछिनउ ।। सुखु दुखु जिह परसै नहीं लोभ मोह अभिमानु ।। कहु नानक सुनु रे मना सो मूरति भगवान।।

आज भी समूचा विश्व काम, क्रोध, लोभ, अहंकार जैसे विकारों में फंसा हुआ है। उसको अपनी ही सुध नहीं है। गुरु जी ने अपनी वाणी में इस बात पर जोर दिया कि मनुष्य को सांसारिक पदार्थों का मोह त्याग देना चाहिए। सांसारिक वस्तुएं अस्थाई एवं क्षणिक हैं। हमें प्रभु के नाम का सहारा लेना चाहिए। वही स्थाई है।

रात को ठहाके लगाती है बिहार के इस मंदिर की देविया

इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां देवियां रात को बातें करती हैं। आपस में होने वाला इनका ये वार्तालाप कई बार हंसी और ठहाकों में भी बदल जाता है। आज के युग में ये बातें कुछ अजीब लगती हैं, लेकिन ये सच है। मंदिर के नजदीक से रात में जो भी व्यक्ति निकलता है वह उनकी आवाज को आसानी से सुन सकता है।

दुनिया में चमत्कारों और रहस्यों की कहीं भी कमी नही है। माता राजेश्वरी का मंदिर बिहार के बक्सर में स्थित है। यहां परिसर में कुछ और भी देवियां हैं जिनमें बगलामुखी माता, तारा माता, काली, कमला, उग्र तारा, छिन्नमाता, धुमावती, शोडषी सहित दस महाविद्यायाएं निवास करती हैं। इसके अतिरिक्त भगवान गणेश, भैरव, शिव का मंदिर भी बना हुआ है। इस स्थान को लेकर होने वाले चमत्कार लगभग पूरी दुनिया में फेमस हैं। जिसकी वजह से यहां दूर-दूर से भक्त माता के दर्शनों के लिए आते हैं, लेकिन यहां की खूबियों को जानने के बाद भी कभी भी कोई यहां रात में रुकने की हिम्मत नही जुटा पाता, हालांकि मंदिर के संबंध में प्रसिद्ध है कि यहां पूरे मन और सच्ची श्रद्धा से जो भी कामना की जाती है वह जरुर ही पूरी होती है।

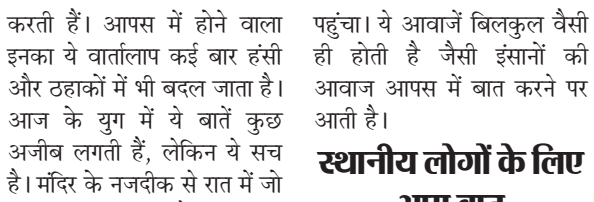

हंसी और जोरदार ठहाकों की भी आवाज

इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां देवियां रात को बातें करती हैं। आपस में होने वाला इनका ये वार्तालाप कई बार हंसी और ठहाकों में भी बदल जाता है। आज के युग में ये बातें कुछ अजीब लगती हैं, लेकिन ये सच है। मंदिर के नजदीक से रात में जो भी व्यक्ति निकलता है वह उनकी आवाज को आसानी से सुन सकता है। कई बार लोगों ने मंदिर से आने वाली हंसी की आवाज भी सुनी है। जिसके संबंध में कहा जाता है कि देवियां यहां आपस में बातें करती हैं।

अंदर जाकर देखा तो...

हालांकि इस रहस्य को जानने वाले और आवाज सुनने वालों ने मंदिर के अंदर जाकर देखा तो किसी तरह की कोई परछाई तक महसूस नही हुई और जब बाहर आए तो फिर उसी आवाज ने लोगों को चैंकाया, हालांकि इससे कभी किसी को कोई नुकसान नही पहुंचा। ये आवाजें बिलकुल वैसी ही होती है जैसी इंसानों की आवाज आपस में बात करने पर आती है।

स्थानीय लोगों के लिए आम बात

मंदिर में सैकड़ों भक्त दर्शनों के लिए आते हैं कई बार लोग रात के वक्त आवाज सुनने की भी कोशिश करते हैं जो कि स्पष्ट तौर पर सुनने मिलती हैं। रात्रि में किसी के भी न होने पर यहां अपने आप ही चमत्कार होने लगता है जो कि सभी के लिए आश्चर्य का विषय है हालांकि अब स्थानीय लोगों के लिए ये कुछ नया नही है, यह आम बात हो चुकी है और वे इसे एक अनोखा चमत्कार और उनके नगर पर मां की असीम कृपा मानते हैं। इस मंदिर को लेकर स्थानीय लोगों की बड़ी आस्था है। नवरात्रि में भारी भीड़ होती है।

स्पीड न्यूज

विस्थापितों के नेता कपूर बागी नहीं रहे

जमशेदपुर। चांडिल डैम के विस्थापितों की लडाई लड़ने में अपनी जवानी खपा देने वाले कपूर बागी (56) का आज ब्रह्मानंद अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनका असली नाम कपूर कुमार टुडू था और वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ममेरा भाई थे। सरायकेला-खरसावां जिले के चिलगु चाकुलिया ग्राम निवासी कपूर बागी अपने पीछे वृद्ध माता, पत्नी और तीन बच्चे छोड़ गये हैं। कपूर बागी विगत कई वर्षों से किडनी रोग से पीड़ित थे।

चाकुलिया प्रकरण की एसआईटी जांच कराये सरकार : डॉ दिनेशानंद

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया प्रखंड की मटियाबंधी पंचायत में फर्जी जन्म प्रमाण पत्रों के बड़े घोटाले ने पूरे राज्य में हड़कंप मचा दिया है। इस मामले में झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता कर सनसनीखेज खुलासे किये। उन्होंने इस घोटाले को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा फर्जी दस्तावेजों के जरिए सरकारी तंत्र में सेंध लगाने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सरकार पर इस मामले में निष्क्रियता और अवैध गतिविधियों को संरक्षण देने का गंभीर आरोप लगाया। प्रेस वार्ता में भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, जिला उपाध्यक्ष संजीव सिन्हा, बबुआ सिंह एवं जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा मौजूद रहे। डॉ गोस्वामी ने बताया कि मटियाबंधी पंचायत, जहां करीब 900 परिवार रहते हैं और एक भी मुस्लिम परिवार नहीं है, वहां 2024 में 4,411 जन्म प्रमाण पत्र जारी किये गये। इनमें से 715 प्रमाण पत्र मुस्लिम समुदाय के नाम पर थे। सवाल उठाया कि जब पंचायत में मुस्लिम परिवार ही नहीं हैं, तो इतनी बड़ी संख्या में मुस्लिम नामों पर प्रमाण पत्र कैसे जारी हुए।

सुबीर रॉय महासचिव व जयंतो चौधरी सचिव

जमशेदपुर। घोड़ाबांधा स्थित आनंद विहार वेलफेयर कमिटी का मंगलवार को सर्वसम्मति से गठन किया गया। उक्त कमेटी 31 मार्च 2028 तक प्रभावी रहेगा। कमेटी में सुबीर रॉय - महासचिव, जयंतो चौधरी -सचिव, प्रोबीर गांगुली- सह सचिव, एस के सूर एवं असीम चंदा - कोषाध्यक्ष, विनोद एमजी एवं अरुप कुमार गुहा कमेटी मेंबर बनाये गये। नवगठित कमेटी को जमशेदपुर को-ऑपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसायटी के अध्यक्ष श्रीकृष्ण पांडे ने फूलों का माला पहना कर स्वागत किया। बताते चलें कि इसके पूर्व चुनाव पदाधिकारी आशीष कुमार राय के दिशा निर्देश पर आनंद विहार प्रांगण में चुनाव संपन्न कराये गये थे। जिसमें सुबीर रॉय को सर्वाधिक 65, जयंतो चौधरी को 61, असीम चंदा को 51, विनोद एमजी को 50, एसके सूर को 48, प्रोबीर गांगुली को 39 एवं अरुप कुमार गुहा 38 मत प्राप्त कर विजय बनने का गौरव हासिल किया था।

आदित्यपुर स्टेशन पर जल सेवा शुरू

जमशेदपुर। एसई रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स लोकल एसोसिएशन-आदित्यपुर के तरफ से आदित्यपुर स्टेशन पर 05 मई 2025 को जल सेवा शुरू की गई है। इस अवसर पर आदित्यपुर के सी एंड डब्ल्यू विभाग के डीएमई सिद्धांत वेमा, आदित्यपुर आईओडब्ल्यू संजय गुप्ता, सी एंड डब्ल्यू के एके मंडल, आरपीएफ टीके रजक, स्काउट टीम से ग्रुप लीडर संजीत महतो, बीके बेहरा, संतोष दास, रामाशंकर वर्मा,कृष्णा, रवि, आदित्य, मनदीप, सुमित आदि उपस्थित थे।

डीसी के जनता दरबार में पहुंचा कलयुगी पुत्र का मामला, मां ने बेटे से बचाने की लगायी गुहार

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। मंगलवार को डीसी के जनता दरबार में कलयुगी पुत्र का मामला पहुंचा। चिरकुंडा के शिवलीबाड़ी से आई एक महिला ने बताया कि उसके छोटे पुत्र ने जबरन उनके मकान के चार कमरों पर कब्जा कर लिया है। कमरे खाली करने की बात को लेकर पर वह मारपीट करता है और जान से मारने की धमकी देता है। महिला ने बताया कि वह बीमारी से ग्रसित है। इसके बावजूद बेटा दवाई या इलाज के लिए पैसे नहीं देता है। इस पर संज्ञान लेकर डीसी माधवी मिश्रा ने पीड़ित महिला को समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। वहीं कतरासगढ़ से आई एक अन्य महिला ने बताया कि उनके पिता बीसीसीएल में कार्यरत थे। नौकरी के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद परिवार की देखभाल करने की बात कहकर एक भाई ने अन्य भाई बहनों से एनओसी लेकर बीसीसीएल में नौकरी ली। नौकरी मिल जाने के बाद वह अपनी जिम्मेदारी से मुकर गया और परिवार की देखभाल नहीं करता है।

इसके अलावा जनता दरबार में धनबाद के सबलपुर व बाघमारा के श्यामडीह में रैयती जमीन पर बाउंड्री वॉल नहीं बनाने देने, अबुआ आवास के मेरिट लिस्ट में नाम आने के बाद भी ग्राम दलदली के मुखिया द्वारा बाधा उत्पन्न करने, ऑनलाइन पंजी 2 में नाम दर्ज कराने, फर्जी कागजात बनाकर जमीन पर अवैध कब्जा करने, जर्जर सड़क की मरम्मती करने सहित अन्य मामले प्राप्त हुए। डीसी ने संबंधित अंचल अधिकारियों से फोन पर बात कर शिकायतकर्ता की समस्या का त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया।

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में क्रांतिवीर सम्मान से सम्मानित की गयी धनबाद की बेनजीर

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। उत्तर प्रदेश के दुद्धिनगर सोनभद्र में 4 मई को प्रगति फाउंडेशन के द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रक्त क्रांतिवीर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में धनबाद के रेड क्रॉस समिति के नोडल पदाधिकारी ब्लड बेनजीर परवीन को उनके राष्ट्रसमर्पित रक्तदान एवं समाज के प्रति किए गए सेवा के लिए क्रांतिवीर सम्मान से सम्मानित किया गया। इस आयोजन में बिहार, बंगाल, झारखंड, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत 18 राज्यों और पड़ोसी देश नेपाल, भूटान से आए रक्तदाताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस मौके पर बेनजीर ने बताई की मुझे यह सम्मान नहीं बल्कि ये सम्मान झारखण्ड राज्य के भारतीय रेडक्रास समिति धनबाद जिले को मिला है जिसे लेने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है। रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्यकारी सदस्य सह चेयरमैन सलाहकार कुमार मधुरेंद्र सिंह ने बताया बेनजीर को यह सम्मान मिलने से भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी धनबाद में खुशी की लहर है।

कांग्रेस को संविधान बचाओ रैली करने का हक नहीं है : रघुवर दास

■ पूर्व सीएम ने कांग्रेस के संविधान बचाओ रैली को बताया ढोंग

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित 'संविधान बचाओ रैली' को एक राजनीतिक नाटक करार देते हुए इसे जनता को गुमराह करने का प्रयास बताया है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जिनके हाथों संविधान को सबसे अधिक क्षति पहुंची, वे आज संविधान की दुहाई देकर देश की जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं।

उपरोक्त बातें मंगलवार को जमशेदपुर स्थित अपने आवासीय कार्यालय में एकसंवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कही। लोकतंत्र के सबसे काले अध्याय 1975 की आपातकाल की याद दिलाते हुए रघुवर दास ने कहा कि उस समय कांग्रेस पार्टी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए संविधान में संशोधन कर हजारों नागरिकों को नजरबंद कर दिया था। अनुच्छेद 14, 21 और 32 जैसे मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था। प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई और बिना किसी कारण बताए गिरफ्तारियां की गईं। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं उस दौर का गवाह हूं और गया सेंट्रल जेल में बंद रहा हूं। तब कांग्रेस को संविधान की याद क्यों नहीं आयी।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने दशकों लंबे शासन में अंबेडकर जी को भारत रत्न नहीं दिया, कांग्रेस के सत्ता से विदाई के बाद ही उन्हें भारत रत्न का सम्मान दिया गया। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने 1952 से दो बार डॉ. अंबेडकर के खिलाफ चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारकर उन्हें हराने का षड्यंत्र रचा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रारंभ से ही अंबेडकर, दलित, शोषित और वंचित समाज की विरोधी रही है।

अपने जमशेदपुर आवास पर पत्रकारों से बात करते पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास।

धर्मांतरण के मुद्दे पर बोलते हुए पूर्व सीएम रघुवर दास ने कहा कि संविधान में स्पष्ट प्रावधान है कि कोई भी व्यक्ति लालच, भ्रम या दबाव के माध्यम से धर्म परिवर्तन नहीं कर सकता और यदि आवश्यकता पड़ी तो राज्य सरकार इस पर कानून बना सकती है। भाजपा ने यही किया और धर्मांतरण निषेध कानून लाया। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसके समर्थन से चल रही सरकार में झारखंड में तेजी से धर्मांतरण हो रहा है, जिससे आदिवासी समाज के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। रघुवर दास ने कहा कि झारखंड की पवित्र धरती पर बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, नीलाम्बर-पीताम्बर, तिलका मांझी, पोटो हो जैसे महान आदिवासी सेनानियों ने अपनी संस्कृति, जल-जंगल-जमीन और स्वाभिमान की रक्षा के लिए बलिदान दिया। लेकिन झामुमो-कांग्रेस की नीति और नीयत राज्य के आदिवासी अस्मिता को समाप्त करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अगर वास्तव में संविधान की चिंता है तो वह धर्मांतरण कानून को सख्ती से लागू करवाए। इसके साथ ही रघुवर दास ने झारखंड के मंत्री के बयान पर भी निशाना साधा जिसमें उन्होंने अपने लिए शरीयत को पहले और संविधान को बाद में बताया था। रघुवर दास ने पूछा कि कांग्रेस के लिए शरीयत बड़ी है या संविधान?

फर्स्ट एड की ट्रेनिंग लेने वाले लोगों का डेटा तैयार कर रहा रेडक्रॉस, देगा शॉट टर्म ट्रेनिंग

खबर मन्त्र ब्यूरो

■ देश पर मंडराते युद्ध के खतरे को देख संस्था ने उठाया कदम

जमशेदपुर। लगातार सरकार से प्राप्त सूचनाओं एवं राष्ट्रीय मुख्यालय के गाईड लाईन व पत्रांक आर/ 13013/ 9/ 25/ डीएम / एमआइसी (8334046) डेट 6 मई 2025 के विपरीत एवं आपातकालीन परिस्थितियों के लिए तैयार रहना होगा क्योंकि रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम, जो कि झारखंड राज्य का सबसे सक्रिय व सबसे अधिक सक्रिय सदस्यों वाला जिला है, इस कारण जिम्मेवारी भी सबसे अधिक है। वैसे सभी सदस्य व कार्यकर्ता जिन्होने रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम से फर्स्ट एड की ट्रेनिंग प्राप्त की है, चाहे वह किसी कम्पनी से हो या निजी, वैसे सदस्य जिन्होने सदस्यता अभियान में वोलेंटियरिंग करने की इच्छा जतायी है, वैसे सभी सदस्यों का डाटाबेस रेड क्रॉस कार्यालय, बिष्टुपुर व साकची में इकठ्ठा किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं से अपने विचार साझा करते हुए रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव बिजय सिंह ने बताया कि आपातकालीन परिस्थितियों में कार्य करने के लिए तत्पर कार्यकर्ताओं की जरूरत है।

सर्किट हाउस एरिया में आज अपराह्न चार बजे से 7 बजे के बीच रहेगा ब्लैक आउट

■ नागरिकों से अपील है कि घबरायें नहीं, यह सिर्फ आपदा से निपटने का पूर्वाभ्यास है

■ एयर स्ट्राइक मॉक ड्रिल को लेकर सभी स्टेकहोल्डर के साथ हुई तैयारी बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। मुख्य सचिव, झारखंड के निर्देशानुसार 7 मई को जमशेदपुर में नागरिक सुरक्षा अभ्यास और रिहर्सल आयोजित किया जाना है। इसी क्रम में उपायुक्त सह अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन समिति श्री अनन्य मित्तल द्वारा समाहरणालय सभागार में सभी स्टेकहोल्डर के साथ बैठक कर आपदा की स्थिति में नागरिकों के व्यवहार तथा आवश्यक सेवा प्रदाता के द्वारा उठाए जाने वाले आवश्यक कदम के बारे में चर्चा की गयी। इस दौरान एयर स्ट्राइक से निपटने के उपाय, परिस्थिति के अनुरूप समय पर प्रतिक्रिया, संचार एवं समन्वय, संसाधनों की उपलब्धता एवं उसके उपयोग, लोगों के बीच जागरूकता आदि विषय पर जरूरी दिशा-निर्देश दिये गये। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, एसडीएम धालभूम, रूरल एसपी, रेलवे एसपी, सिटी एसपी, एडीसी, सेना के प्रतिनिधि, एनसीसी, रेलवे, एयरपोर्ट, मोबाइल सेवा, विद्युत, जुस्को, अग्निशमन, कंपनी प्रतिनिधि, सिविल डिफेंस व अन्य सभी संबंधित स्टेकहोल्डर उपस्थित थे।

शाहीन शमीम ने सुपर मॉम, तो सबा परवीन दिवा मॉम का खिताब जीती

■ किड्स इंटरनेशनल स्कूल ने चार दिवसीय समर कैंप संपन्न, मदर्स डे का किया आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। किड्स इंटरनेशनल स्कूल ने हाल ही में 3 मई से 6 मई तक एक 4-दिवसीय ग्रीष्म शिविर का आयोजन किया, जिसका समापन वेव इंटरनेशनल रिजॉर्ट में मदर्स डे के भव्य समारोह में हुआ। इसमें 55 से अधिक बच्चों और माताओं ने उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। ग्रीष्म शिविर एक मजेदार आयोजन था, जिसमें थीम आधारित दिन शामिल थे जिन्होंने बच्चों में उत्साह पैदा किया। दिन 1 पर, बच्चों ने जम्पिंग मिकी के साथ डिजनीलैंड थीम वाले दिन का आनंद लिया! दिन 2 एक्वाफेस्टा था, जिसमें पूल पार्टी और थिएटर दिवस शामिल था, जिससे उत्साह बढ़ा। दिन 3 पर, बच्चे मॉल में गए, जहां उन्होंने पॉपकॉर्न, पिज्जा, मोमोज, चाउमिन, जूस, नींबू पानी और बहुत कुछ परोसने वाले लाइव फूड काउंटर्स का आनंद लिया।

गुरु गोमके ने भाषा, संस्कृति और साहित्य से समाज को गौरवान्वित कराया : जोबा माझी

खबर मन्त्र ब्यूरो

जयंती समारोह में सांसद का अभिनंदन करते आयोजक।

चक्रधरपुर। पोटका स्थित आदिवासी मित्र मंडल में खेरवार गांवता पोटका के तत्वावधान में ओल लिपि के जनक गुरु गोमके पंडित रघुनाथ मुर्मू की जयंती मनाई गई। इस मौके पर संथाली ड्रामा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में सांसद जोबा माझी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। सांसद ने पंडित रघुनाथ मुर्मू की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर सांसद जोबा माझी ने कहा जब तक अपनी भाषा, लिपि, परंपरा, संस्कृति रहेगा तब तक हमारी पहचान और अस्तित्व बना रहेगा। आदिवासी परंपरा और भाषा संस्कृति, साहित्य अपने आप को हमें गर्व महसूस कराते हैं। यह देन पंडित रघुनाथ मुर्मू की है।

पलामू जिला व्यवसायी संघ के सिल्वर जुबली कार्यक्रम आयोजित

खासमहाल समस्या का जल्द ही होगा समाधान : राधाकृष्ण

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला व्यवसायी संघ के सिल्वर जुबली कार्यक्रम का आयोजन शहर के निर्वाण रेड होटल में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सूबे के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर उर्फ चुन्नू राम शामिल हुए।

बैठक में खासमहल, पेयजल, सुरक्षा, सहित व्यवसायी संघ के भवन निर्माण पर विशेष चर्चा संपन्न हुआ। बैठक में संरक्षक नवल तुलस्यान, महासचिव अनुपम तुलस्यान के साथ अन्य सदस्यों ने वित्त मंत्री को शॉल, बुके और माला के साथ शानदार स्वागत किया। फिर व्यवसायी संघ के सभी सदस्यों को वित्त मंत्री के हाथों भी सम्मानित किया गया।

संघ के अध्यक्ष प्रभात कुमार अग्रवाल ने वित्त मंत्री के समक्ष खासमहल जमीन की समस्या के समाधान हेतु आग्रह किया साथ ही व्यवसायियों के सुरक्षा पर भी ध्यानाकृष्ट कराया। पंकज श्रीवास्तव ने पेयजल की समस्या को विस्तार से बताया। वहीं कार्यक्रम का संचालन कर रहे हैं मनोज पहाड़िया और संघ के सदस्यों ने व्यवसायी संघ भवन के लिए वित्त मंत्री से आग्रह किया। सभी के प्रस्तावों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि वित्त मंत्री बनने के पश्चात मैंने झारखंड के बजट में राजा मेदिनीराय और पलामू की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक शामिल किया है। पलामू किला का जीर्णोद्धार इसमें प्रमुखता से शामिल है।

एक नजर में

बैंक ऑफ बड़ौदा ने होम लोन की ब्याज दरें घटायी

जमशेदपुर। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने होम लोन की ब्याज दरों में कमी किए जाने की घोषणा की है। बैंक की होम लोन ब्याज दरें अब 8.00 प्रतिशत प्रति वर्ष (पहले 8.40 प्रतिशत प्रति वर्ष) से शुरू होंगी। ये दरें नये होम लोन और होम इमप्रूवमेंट लोन पर लागू होंगी। दरें उधारकर्ता के क्रेडिट स्कोर से लिंक्ड हैं और 15 लाख रुपये और उससे अधिक के ऋण पर लागू होंगी। बैंक ने रेपो रेट से लिंक्ड ऋण वाले अपने मौजूदा उधारकर्ताओं को रेपो रेट में कटौती का लाभ पहले ही दे दिया है। इसके अलावा, बैंक तैयार संपत्तियों, होम लोन शिफ्टिंग आदि के लिए महिला उधारकर्ताओं के लिए 0.05 प्रतिशत प्रति वर्ष और 40 वर्ष से कम आयु के उधारकर्ताओं के लिए 0.10 प्रतिशत प्रति वर्ष की रियायत भी दे रहा है।

पीतांबरा मंदिर में मना माता का जन्मोत्सव

जमशेदपुर। मोहरदा बिरसानगर जोन नंबर 2 बी में नवनिर्मित मां पीतांबरा मंदिर में धूमधाम से माता पीतांबरा का जन्मोत्सव मनाया गया। दिन भर धार्मिक अनुष्ठान के तहत माता की विशेष पूजा, स्तुति पाठ, संध्या में हवन और भजन कीर्तन हुआ। यजमान स्वामी विजयानंद महाराज, उनकी पत्नी सोमा घोषल व पुत्र अभय से पंडित मणीशंकर ने विधिवत पूजा अर्चना करवायी। सुबह आरती से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ दिन भर रही। दर्शन करने आये सैकड़ों भक्तों ने भंडारा का प्रसाद पाया। इसे सफल बनाने में कृष्ण मोहन सिंह, शंकर राव, निशा राव, बाबुलाल गोप, विश्व नाथ राय, रामजीवन गोप, समर भंडारी, सुदामा गोप, सुधीर गौराई लगे रहे।

रिम्स में डॉ श्रुति को मिला गोल्ड मेडल, एम्स देवघर में बनीं सीनियर रेजिडेंट

जादूगोड़ा। परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए डॉ श्रुति पी शिरोडकर ने एम डी प्रसूति एवं स्त्री रोग सत्र 2021-2024 में राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान, रांची से टॉप कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया और साथ ही इंटरव्यू देकर एम्स देवघर में सीनियर रेजिडेंट के पद पर भी चयनित हुईं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और पति रमन कुमार के निरंतर समर्थन को दिया। कहा कि मेहनत और समर्पण से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। डॉ श्रुति के पिता पीएस शिरोडकर और माता हेमलता पी शिरोडकर यूसील की नरवापहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट में में कार्यरत हैं। वे अपनी बेटी की उपलब्धियों पर गर्व महसूस करते हैं। डॉ श्रुति अपने विद्यालय जीवन में भी पढ़ाई और सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रतिभाशाली रही हैं, और उनकी सफलता आज के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह साबित करता है कि मेहनत, समर्पण और परिवार के सहयोग से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

पिता का घर बचाने जन सुनवाई में भाग लेगी छात्रा शीला रानी

जादूगोड़ा। घाटशिला कॉलेज की छात्रा शीला रानी भक्त जादूगोड़ा में अपने पिता का मकान टूटने से बचाने के लिए आगे आयी है। इधर, पोटका सीओ निकिता बाला बुधवार को सरकारी जमीन पर बने आवास को लेकर जनसुनवाई करेंगी, जहां वह अपने घर नहीं तोड़ने को लेकर अपना पक्ष रखेगी। वह कहती है कि अपने गरीब पिता निमाई चंद्र भक्त का आवास टूटने से बचाने के लिए सुरक्षा कवच के रूप में खड़ी रहेगी। वह कहती है कि झारखंड सरकार गरीबों की है। ऐसे में उनके गरीब पिता गांव व बाजार में घूम-घूम कर लकड़ी का सामान बेचकर गुजर करते हैं।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली में पूर्वी सिंहभूम से शामिल हुए हजारों कार्यकर्तागण

रांची/जमशेदपुर। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर रांची में आयोजित संविधान बचाओ रैली में पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में हजारों कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे एवं पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता के नेतृत्व में अपने नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महामंत्री के सी वेणुगोपाल, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, जिला प्रभारी बलजीत सिंह बेदी सहित झारखंड के वरिष्ठ नेताओं को सुनने पहुंचे। मलिकार्जुन खड़गे ने अपने संबोधन में कहा कि आप सबों के प्रयास से झारखंड में मजबूत सरकार बनी है। आप सभी बधाई के पात्र है।अपने देश में 22 अप्रैल को बहुत बड़ी आतंकी नरसंहार की घटना में 26 बेगुनाह मारे गये है। आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ कांग्रेस पार्टी केन्द्र सरकार के साथ है। ये देश का मामला है। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी ने शहादत देकर देश को एकजुट रखा। महात्मा गांधी जी को एक गद्दार ने छाती पर गोली मार दी। जातीय जनगणना की बात राहुल गांधी ने उठाया और आज केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना को पारित किया। आज 30 लाख नौकरी के पद रिक्त है। जिसे भाजपा ने खाली कर रखा है। बेरोजगारी बढ रही है। रैली में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे, प्रदेश सचिव सामंता कुमार, कमलेश कुमार पाण्डेय, बृजमोहन गुप्ता, देबू चटर्जी, जिला उपाध्यक्ष राजकिशोर यादव, अवधेश सिंह, शशी कुमार सिन्हा, ब्रजेन्द्र तिवारी, संजय सिंह आजाद, अंसार खान, शफीअहमद खान, रजनीश सिंह, रामलाल प्रसाद पासवान, वरिष्ठ नेतागण में काल्टू चक्रवर्ती, बबुआ झा समेत कई कांग्रेसी शामिल हुए।

नक्सलियों ने लेवी के लिए की थी मुंशी की हत्या, 5 आरोपी गिरफ्तार

लातेहार पुलिस ने मुंशी हत्याकांड का खुलासा कर लिया है, इस घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है

खबर मन्त्र संवाददाता

महुआडांड। लातेहार जिला पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए भाकपा माओवादी के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार नक्सली पिछले दिनों मुंशी की हत्या तथा गाड़ियों को जलाने की घटना में माओवादी कमांडर कुंदन खरवार के साथ शामिल थे। गिरफ्तार माओवादी सदस्यों में सत्येंद्र यादव, सूरजभान यादव, कृष्ण यादव, राजेंद्र यादव और प्रसाद यादव शामिल हैं। सभी महुआडांड़ थाना क्षेत्र के निवासी हैं। एसपी कुमार गौरव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने घटना में शामिल रहने की बात स्वीकार की है।

नक्सलियों ने की थी मुंशी की हत्या

लेवी के लिए दिया गया घटना को अंजाम

बताया जाता है कि नक्सलियों के द्वारा लेवी वसूलने के लिए इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया गया था। हालांकि पुलिस ने घटना में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं अन्य नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

दरअसल, बीते 30 अप्रैल की रात को झारखंड और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर पर स्थित महुआडांड़ थाना क्षेत्र के ओरसापाट गांव के पास बन रहे सड़क निर्माण कार्य के साइडिंग पर हथियारबंद नक्सलियों ने हमला कर दिया था। नक्सलियों ने यहां दो गाड़ियों में आग लगा दी थी। वहीं, मुंशी मोहम्मद अयूब की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद लातेहार पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के नेतृत्व में पुलिस टीम अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी। इसी बीच गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने घटना में शामिल कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसके बाद हिरासत में लिए गए आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कुल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के दौरान सभी आरोपियों ने स्वीकार किया कि घटना के दौरान वे लोग शामिल थे। गिरफ्तार लोगों की निशानदेही पर पुलिस ने सर्च अभियान चलाकर लेवी के रूप में वसूले गए 52 हजार रुपए के साथ नक्सलियों का पर्चा भी बरामद किया। मंगलवार को सभी गिरफ्तार नक्सलियों को पुलिस ने जेल भेज दिया।

दर्जनों गांव के ग्रामीणों ने खनन कंपनी का जताया विरोध कहा जान देंगे जमीन नही

ब्लाक परिसर में ग्राम सभा करते लोग।

खबर मंत्र संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के रजवार पंचायत में मंगलवार को ग्राम प्रधान बिंदेश्वर उरांव की अध्यक्षता में दर्जनों गाँव के ग्रामीणों ने ग्राम सभा का आयोजन कर रजवार कोल ब्लॉक का भारी विरोध जताया। रजवार पंचायत भवन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित हुवे। जिन्होंने पारंपरिक हथियार गुलेल, हसुआ, डंडा लिए हुए था। तथा ग्रामीण अपने-अपने हांथो में तख्तियां लेकर टीवीएनएल कम्पनी वापस जाओ, जल-जंगल जमीन हमारा है, कोल ब्लॉक रद्द करो, जान देंगे जमीन नही समेत कई नारा लगा रहा था। मौके पर ग्राम प्रधान बिंदेश्वर उरांव ने बताया कि कंपनी दलालों के माध्यम से हम लोगों का जमीन लूटना चाहती है। जो कभी नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी जोर-जबरन खनन कार्य करना चाहती है। जिसको लेकर ग्रामीणों ने भू-अर्जन शाखा लातेहार, डीसी, एसडीओ लातेहार को कई बार लिखित आवेदन दिया है। कोलियरी खुलने से हजारे लोग पलायन को मजबूर हो जाएंगे। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि जान देंगे लेकिन जमीन नही देंगे। अगर कंपनी, जिला प्रशासन व दलाल जबरन कोई कार्य करती है तो आर पार की लड़ाई होगी। ग्रामीणों ने कहा कि हम लोगों का हजारों एकड़ जमीन अनाबाद बिहार सरकार उठ गया है। तथा इस जमीन से हम लोगों का जीवकोपार्जन होते आया है। अगर यह कोल ब्लॉक खुलता है तो इस जमीन का ना तो नौकरी मिल पायेगा और ना ही मुआवजा मिलेगा। इस परिस्थिति में हम लोग बेघर हो जाएंगे। आगे कहा कि कोई भी कंपनी अगर बिना ग्रामीणों की सहमति के गांव में घुसती तो उसे खदेड़ कर बाहर कर दिया जाएगा। इस मोके पर रजवार, रेंची लेजाग, डडेया समेंत कई गांव के भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

गंभीर रूप से घायल

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के सोपारम ग्राम के समीप मंगलवार को मोटरसाइकिल से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मनराज गंझु 35 वर्ष पिता राम रामखेलावन गंझु ग्राम गेन्दरा थाना कुंदा जिला चतरा निवासी अपने बहन के घर सोपारम शादी समारोह में शामिल होने आया हुआ था। जहां से वापस लौटने के क्रम में मोटरसाइकिल से अनियंत्रित होकर गिर गया। और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर नीरज कुमार के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया।

सीमेंट लोड 2 ट्रेलर दुर्घटनाग्रस्त

चंदवा। चंदवा-चांपी-लोहरदगा पथ स्थित डेढ़टँगवा घाटी में मंगलवार की दोपहर सीमेंट लोड दो ट्रेलर वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में दोनों ट्रेलर के कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में चालक अली हसन पिता मोहम्मद गुलफान बक्सर बिहार, दूसरे ट्रक में चालक प्रदुमन पिता जगन्नाथ छपरा बिहार एवं रितिक कुमार पिता उपेंद्र पासवान छपरा बिहार शामिल है। जानकारी के अनुसार ट्रेलर सीजी 13 एएस 5599 और सीजी 13 एटी 9699 छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से पैंथर सीमेंट लेकर बिहार के गया जा रहे थे। इसी दौरान घाटी के समीप आगे चल रहा ट्रेलर तीखा मोड एवं ढलान के कारण अनियंत्रित हो गया व सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके ठीक पीछे चल रहे ट्रेलर चालक ने बताया कि आगे वाला वाहन दुर्घटना होने के बाद अचानक धुआ से उसे कुछ दिखाई नहीं पड़ा। आगे वाले वाहन से टकराकर उसका ट्रेलर भी सड़क किनारे पलट गया। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस प्रशासन को दी। राहगीरों की मदद से तीनों घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा लाया गया। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी थी। ट्रक मालिक को घटना की सूचना दे दी गई थी। घटना में प्रद्युमन का हाथ टूट गया है। अन्य दोनों चालकों को भी गंभीर चोट आई है जिसे बेहतर इलाज के लिए तीनों को रिम्स रेफर कर दिया गया है। चालकों ने बताया कि लोहरदगा के समीप पुलिस वालों ने दोनों ट्रकों पर चालान ठोका था। चालान से बचने के लिए दोनों ट्रको के चालकों ने नजराना भी दिए थे। उन लोगों ने ही बताया इधर से चले जाओ जल्दी पहुंच जाओगे। इसलिए दोनों ट्रकों के चालक इस खतरनाक रोड से होकर आ रहे थे।

कार्रवाई : रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी रंगेहाथ गिरफ्तार

खबर मंत्र संवाददाता

लातेहार। जिले के अंचल कार्यालय में मंगलवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई देखने को मिली, जब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), पलामू की टीम ने छापेमारी कर एक राजस्व कर्मचारियों को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई जमीन के मोटेशन से संबंधित एक शिकायत के आधार पर की गई, जिसमें राजस्व कर्मचारी द्वारा काम के एवज में 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। गिरफ्तार किए गए कर्मियों की पहचान सुशील कुमार के रूप में हुई है, जो अंचल कार्यालय में बतौर राजस्व कर्मचारी के रुप में कार्यरत थे। जानकारी के

कर्मचारी को गिरफ्तार करते पुलिस।

मुताबिक, जमीन के कागजात दुरुस्त कराने और मोटेशन कराने के बदले रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित व्यक्ति रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने इसकी शिकायत एसीबी से किया। शिकायत दर्ज होने के बाद एसीबी की टीम ने प्राथमिक जांच की, जिसमें मामला सत्य पाया गया। इसके बाद योजना बनाकर राजस्व कुर्मी को रंगेहाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। मंगलवार को जैसे ही आरोपि ने रिश्वत की राशि ली, एसीबी की टीम ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। इसके तुरंत बाद अंचल कार्यालय में छापेमारी की गई और विभिन्न दस्तावेजों की जांच की जाने लगी वैसे ही अंचल कार्यालय में अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। कर्मचारी और पदाधिकारी एक-दूसरे से जानकारी लेने में जुटे रहे। वहीं कई फाइलों को खंगालने की कोशिशें भी देखी गईं। स्थानीय लोगों के बीच भी यह खबर तेजी से फैल गई और बड़ी संख्या में लोग अंचल कार्यालय के बाहर एकत्र हो गए। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस भ्रष्टाचार के पीछे और कौन-कौन शामिल हो सकते हैं। अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया कि यदि आवश्यकता पड़ी, तो और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। इसी के साथ आगे के कार्रवाई की जा रही है।

बारिश के साथ वज्रपात,एक व्यक्ति की मौत

बालूमाथ। एकीकृत बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत चिरू पंचायत में सोमवार की देर रात को बेमौसम बारिश के साथ वज्रपात हो गई। इस घटना में वज्रपात की चपेट में आने से बारीक अंसारी उम्र18 वर्ष पिता जुबैर अंसारी ग्राम चिरु, हेरहंज की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मृतक मजदूर के शव को कब्जे में लिया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बारीक अंसारी अपने घर से शौचालय के लिए बगल वाले मैदान में जा रहे थे इसी दौरान अचानक मौसम खराब हुआ और बारिश होने लगी. और बृजपात की चपेट में आने से ही बारीक अंसारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों द्वारा बारीक अंसारी को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टर ने भी जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया ।वही घटना के बाद हेरहंज थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह के निर्देश पर पुलिस की टीम मृतक के शव को कब्जे में ले लिया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया गया है। वही इस घटना के बाद मृतक के परिजनो का रो-रो कर बुरा हाल है।

एनएच फोरलेन निर्माण भूमि अधिग्रहण व मुआवजा निर्धारण को लेकर लगा शिविर

चंदवा। जिला भू अर्जन पदाधिकारी सक्षम प्राधिकार लातेहार के द्वारा एनएच 39 (एनएच 75) के चौड़ीकरण कार्य हेतु भूमि अधिग्रहण को लेकर मंगलवार को विशेष कैम्प का आयोजन प्राथमिक विद्यालय अमझरिया में किया गया। जिसमें सेन्हा, पिरदाग, बैरगड़ा, अमझरिया, हुटाप, बोरसीदाग एवं लुकुइया ग्राम से संबंधित रैयतों को कैंप में आमंत्रित किया गया था। इस विशेष कैंप की अध्यक्षता अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक ने की। सीओ श्री पाठक ने बताया कि अधिग्रहित भूमि के मुआवजा राशि के भुगतान हेतु भूमि का सत्यापन राजस्व कागजातों के आधार पर किया जाना है, राजस्व कागजात के अभाव में भुगतान करने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए यह विशेष कैम्प आयोजित किया गया है। इस कैंप के माध्यम से रैयतों को अपने कागजात राजस्व कर्मचारी व अंचल निरीक्षक के पास जमा करे ताकि भुगतान की कार्रवाई की जा सके। शिविर में 8 रैयतों ने अपने अपने राजस्व कागजात जमा किया। इन कागजातों की जांच कर भुगतान की कार्रवाई तेजी से की जाएगी। मौके पर अंचल निरीक्षक महेश सिंह, राजस्व कर्मचारी मुनेश्वर गंझू, रैयत बालेश्वर प्रजापति, बालेश्वर गंझू समेत दर्जनों रैयत मौजूद थे।

चंदवा : प्रतुल शाहदेव के सार्थक प्रयास के बाद गुजरात से जमीरा पहुंचा विनोद यादव का शव

खबर मंत्र संवाददाता

चंदवा। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव के सार्थक प्रयास के बाद गुजरात सरकार की पहल पर मंगलवार की दोपहर बाद विनोद यादव का शव जमीरा पहुंचा, जहां परिजनों ने मृतक विनोद यादव का अंतिम दर्शन किया। शव के गांव पहुंचने के बाद प्रतुल शाहदेव भी मृतक के घर पहुंचे व परिजनों से मिलकर ढांढस बांधते हुए शोक संवेदना प्रकट की। इधर संध्या बेला में धर्मवती नदी मुक्ति धाम में विनोद यादव का अंतिम संस्कार किया गया, जहां ज्येष्ठ पुत्र रवि यादव ने मुखाग्नि दी। विदित हो कि विनोद यादव पिता दशरथ यादव गत दो वर्ष पूर्व काम करने गुजरात के भरूच जिला अंतर्गत दहेज गए थे, जहां शनिवार को उसकी आकस्मिक मौत हो गई थी, मौत की सूचना के बाद अर्थभाव में परिजन मृतक के शव को गांव लाने में असमर्थ थे, जिसके बाद परिजनों ने रविवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, जिले के उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता से पार्थिव शरीर को गांव लाने में मदद की गुहार लगाई थी। मामला संज्ञान में आने के बाद भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने जिले के उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गुजरात सचिवालय, भरूच के जिला अधिकारी से समन्वय स्थापित कर रविवार अवकाश होने के बावजूद गुजरात सचिवालय से शव वापसी की सारी प्रक्रिया को पूर्ण कराते हुए शव को गांव लाने की बाधा को दूर किया जिसके बाद 1600 की दूरी तय कर मंगलवार की दोपहर मृतक विनोद का शव गांव पहुंचा। प्रतुल शाहदेव एवं विनोद यादव के परिजनों ने गुजरात सरकार, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल एवं लातेहार उपायुक्त को आभार व्यक्त किया है। मौके पर भाजपा नेता आशीष सिंह, रोहित शाहदेव, मनोज यादव, कुशेश्वर यादव, अनिल यादव, रवींद्र यादव, बैजू मुंडा, सुरेंद्र यादव समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्या, दिए कई दिशा-निर्देश

जन शिकायत का निवारण करते उपायुक्त।

खबर मंत्र संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एक एक कर उनकी समस्यायें सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जांच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। आज के जन शिकायत निवारण में मुख्य रूप से सड़क निर्माण, नामांकन से संबधित, जमीन अधिग्रहण, मुआवजा से संबधित जुड़े आवेदन आये। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्यायें को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े शब्दों में निदेशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए, समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करें। उपायुक्त के निदेर्शानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

प्राणप्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई शोभायात्रा

चंदवा। अलौदिया के हरैया में नवनिर्मित श्री श्री 108 श्री ठाकुरबाड़ी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गाजे बजे के साथ कलशयात्रा निकाली गई। मंदिर में स्थापित की जानेवाली प्रतिमाओं का नगर भ्रमण कराया गया। कलशयात्रा मंदिर परिसर से निकलकर मुख्य पथ होते भूषाढ़ नदी तट पहुंची। यहां बनारस से आए आचार्य पंडित गोपाल शास्त्री, पं. वैभव सारस्वत, पं. शिवन गौड़, पं. प्रमोद गरोनकर, पं. मोहित शर्मा व पं. राघव शर्मा के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बतौर यजमान डा. मनीष कुमार डा. प्रिया कुमारी आदि ने पूजा-अर्चना की। पूजा-अर्चना के बाद कलशों में जल भर कलशयात्रा वापस मंदिर परिसर पहुंची। नगर भ्रमण और कलशयात्रा के दौरान श्री श्री 108 श्री ठाकुर जी महाराज की जय, जय श्री राम, जय श्री कृष्ण, सिद्धि विनायक की जय समेत अन्य नारे लगाए गए। मौके पर मंदिर समिति के संतोष सिंह, राजेश चंद्र पांडेय, मृत्युंजय सिंह, पं. अमरेश दुबे, प्रमोद जायसवाल, बिहारी सिंह, सुबोध जायसवाल, अजय जायसवाल, दीपक भगत, नरेश अग्रवाल, राजकुमार केशरी, कैलाश जायसवाल, लाल विक्रम नाथ शाहदेव, रमेश जायसवाल, शंकर साहू, जितेंद्र कुमार, अमरेश कुमार, राहुल कुमार, मंटू सोनी, राजकिशोर, गोपाल गुरू, शशिकांत गिनोडिया, रविकांत गिनोडिया, आनंद कानोडिया, प्रतिमा देवी, मंजु सिंह, विद्या रानी, खुश्बु देवी, आद्या रानी समेत अन्य मौजूद श्रद्धालु चार दिवसीय पूजन और प्राण प्रतिष्ठा को लेकर आयोजित कार्यक्रमों की सफलता को लेकर तन्मयता से जुटे दिखे।

करंट से दो पशु की मौत

बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र के नगडा ग्राम में मंगलवार की सुबह लगभग 7 बजे बिजली तार की चपेट में आने से दो पशु की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार कन्हाई साव पिता स्व. महादेव साव, एवम ईश्वर साव पिता शिवा साव दोनो ग्राम नगड़ा थाना बालूमाथ का पशु दोनों खेत में चर रहा था। इसी बीच खेत के ऊपर से गुजरा 440 वोल्ट का तार टूट कर नीचे गिर गया। और दोनों पशु उसकी चपेट में आ गए। जिससे दोनों पशु की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना बिजली विभाग को दिया। उसके बाद बिजली कटने के बाद दोनों पशु को किनारे किया गया। दोनों पशुधन के मालिकों ने अंचलाधिकारी एवं बिजली विभाग से मुआवजा की मांग की है।

तूफान से क्षतिग्रस्त हुआ बाजार समिति शेड, दुकानदार परेशान

खबर मंत्र संवाददाता

बरवाडीह। सोमवार की शाम आई तेज आंधी और तूफान ने बरवाडीह मुख्य बाजार में तबाही मचा दी। बाजार समिति परिसर स्थित विशाल पीपल के पेड़ की एक भारी टहनी टूटकर नवनिर्मित शेड पर गिर गई, जिससे शेड की छत पर लगा करकट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। तेज हवाओं के कारण करकट चकनाचूर हो गया और शेड का संरचनात्मक संतुलन भी बिगड़ गया। गनीमत रही कि आंधी के पूवार्नुमान के चलते दुकानदार सतर्क हो गए थे और समय रहते अपनी दुकानें खाली कर दी थीं, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। हालांकि, इस घटना के बाद से शेड के नीचे दुकान लगाने वाले दुकानदारों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्षतिग्रस्त शेड के नीचे न तो दुकानें लग पा रही हैं और न ही ग्राहक आ पा रहे हैं, जिससे व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बरसात के मौसम की दस्तक से पहले यदि शेड की मरम्मत नहीं हुई, तो यह संकट और गहरा सकता है। दुकानदारों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रखंड प्रशासन से अपील की है कि वे इस मामले में अविलंब संज्ञान लें और शीघ्र नया करकट लगवाने की व्यवस्था करें। व्यवसायिक समिति के अध्यक्ष दीपक राज ने भी क्षेत्रीय विधायक रामचंद्र सिंह को पूरे मामले की जानकारी देते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने विधायक से आग्रह किया है कि दुकानदारों के हित में शीघ्र इस सार्वजनिक ढांचे की मरम्मत कराई जाए। स्थानीय व्यवसायी और आम नागरिकों की नजर अब प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है। सभी को उम्मीद है कि जनहित में जल्द ठोस कदम उठाए जाएंगे।

तीन दिवसीय निःशुल्क शिविर का हुआ आयोजन

लातेहार। धर्मपुर रोड स्थित रेड क्रॉस सोसाइटी में तीन दिवसीय निःशुल्क अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 6 मई से 8 मई तक चलेगा। जरूरतमंद विकलांगों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। रेड क्रॉस सोसाइटी लातेहार एवं श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर के संयुक्त शिविर के तत्वावधान में उन लोगों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनके हाथ या पैर किसी कारण वश कट गए हैं, या फिर वे जन्म से ही शारीरिक रूप से असमर्थ हैं। इसके अतिरिक्त अन्य शारीरिक अंग जो कार्य करने में अक्षम हो चुके हैं, उनकी सहायता के लिए भी विशेषज्ञ टीम द्वारा तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जयपुर से विशेष रूप से प्रशिक्षित चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम अत्याधुनिक मशीनों और उपकरणों के साथ लातेहार पहुंच चुकी है। यह टीम न केवल अंग प्रत्यारोपण करेगी बल्कि लाभार्थियों को उन्हें उपयोग करने का प्रशिक्षण भी देगी ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। शिविर पूरी तरह निःशुल्क है। इसमें भाग लेने वाले लोगों के रहने, खाने और इलाज की संपूर्ण व्यवस्था आयोजकों द्वारा की गई है। जरूरतमंदों से अपील की गई है कि वे समय पर पंजीकरण कराएं और इस सेवा का लाभ उठाएं। इस पुनीत कार्य में रेड क्रॉस सोसाइटी के सभापति महेंद्र गुप्ता, जावेद, पवन कुमार, मिकु साहू एवं अनिल सिंह समेत कई समाजसेवी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सभी मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई भी जरूरतमंद इस सेवा से वंचित न रहे।

राहुल सिंह गिरोह के दो अपराधी चढ़े पुलिस के हत्थे

देशी कट्टा, 8 जिंदा कारतूस व बाइक बरामद

खबर मंत्र संवाददाता

चंदवा। कुख्यात अपराधी राहुल सिंह गिरोह के विरुद्ध चंदवा पुलिस ने एक और बड़ी सफलता सफलता अर्जित की है। एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर चंदवा पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चला कर गिरोह अमृत

बीते दिनों सोंस गांव में चचेरे भाई उपेंद्र उरांव के हत्या में मुख्य अभियुक्त था गिरफ्तार अमृत उरांव

उरांव पिता रंथू उरांव (ग्राम जोभिया लातेहार) व माशूक अंसारी पिता मोमिन अंसारी (ब्राह्मणी चंदवा) को देशी कट्टे के साथ गिरफ्तार करने में सफलता रही। चंदवा थाना में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए पुनि सह थाना प्रभारी रणधीर कुमार ने बताया एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल सिंह गिरोह के तीन

गिरफ्तार अपराधी।

अपराधी ठेकेदार एवं व्यवसायियों से लेवी वसूलने के उद्देश्य से किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के फिराक में है। इसी आलोक में टीम गठित कर छापामारी अभियान चलाया गया, जिसमें दो अपराधियों को दबोच लिया गया। तलाशी के क्रम में उनके पास से एक देशी कट्टा एवं आठ जिंदा कारतूस बरामद किया गया। चचेरे भाई उपेंद्र उरांव के हत्या में मुख्य अभियुक्त था गिरफ्तार अमृत उरांव विदित हो कि गिरफ्तार अमृत उरांव बीते 2 मई को थाना क्षेत्र के सोंस गांव में बारात में आए चचेरे भाई उपेंद्र उरांव की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में मुख्य आरोपी था व घटना के बाद से फरार चल रहा था। मामले में अमृत उरांव के पिता रंथू उरांव व भाई ओम उरांव पहले ही पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। छापामारी अभियान में पुअनि रविन्द्र कुमार सिंह व दल बल के जवान शामिल थे।

बेरमो : छात्राओं ने आरोपी शिक्षक को दी उसकी करनी की सजा

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बोकारो जिला के एक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक के द्वारा गुरु-शिष्या के रिश्ते को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। इल्जाम है कि विद्यालय में पढ़ाने वाले शिक्षक ने छात्राओं के साथ अश्लील भाषा का प्रयोग करने के साथ-साथ, छात्राओं को बैड टच भी किया है।

मामला बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय नैनाटांड़ का है। जब इस मामले की जानकारी छात्राओं ने अपने अभिभावकों को दी, तो आक्रोशित होकर अभिभावक, ग्रामीणों को साथ लेकर विद्यालय पहुंच गए, और आरोपी शिक्षक पर कार्यवाही करने की मांग करने लगे। हंगामा बढ़ता देख आरोपी शिक्षक अपनी गलतियों को स्वीकार करते

हुए हाथ जोड़कर माफी मांगने लगा। फिर छात्राओं ने भी गुस्से में आकर आरोपी शिक्षक पर चप्पल जड़ दिया।

क्या है मामला

गोमिया प्रखंड क्षेत्र स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय नैनाटांड़ में कार्यरत शिक्षक कुंजलाल राम पर विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के अभिभावकों ने आरोप लगाते हुए कहा है कि उक्त शिक्षक के द्वारा उनके बच्चियों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता था। बच्चियों से उनकी मां का मोबाइल नंबर भी मांगा जाता था। इतना ही नहीं, उक्त शिक्षक के द्वारा बच्चियों के साथ बैड टच भी किया जाता था। ऐसे में उक्त शिक्षक को विद्यालय से बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए। ये कहते हुए अभिभावक, आरोपी शिक्षक पर कार्यवाही करने की मांग करते हुए विद्यालय में हंगामा करने लगे।

मामला बढ़ता देख आरोपी शिक्षक कुंजलाल राम ग्रामीणों के बीच पहुंचकर छात्राओं एवं उनके अभिभावकों से माफी मांगते हुए, दुबारा ऐसी गलती न करने की बात कहने लगा। ऐसा देख छात्राओं ने भी गुस्से में आकर शिक्षक पर चप्पल जड़ दिया। अंत मे अभिभावकों ने ग्रामीणों की सहमति पर आरोपी शिक्षक पर कार्रवाई करने की मांग करने के लिए विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापिका को आवेदन दिया है।

20 मई को देशव्यापी हड़ताल को लेकर संयुक्त ट्रेड यूनियन का कथारा जीएम कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

संयुक्त ट्रेड यूनियन द्वारा सौंपा गया 24 सूत्री मांग पत्र

बेरमो/कथारा। 20 मई को देश व्यापी हड़ताल को लेकर मंगलवार को संयुक्त ट्रेड यूनियन की ओर से कथारा महाप्रबंधक कार्यालय केंद्रीय ट्रेड यूनियन एवं स्वतंत्र फेडरेशन के संयुक्त मंच के आवाहन पर मजदूर विरोधी चार श्रम संहिताओं को तत्काल रद करने के साथ 24 सूत्री मांग पत्र कथारा महाप्रबंधक कार्यालय के सामने प्रदर्शन करते हुए एसओपी को सौपा। इस प्रदर्शन का नेतृत्व पीके विश्वास और संचालन इकबाल अहमद ने किया। मौके पर एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया गया । इस मौके पर श्याम बिहारी दिनकर, जय नारायण महतो, प्रदीप कुमार विश्वास, इकबाल अहमद, विजय कुमार सिंह, कमोद प्रसाद, लक्ष्मण सिंह, अनिल सिंह, कमलेश गुप्ता, दीपक कुमार, अमित सिंह, उपेंद्र सिंह, स्वरूप सिंहा, मुमताज आलम, शिवकुमार, नागवंत प्रसाद, हेमू यादव, संजय पासवान, शक्ति सिंह, अनमोल कुमार अजय कुमार पिंकी नाहल, बबीता देवी, अंजू कुमारी, यशोदा सरदार आदि के अलावे अनेकों लोग उपस्थित थे।

खुशखबरी : के बी कॉलेज बेरमो में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का होगा आयोजन

बेरमो। बेरमो स्थित के बी कॉलेज में शनिवार को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। बैंको, बड़ौदा गुजरात एवं अन्य कंपनी 10 मई शनिवार को सुबह 11 बजे से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के लिए पहुंच रही है जो छात्र छात्राओं का इंटरव्यू लेकर उन्हें जॉब का अवसर देगी। प्रभारी प्राचार्य प्रो गोपाल प्रजापति ने कॉलेज के प्लेसमेंट सेल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि इस तरह के आयोजन लगातार जारी रखें। कॉलेज के छात्र छात्राओं को रोजगारपरक बनाना भी शिक्षण संस्थाओं की जवाबदेही है। प्लेसमेंट सेल के कोऑर्डिनेटर डॉ अरुण कुमार रॉय महतो ने कहा विज्ञान संकाय के पासआउट छात्र छात्राओं को रोजगारपरक बनाने हेतु यह कैंपस ड्राइव चलाया जाएगा। विज्ञान संकाय में पढाई करने वाले छात्र छात्राएं को इंटर्नशिप के लिए भी चयन किया जा सकता है। कॉलेज के विज्ञान संकाय के पास आउट विद्यार्थियों को दो पासपोर्ट साइज फोटो और सभी डॉक्यूमेंट्स लेकर बुलाया गया है। यह जानकारी कॉलेज के मीडिया सेल के कॉर्डिनेटर सह मीडिया प्रभारी डॉ प्रभाकर कुमार ने दी।

पेज एक का शेष

झारखंड समेत देशभर ...

केंद्रीय गृह सचिव ने की तैयारियों की समीक्षा : मॉक ड्रिल से पूर्व केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मंगलवार को अधिकारियों संग अहम बैठक में तैयारियों की समीक्षा की। हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजाने, मॉक ड्रिल आयोजित करने, लोगों को हवाई हमला होने की सूरत में खुद को बचाने के लिए प्रशिक्षित करने, बंकरों से संबंधित चर्चा की गयी। बैठक में कई राज्यों के मुख्य सचिवों ने शिरकत की। बैठक में एनडीआरएफ के डीजी, होम गार्ड के डीजी, डीजी फायर के अलावा रेलवे और वायु सुरक्षा से जुड़े शीर्ष अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि जिन खामियों को दूर किया जाना है, उनकी पहचान कर ली गयी है। इस बैठक का उद्देश्य ग्रामीण और गांव स्तर के क्षेत्रों सहित 244 नागरिक सुरक्षा-निर्दिष्ट जिलों में मॉक ड्रिल की तैयारियों का आकलन करना है।

मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य : मॉक ड्रिल के प्राथमिक उद्देश्यों में हवाई हमले की चेतावनी प्रणाली की प्रभावशीलता का आकलन, भारतीय वायु सेना के साथ हॉटलाइन और रेडियो संचार लिंक का संचालन, कंट्रोल रूम और शैडो कंट्रोल रूम की कार्यक्षमता का परीक्षण, शत्रु के हमले की स्थिति में खुद को बचाने के लिए नागरिक सुरक्षा पहलुओं पर नागरिकों, छात्रों आदि को प्रशिक्षण देना शामिल है।

पाक सीमा पर ...

इससे प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी जहाज और ड्रोन के उड़ने पर पाबंदी रहेगी। इस दौरान भारतीय वायुसेना के फाइटर जेट और निगरानी विमान युद्धाभ्यास करेंगे। अभ्यास का समय और स्थान महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस क्षेत्र में हाल ही में सीमा पार की घटनाओं के बाद तनाव बढ़ गया है।

धरनाधर्म कोड की ...

जो भी वादे किए हैं, उसे निभा रहे हैं। कोई भी शिकायत नहीं है।

पहलगाम हादसे की जिम्मेवारी ले केंद्र : श्री खड़गे ने पहलगाम आतंकी हमले को ले कर केंद्र सरकार जमकर हमला बोला, जिसमें 26 बेगुनाह लोगों की जान चली गयी। सरकार ने खुद माना है कि यह इंटेलिजेंस की विफलता थी। खड़गे ने सवाल उठाया कि अगर सरकार को खतरे की जानकारी थी, तो पुख्ता सुरक्षा इंतजाम पहले से क्यों नहीं किये गये। उन्होंने आरोप लगाया कि हमले से तीन दिन पहले पीएम मोदी को एक खुफिया रिपोर्ट भेजी गयी थी। इसीलिए उन्होंने अपना कश्मीर दौरा रद्द कर दिया था। उन्होंने सवाल किया कि जब आपको पहले रिर्पोट मिल ही गयी थी तो आपने टूरिस्ट के लिए ज्यादा संख्या में पुलिस और बॉर्डर फोर्स क्यों नहीं लगाया। जम्मू कश्मीर में इंटेलिजेंस, सिक्योरिटी, पुलिस और बॉर्डर फोर्स को इसके बारे में पहले क्यों नहीं बताया।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में पूरा साथ : श्री खड़गे ने कहा कि देश पहले है। हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में सरकार का पूरा साथ देंगे। देश को बचाना, सुरक्षा करना हमारा फर्ज है। पाकिस्तान के खिलाफ सरकार आगे बढ़े, कांग्रेस पूरा साथ देगी। देश के लिए इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और महात्मा गांधी ने अपनी जान दे दी। हम महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के शिष्य हैं।

कांग्रेस जीती, मोदी हारे : खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा था कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए। कांग्रेस करा कर रहेगी। इस पर भाजपा के लोग बोलते थे कि इस मुद्दे को लाकर देश के टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। वहीं कांग्रेस की जीत हुई और मोदी जी हार गये। मैं यह बात किसी के इंसल्ट करने के लिए नहीं बोल रहा हूं। अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि दो करोड़ नौकरी, 15 हजार रुपए खाते में देने का जुमला बोलते फिरते रहे, किया कुछ नहीं। वहीं हम जिस काम के लिए लड़ते हैं, दिल से लड़ते हैं। कांग्रेस को मजबूत करना है।

पीएम को खत में तीन मांगे रखी हैं : कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मैंने पीएम मोदी को खत लिखा है, जिसमें हमने तीन मांगें रखी है। पहला, जातिगत जनगणना के लिए सभी दलों के साथ सभी मुद्दों पर आम सहमति बनायी जाये। दूसरा, आर्टिकल 15(5) के तहत गरीबों, आदिवासी और ओबीसी को कॉलेज और संस्थानों में आरक्षण मिले। तीसरा 50 फीसदी आरक्षण हटाने की मांग की गयी है। झारखंड के मुख्यमंत्री ने भी आरक्षण के लिए गर्वनर के पास प्रस्ताव भेजा था, पर मंजूरी नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि कोई भी कानून गरीबों के लिए बनता है।

हम न डरेंगे न झुकेंगे : श्री खड़गे ने कहा कि भाजपा कुछ भी कर ले न हम डरेंगे और न ही झुकेंगे। नेशनल हेराल्ड, कौमी आवाज और नवजीवन तीन पेपर का जिक्र करते हुए कहा कि इन तीनों ने आजादी के समय लोगों को जागृत करने का काम किया। इस पेपर को जिंदा रखने के लिए सोनिया गांधी ने काफी मेहनत की। भाजपा के लोग उन पर ईडी और जेल भेजने का काम कर रहे हैं। हम डरेंगे नहीं और झुकेंगे नहीं। जो झुकाने की कोशिश करेगा, वह खुद झुकेगा। क्या बीजेपी और आरएसएस के लोग आजादी की लड़ाई के लिए जेल गये। ऐसे लोग देशभक्ति का पाठ पढ़ा रहे हैं।

आइएसआइ ने संभाली ...

बयान में यह भी बताया गया कि इस दौरान शहबाज शरीफ के साथ पारंपरिक सैन्य विकल्पों और हाइब्रिड वॉर रणनीति जैसी चीजों पर भी चर्चा हुई। आनन-फानन में बुलायी गयी इस बैठक से पाकिस्तान की पतली हालत साफ नजर आ रही है। शहबाज शरीफ के अलावा डिप्टी पीएम , रक्षा मंत्री, सेना प्रमुख, पाकिस्तानी नेवी और एयरफोर्स के प्रमुख भी आइएसआइ मुख्यालय पहुंचे थे। पूरी दुनिया के सामने विक्टिम कार्ड खेलने वाले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शरीफ इस मीटिंग के दौरान पाक सेना की जमकर तारीफ भी करते दिखे।

यूएनएससी ने भी दिया झटका : इस बीच सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी पाक को झटका दे दिया है। सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाकर पाकिस्तान सदस्य देशों की सहानुभूति बटोरना चाहता था। हालांकि इसके उलट पाकिस्तान से पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तान समर्थित आतंकी गुटों का हाथ होने को लेकर कई तीखे सवाल पूछे हैं। इसके बाद अब पाकिस्तान की स्थिति काटो तो खून नहीं वाली बन गयी है।

रॉ ने पहले ही कुंडली खोल कर रख दी : शहबाज शरीफ के आइएसआइ मुख्यालय जाने से पहले ही भारतीय खुफिया एजेंसी (रॉ) पाकस्तिान की पोल खोल चुकी है। हलगाम हमले के पाकिस्तानी कनेक्शन की जो रिपोर्ट रॉ ने सरकार को सौंपी है, उसमें गुनहगारों के पाकिस्तान कनेक्शन की पूरी कुंडली है। रॉ ने उस टीआरएफ की कुंडली निकालकर सरकार को दे दी है, जिसने पहलगाम में निर्दोषों का खून बहाया है। इंटेलिजेंस इनपुट में टीआरएफ के ऑपरेटिव्स की पहचान की गयी है। यह संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही नया नाम है, जो आइएसआइ के आदेश पर काम करता है। इसमें आतंकियों की ट्रेनिंग, मूवमेंट और सीमा पार से निर्देश मिलने की पुष्टि की गयी है।

स्पीड न्यूज

कालीचरण शर्मा बने बोकारो थर्मल के नये डीजीएम प्रशासन

बेरमो। डीवीसी मुख्यालय कोलकाता द्वारा सोमवार को चार प्रोजेक्टों में चार नये डीजीएम प्रशासन की पदस्थापना की गई है। वरीय जीएम विद्युत डॉ डीवी राजन के हस्ताक्षर तथा पत्रांक 477 से सभी की पदस्थापना की गई है। बोकारो थर्मल के डीजीएम प्रशासन बीजी होलकर के स्थान पर कालीचरण शर्मा को बोकारो थर्मल का नया डीजीएम बनाया गया है। बीजी होल्कर सीएसआर के डीजीएम बने रहेंगे। इसी प्रकार सुखमय नायक को कोडरमा, श्रीकांत गेदाला को डीएसटीपीएस अंडाल तथा अंकुर हजारिका को रघुनाथपुर का डीजीएम प्रशासन नियुक्त किया गया है। बोकारो थर्मल में नये डीजीएम की पदस्थापना से माना जा रहा है कि आनेवाले समय में बहुत कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे।

गोड्डा : ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

गोड्डा। प्रखंड क्षेत्र के मुफस्सिल थाना अंतर्गत ढोढरी गांव के समीप एक ट्रैक्टर के पलटने से ट्रैक्टर चालक यादव की मौत हो गई इस संबंध में बताया गया कि मृतक चालक रात के अंधेरे में बालू अनलोड कर बालू उठाव के लिए जा रहा था इसी क्रम में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे मौके पर ट्रैक्टर और ट्रैक्टर का डाला अलग हो गया। बताया गया कि ट्रैक्टर के गड्ढे में पलटने के कारण चालक के सर में गहरी चोट लगी जिससे उसकी मौत हो गई। फिलहाल घटना के बाद परिजनों ने उसे सदर अस्पताल लाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना के मुताबिक घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की तहकीकात कर इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

मारवाड़ी सम्मेलन बेरमो के अध्यक्ष बनने पर महासभा ने दी बधाई

बेरमो। मारवाड़ी सम्मेलन बेरमो सत्र 2025 से 27 के लिए निर्वाचित अध्यक्ष छीतरमल अग्रवाल को अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र देकर बधाई दी उन्होंने कहा कि सभी वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने की जरूरत है अध्यक्ष छीतरमल अग्रवाल ने कहा कि समाज ने हमें एक बड़ी जिम्मेदारी दी है मे समाज के बिकास और उत्थान के लिए पूरी तरह से समर्पित रहूंगा मौके पर राजेश राठी कृष्ण कुमार चांडक पवन अग्रवाल अमर कुमार चांडक वरुण राठी घनश्याम प्रसाद रवि छाबड़ा सहित अन्य लोग उपस्थित है।

विवाद में चचेरे भाई ने मारा चाकू, युवक गंभीर

गोड्डा/मेहरमा। जिले के मेहरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत भगैया गांव में सोमवार को एक व्यक्ति के चचेरे भाई के द्वार पर बच्चे ने शौच कर दिया था। जिसको लेकर दो पक्षों में हुए विवाद में एक युवक को चाकू लग गई। चाकू लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मेहरमा लाया गया और फिर प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल गोड्डा रेफर कर दिया गया। इस मामले में घायल युवक भगैया निवासी कनक लाल मंडल के 25 वर्षीय पुत्र कार्तिक मंडल ने बताया की मेरे चाचा के द्वार के पास बच्चा शौच कर दिया था जिस कारण विवाद हो गया और चाचा बद्री मंडल का पुत्र अजीत मंडल ने अचानक से मुझ पर चाकू से वार कर दिया जिससे मैं घायल हो गया।

बोकारो : जनता दरबार में डीसी ने अधिकारियों को लगाई फटकार, कहा

जनता की समस्या का करें निदान

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/चंदनकियारी। जिला के चंदनकियारी प्रखंड कार्यालय में आयोजित डीसी के जनता दरबार में अव्यवस्था का माहौल दिखा। यहां डीसी विजया जाधव के पहुंचने तक फरियादियों के लिए बैठने या उनकी समस्याओं को सुनने के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। कार्यक्रम में पहुंचकर अव्यवस्था को देखते ही डीसी ने यहां अधिकारी व फरियादियों के बैठने व समस्याओं से रूबरू होने को लेकर माइक की व्यवस्था नहीं होने पर फटकार लगाते हुए नाराजगी जताई।

उसके बाद यहां सभागार के बरामदे में डीसी एसडीएम व डीआरडीए निदेशक के बैठने की कुर्सियां लगीं और वहीं पर डीसी फरियादियों की समस्याओं से रूबरू हुईं। जनता दरबार में अधिकतर शिकायतें अंचल कार्यालय से संबंधित पाई गईं जहां फरियादियों ने नामांतरण ऑनलाइन

त्रुटि सुधार व भू मापी के लंबित मामलों व बिना वजह रिजेक्ट किए जाने से परेशानी का मामला उठाया। इन समस्याओं का समाधान का निर्देश डीसी ने अंचलाधिकारी को त्वरित गति से करने का निर्देश भी दिया। वहीं डीसी ने किसान क्रेडिट कार्ड व बाल विकास कार्यालय से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं की धीमी गति पर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए इसका निष्पादन त्वरित गति से करने का कड़ा निर्देश दिया। मौके पर जिप अध्यक्ष सुनीता देवी एसडीएम प्रांजल ढांडा अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी व ग्रामीण विकास अभिकरण की निदेशक मेनका समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष बिरंची महथा ने उक्त जनता दरबार को सरकारी आदेश का कोरम पूरा करने के लिए किए जाने का आरोप लगाया।

कहा कि यहां जनता दरबार में सुदूरवर्ती गांवों से हजारों महिला-पुरुष अपने छोटे-छोटे बच्चों को भी साथ लेकर पहुंचे हैं परंतु कड़ी धूप में छाया व बैठने तक की व्यवस्था नहीं की गई। वहीं अधिकारी के समक्ष ग्रामीणों द्वारा अपनी फरियाद रखने के लिए कोई समुचित व्यवस्था तक नहीं करना राज्य सरकार को बदनाम करने की साजिश जैसा प्रतीत होता है।

ढ़ोल-नगाड़ा बजा पुलिस ने जालसाज के घर पर चिपकाया इश्तेहार, होगी कुर्की

एक साल पहले पीड़ित ने चेक बाउंस का कराया था पीसीआर

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। पैसा दुगुना करने और किसी को व्यापार में पैसा लगाने का लालच देने वाले न्यू बाबूपाड़ा के असीत कुमार के घर पर न्यायालय के आदेश पर नगर थाना की पुलिस ने मंगलवार को बाकायदा ढोल नगाड़े के साथ इश्तेहार लगाया। अब 21 दिन के बाद आरोपी के घर की कुर्की होगी।

मामला करीब एक साल पुराना है। जानकारी के अनुसार दुर्गास्थान रोड निवासी संजीव कुमार जायसवाल ने वर्ष 24 में असीत कुमार को 4.99 लाख रुपया कर्जा के रूप में दिया था। जब काफी दिन तक आरोपी ने पैसा वापस नहीं किया तो संजीव ने दबाव बनाया। दबाव से परेशान होकर आरोपी ने संजीव को पैसों को चेक दिया। संजीव ने जब बैंक में चेक जमा किया तो बाउंस हो गया। इसके बाद संजीव ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और

पीसीआर केस दर्ज किया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने नगर थाना की पुलिस को इश्तेहार लगाने का आदेश दिया। मंगलवार को नगर थाना के एएसआई अशोक मिश्रा बाकायदा ढोल नगाड़ा लेकर आरोपी के दरवाजे पर पहुंच इश्तेहार लगाया। बताया कि अगर आरोपी न्यायालय में पेश नहीं हुआ तो 21 दिन के बाद घर की कुर्की की जाएगी।

यहां बता दें कि आरोपी असीत ने संजीव की तरह कई लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना चुका है।

तेनुघाट मे खुला निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण केंद्र

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/तेनुघाट कोर्ट। बोकारो जिला प्रशासन के तत्वावधान में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा युवाओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से तेनुघाट में एक निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण केंद्र की शुरूआत की गई है।

इस केंद्र का संचालन धुरीना वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जहां जिले के छात्र-छात्राओं को तकनीकी और प्रायोगिक प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम उठाया गया है। यह प्रशिक्षण केंद्र युवाओं के लिए कई आकर्षक कोर्सेज की सुविधा प्रदान करता है, जिनमें ग्राफिक्स डिजाइनिंग, टैली (बेसिक से एडवांस स्तर तक), एमएस ऑफिस, ऑफिस एग्जीक्यूटिव, ऑफिस ऑपरेशन एग्जीक्यूटिव, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हिंदी और अंग्रेजी टाइपिंग, इंग्लिश स्पोकन, शॉर्टहैंड और स्टेनो शामिल हैं। प्रशिक्षण की अवधि तीन से चार महीने की होगी और पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद विद्यार्थियों को भारत सरकार के मान्यता प्राप्त स्किल काउंसिल द्वारा प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। साथ ही, छात्रों को प्लेसमेंट में भी सहायता दी जाएगी जिससे वे प्रशिक्षण के तुरंत बाद रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। इस निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोकारो जिले के 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के वे छात्र भाग ले सकते हैं जिन्होंने कम से कम 10वीं की शिक्षा पूरी की हो। केंद्र पर छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास हेतु विशेष कक्षाओं की भी व्यवस्था की गई है।

इस मौके पर संस्था के पदाधिकारी स्मृति ऐशवर्या, भूपेंद्र कुमार, महाविद्यालय के प्राचार्य सुदामा तिवारी, प्रोफेसर धनंजय रविदास, प्रो महावीर यादव, प्रो संजीव महाराज, प्रो प्रेमसागर प्रसाद, प्रो दिनेश्वर स्वर्णकार, प्रमोद कुमार कई छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

एसपी कॉलेज में मना मनोविज्ञान जनक डॉ सिगमंड फ्रायड का जयंती

कैथार्सिस के द्वारा रोगमुक्त का सुझाया उपाय : डॉ शर्मा

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। एसपी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग में मंगलवार को मनोविश्लेषण संस्थापक एवं मनोविज्ञान के प्रथम स्तंभ के जनक सिगमंड फ्रायड का जन्म दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष सह मेंटल हेल्थ काउंसलिंग सेंटर के निदेशक डॉ विनोद कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ शर्मा ने सिगमंड फ्रायड का जयंती छात्रों संग केक काटकर मनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ शर्मा ने फ्रायड के योगदानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फ्रायड के विचारों को दुनिया आत्मसात कर विसंगतियों और मनोविकारी व्यवहारों से बहुत हद तक बचा जा सकता है। फ्रायड का जन्म 6 मई 1856 को ऑस्ट्रिया के फ्रीवर्ग, मोरविया में एक यहूदी परिवार में हुआ था। फ्रायड का प्रमुख देन व्यवहारों की गत्यात्मकता को समझने के साथ व्यक्तित्व विकास

एवं मनोचिकित्सा तक फैला है। फ्रायड ने कहा कि एक नवजात सेक्स का हाड़मांस का पुतला होता है। जो हर व्यवहार अपनी लैंगिक इच्छाओं की पूर्ति के लिए करता है। फ्रायड के अनुसार व्यक्ति का हर व्यवहार के पीछे कोई न कोई कारण अवश्य होता है। जिसे साइकिक डिटरमिनिज्म कहा जाता है। व्यक्ति का प्रत्येक व्यवहार लैंगिक इच्छाओं (लिबिडनल एनर्जी) से निर्देशित होता है। जिसकी पूर्ति नहीं होने से इच्छाएं दमित होकर मन के अचेतन में चली जाती है। जहां स्वप्न और दैनिक जीवन के भूलों (लिखने, बोलने, पहचानने, छपाई संबंधी) के रूप में चेतन में स्वरुप बदल कर आती है। जहां व्यक्ति भूल पर सॉरी कहता है। फ्रायड ने व्यक्तित्व विकास के पांच अवस्थाओं (ओरल, ऐनल, फेलिक, लेटेंसी और जेनाइटल) के मध्य वंचना या बाधा उत्पन्न होने से मनोविकार का एक प्रमुख कारण बतलाया है। बच्चों में इरोटिक जोन उसका होठ होता है। जो दांत, गुदा होते हुए जैनेन्द्रिय तक जाता है। इलेक्ट्रा कॉम्प्लेक्स के कारण लड़कियां पिता की ओर और ओडिपस कॉम्प्लेक्स के चलते लड़के मां के प्रति आकर्षित होता है। फ्रायड ने जीवन मूलप्रवृत्तियों के तहत कहा कि जीवन मूलप्रवृत्तियों जहां व्यक्ति में रचनात्मक कार्य के प्रति अभिप्रेरित करता है, प्रेम संवेदना को बढ़ाता है। कार्यक्रम को संबोधित डॉ त्रिजा जेनिफर टोप्पो ने भी किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ किलिश मरांडी ने किया।

बोकारो : नगर विकास समिति की बैठक में घुसपैठियों को चिन्हित करने की उठी मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। नगर विकास समिति की बैठक अभय कुमार मुन्ना की अध्यक्षता एवं शिव कुमार सिंह के संचालन में धर्मशाला मोड स्थित स्वर्गीय राजेन्द्र महतो स्मृति भवन कार्यालय में संपन्न बैठक में विगत माह में समिति के द्वारा संपन्न हुए कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते समिति के संरक्षक सदस्य सह मारवाड़ी पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक कुमार जगनानी ने कहा कि संस्था की स्थापना आम लोगों के हितों को लेकर उसके प्रति शासन प्रशासन को सहयोग एवं सजग करने के लिए किया गया था। आज हम बड़े आत्मविश्वास के साथ कह सकते हैं कि नगर विकास

समिति अपने उद्देश्यों के अनुकूल समाज एवं शासन प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम कर रहा है। समिति के संरक्षक सदस्य विक्रम महतो ने कहा कि आज देश के अंदर पहलगाम आतंकी हमले के कारण आम लोगों में भारी गुस्सा व्याप्त है। हम भारतवासियों को अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए समाज के अंदर आपसी प्रेम भाईचारा को मजबूत कर आतंकी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने की आवश्यकता है। समिति के अध्यक्ष अभय कुमार मुन्ना ने कहा कि समिति द्वारा अपने स्तर से बोकारो डीसी व एसपी से मिलकर बोकारो जिला में अवैध घुसपैठियों को चिन्हित कर उन्हें देश एवं बोकारो से बाहर करने की मांग की जाएगी। बैठक में बालकृष्ण कुमार मुरारी विक्रम महतो डॉ एस कुमार रंजीत अध्यक्ष अभय मुन्ना सुबोध सिंह करमचंद गोप शिव श्रीवास्तव गौरी शंकर सिंह अतीश सिंह रामकिंकर माहथा नरोत्तम झा विनोद चौधरी गोपाल साह प्रदीप आशीष महतो जवाहर माहथा महेश अशोक आदि शामिल हुए।

बोकारो : जमीन के मामले में ईडी ने कई जगहों में की छापामारी

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। तेतुलिया मौजा के खाता नं 59 प्लाट नं 450/426 की 103 एकड़ भूमि के बन्दर बांट और सच्चाई की छानबीन के सिलसिले में ईडी की टीम ने बोकारो में विभिन्न जगहों पर छापामारी की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चास के राणा प्रताप नगर निवासी महेश नागिया के आवास व बोकारो इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग के विभिन्न सेक्शन में ईडी ने दबिश दी और कागजों को खंगाला।

वन भूमि एवं रैयती भूमि के पाटन के बीच अवैध को वैधता का रूप देकर पैसा बनाने के मुद्दे पर विभिन्न निकायों के कई अफसरों व जमीन व्यवसायियों की गर्दन फंसती नजर आ रही है। आधिकारिक तौर पर कोई सूचना नहीं दी जा रही है। पर ईडी द्वारा दुबारा बोकारो में छापामारी किया जाना- कई स्पष्ट संकेत दे रहा है।

स्पीड न्यूज

कटिहार में सड़क हादसा, 8 बाराती मरे

कटिहार। कटिहार जिले के कुरसेला थाना क्षेत्र के चांदपुर हनुमान मंदिर के पास सोमवार देर रात एक स्कॉर्पियो मक्का लदी ट्रैक्टर से टकरा गई, जिसमें आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान टुनटुन कुमार, ज्योतिष कुमार, प्रिंस कुमार, अजय कुमार, सिक्कू कुमार और तीन अन्य युवकों के रूप में हुई है। ये सभी बाराती रुपौली थाना क्षेत्र के ढिबरा गांव से पूर्णिया जिले के कोसकीपुर विपिन सिंह के घर जा रही थी।

99 प्रतिशत गांवों में पहुंचा 5 जीः सिंधिया

नयी दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि केवल 22 महीनों में 99 प्रतिशत गांवों को 5जी से जोड़ दिया गया और 82 प्रतिशत आबादी को नेटवर्क पर लाया गया है। सिंधिया ने भारत टेलीकॉम का उद्घाटन करते हुए कहा कि 470,000 टावर लगाए हैं और यह विकास नहीं बल्कि एक दूरसंचार क्रांति है। पूरे भारत में जो डिजिटल हाईवे बनाया गया है।

पुंछ : खाई में गिरी बस सैनिक समेत चार मरे

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार को एक निजी बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। इस हादसे में एक सैनिक समेत चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि 44 अन्य घायल हैं। अधिकारियों ने बताया कि बस घनी गांव से मेंढर जा रही थी तभी सुबह करीब 9.20 बजे चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया और बस खाई में गिर गई।

एलओसी के पास से घुसपैठिया गिरफ्तार

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास से मंगलवार को एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया गया है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि घुसपैठिए की उम्र 20 साल के आसपास है। नियंत्रण रेखा पार कर इस तरफ घुसने के तुरंत बाद सेना के जवानों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए घुसपैठिए को पूछताछ के लिए ले जाया गया है।

अडाणी समूह मिर्जापुर में लगाएगा पॉवर प्लांट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने अडाणी समूह को 1600 मेगावाट की नई तापीय परियोजना लगाने की अनुमति है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रतिस्पर्धात्मक न्यूनतम बिडिंग के आधार पर अडाणी समूह को मिजार्पुर में 1600 मेगावाट का तापीय संयंत्र लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी। नयी परियोजना 2030-31 तक अमल में आने के आसार है। सरकार ने 1600 मेगावाट क्षमता की इस तापीय परियोजना से कुल 1500 मेगावॉट ऊर्जा बिड प्रॉसेस के माध्यम से 25 वर्षों तक खरीदने का निर्णय लिया है।

चिन्मय दास चार और मामलों में गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेशी हिंदू भिक्षु एवं इस्कॉन के पूर्व सदस्य चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी, जो में जेल में हैं, को मंगलवार को चटगांव की एक अदालत की ओर से चार और मामलों में गिरफ्तार दिखाया गया, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि वह जेल में ही रहेंगे। श्री ब्रह्मचारी को नवंबर में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और तब से वह जेल में हैं। उनके समर्थकों ने उनकी गिरफ्तारी के बाद विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें एक वकील की मौत हो गई थी।

वज्रपात से बिहार में पांच लोगों की मौत

पटना। बेमौसम की बारिश के दौरान वज्रपात से बिहार में हर दिन मौत हो रही है। पिछले 24 घंटे के दौरान ही वज्रपात से पटना जिले में तीन, गया में एक और अरवल में एक व्यक्ति की मौत हुई है। पांच लोगों के मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

पानी के लिए बिलबिला रहा पाकिस्तान

चिनाब नदी का जल प्रवाह रोके जाने के बाद इस्लामाबाद में पानी की भारी किल्लत

एजेंसी

इस्लामाबाद। भारत की ओर से पाकिस्तान में चिनाब नदी का प्रवाह रोके जाने के बाद नदी का जलस्तर कई गुना कम हो गया है, जिससे इस्लामाबाद में पानी की काफी किल्लत हो गयी है। पाकिस्तान ने भारत पर पहलगाम आतंकी हमले के बाद जल युद्ध में शामिल होने का आरोप लगाया है। भारत ने सोमवार को इस्लामाबाद को सूचित किए बिना जम्मू के बगलिहार और सलाल पनबिजली बांधों के माध्यम से पाकिस्तान में चिनाब नदी का प्रवाह रोक दिया, जिससे पहले से ही पानी की कमी से जूझ रहा देश दहशत में आ गया। डॉन ने पाकिस्तानी अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान में पंजाब के सियालकोट स्थित मारला हेडवर्क्स में दर्ज चिनाब का जलस्तर रविवार को 35,000 क्यूसेक से घटकर सोमवार सुबह लगभग 3,100 क्यूसेक हो गया,

▸▸ चिनाब का जलस्तर 35,000 से घटकर 3, 100 क्यूसेक हुआ,11 गुना से अधिक कमी

जो 11 गुना से अधिक की कमी दर्शाता है। पंजाब सिंचाई विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की और कहा कि रविवार को निर्णय लेने के बाद उन्होंने (भारतीय अधिकारियों ने) चिनाब नदी के बहाव को पाकिस्तान की ओर लगभग रोक दिया है।

अधिकारी ने खेद जताते हुए कहा कि वर्तमान में वे चिनाब बेसिन में अपने बांधों/जलविद्युत परियोजनाओं को भरने के लिए हमारे पानी का उपयोग कर रहे हैं। वे ऐसा नहीं कर सकते, क्योंकि यह सिंधु जल संधि का गंभीर उल्लंघन है। पाकिस्तान चिनाब बेसिन में भारत के तीन जलविद्युत बांधों (बगलिहार, सलाल और पाकल बांध) द्वारा भविष्य में किसी भी संभावित प्रवाह को लेकर चिंतित है, क्योंकि वे अचानक बाढ़ का कारण बन सकते हैं और स्थानीय आबादी को खतरे में डाल सकते हैं। अधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि सलाल बांध से मारला बैराज (पाकिस्तान में) 76 किमी दूर स्थित है। प्रवाह में भारी कमी का मुख्य कारण इन बांधों का भरना है, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 1.2 मिलियन एकड़ फुट से अधिक है और अगर भारत अपने बांधों को भरता रहा और पानी छोड़ना बंद कर दिया, तो वह हमें चार से पांच दिनों तक पानी के बिना रहने पर मजबूर कर सकता है। जल अधिकारी ने बताया कि मारला की क्षमता 1.1 मिलियन क्यूसेक है, जबकि चिनाब बेसिन में भारत के बांधों की कुल भंडारण क्षमता 1.3 मिलियन एकड़ फुट से अधिक है। हालांकि, जम्मू-तवी और मुनव्वर-तवी वितरिकाओं से नदी में पाकिस्तान को पानी के प्रवाह पर उनका नियंत्रण नहीं है। इस बीच भारत ने दो पनबिजली परियोजनाओं में अपनी जलाशय धारण क्षमता को बढ़ाने के लिए काम शुरू कर दिया है। इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप आरंभ में तलछट युक्त पानी जलाशयों से नीचे की ओर छोड़ा जाता है, जिससे संभावित रूप से अचानक जलप्लावन हो सकता है, तथा इसके बाद जलाशयों के पुनः भरने पर पानी का प्रवाह कम हो जाता है। इस प्रक्रिया से पाकिस्तान को तत्काल कोई खतरा नहीं है, लेकिन अतिरिक्त भारतीय बांधों की इस तरह की गतिविधियों से भविष्य में उसकी जलविद्युत और सिंचाई में भारी बाधा उत्पन्न हो सकती है।

भारत से शांति वार्ता करने के लिए तैयार हैं : बिलावल

इस्लामाबाद। मंगलवार को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में कहा कि यदि भारत शांति के मार्ग पर चलना चाहता है, तो उन्हें खुले हाथों से आना चाहिए, न कि मुट्ठियों को बंद करके। उन्हें तथ्यों के साथ आना चाहिए, न कि मनगढ़ंत बातों के साथ। आइए हम पड़ोसी की तरह बैठें और सच बोलें। पाकिस्तान को डर है कि भारत की सेना कभी भी उसपर हमला कर सकती है। युद्ध की आहट के बीच बिलावल भुट्टो ने कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ शांति वार्ता करने के लिए तैयार है। उन्होंने कुछ दिन पहले की अपनी उस टिप्पणी को वापस ले लिया जिसमें उन्होंने सिंधु जल संधि के निलंबन पर खून की नदियां बहने की धमकी दी थी। बिलावल भुट्टो के खून वाले बयान पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि यह सिर्फ भड़काऊ बयानबाजी है। अगर खून बहेगा, तो यह संभवतः हमारी तुलना में उनकी तरफ ज्यादा बहेगा।

यूएनएससी में पाक को ही लगी फटकार

सदस्यों ने आतंकी संगठनों को प्रश्रय देने को लेकर भी पूछे सवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। अस्थाई सदस्य होने के नाते पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बंद कमरे में बैठक बुला तो ली लेकिन इसका नतीजा कुछ ऐसा नहीं हुआ जैसा पाकिस्तान की सरकार चाहती थी। असलियत में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि से ही कुछ तीखे सवाल किये गये। चीन को छोड़ कर यूएनएससी के स्थाई अन्य चारों सदस्यों (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और फ्रांस) ने यहीं कहा कि आतंकवाद का मुद्दा बहुत ही गंभीर है। इस संदर्भ में आतंकी संगठनों को प्रश्रय देने को लेकर भी पाकिस्तान से सवाल पूछे गये। बैठक के बाद यूएनएससी ने दोनों पक्षों को आपस में बातचीत कर मौजूदा तनाव दूर करने का सुझाव दिया। हालांकि, बैठक के बाद पाकिस्तान के आसीम इख्तियार अहमद ने भारत के खिलाफ खूब भड़ास निकाली है। कूटनीतिक

▸▸ पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्या के दोषियों के खिलाफ न्यायोचित कार्रवाई करना बेहद जरूरी

सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान ने बैठक में भारत के साथ अभी जो तनावपूर्ण स्थिति है उसके लिए पूरी तरह से भारत को जिम्मेदार ठहराया। यह भी बताया गया कि भारत इस घटना की आड़ में युद्ध भड़काने की तैयारी में है। इस तर्क को कई स्थाई व अस्थाई सदस्यों ने स्वीकार करने से इन्कार कर दिया। कुछ सदस्यों ने यह भी कहा कि पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्या के दोषियों को जिम्मेदार ठहराना और उन पर न्यायोचित कार्रवाई करना बेहद जरूरी है। कुछ सदस्यों ने पहलगाम में धार्मिक पहचान के आधार पर हत्या करने पर अपना रोष जताया। पाकिस्तान ने जिस तरह से लगातार मिसाइल परीक्षण कर रहा है, इस बैठक में यह मुद्दा भी उठाया गया। कश्मीर का नाम बार बार पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने लिया, जिस पर कुछ सदस्यों ने टिप्पणी की कि यह दोनों देशों के बीच का मामला है और इन्हें आपसी विमर्श से ही सुलझाना चाहिए।

विश्व का ध्यान भटकाना चाह रहा है पाकिस्तान

सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान की कोशिश यह थी कि वह भारत के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के मुद्दे पर वैश्विक समर्थन हासिल करे। ऐसा करके पहलगाम हमले को लेकर उस पर जो आरोप लग रहे हैं, उससे वह दुनिया का ध्यान भटका सकता है। पाकिस्तान इस तरह की कोशिश आगे भी जारी रखेगा, क्योंकि बतौर अस्थाई सदस्य उसके पास कुछ अधिकार हैं। खास तौर पर जुलाई, 2025 में पाकिस्तान यूएनएससी का एक महीने के लिए अध्यक्ष होगा। उस महीने भी वह कश्मीर मुद्दे पर विशेष बैठक बुलाने की कोशिश कर सकता है।

सिंधु का पानी अब देश के काम आएगाः मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले पर दो टूक कहा कि देश का पानी अब भारत के हक में बहेगा, भारत के हक में रुकेगा और भारत के ही काम आएगा। पानी के मुद्दे पर पिछली सरकारों पर हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यों के बीच नदियों के जल को दशकों तक विवाद का मुद्दा बनाये रखा गया।

वर्तमान सरकार नदियों को जोड़ने की महत्वकांक्षी योजनाओं से इसका समाधान तलाश रही है। इस संदर्भ में उन्होंने केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना का ज़िक्र करते हुए कहा कि इनसे लाखों किसानों को लाभ पहुंचेगा और सिंचाई की दिक्कत दूर होगी।

पहला मानवरहित गगनयान मिशन इस साल के अंत तक भरेगा उड़ान

मानवयुक्त मिशन 2027 की शुरूआत में होगा लांच : जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत का महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम गगनयान इस साल के अंत तक पहली उड़ान भरेगा। पहली उड़ान मानवरहित होगी। इसके बाद मानवयुक्त मिशन 2027 की शुरूआत में लॉन्च किया जाएगा। पूरे मिशन पर सरकार 10 हजार करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है। केंद्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अंतरिक्ष मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में मंगलवार को अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े आगामी कार्यक्रम का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 एक दृष्टि से ऐतिहासिक होगा। इसमें भारत अंतरिक्ष और गहरे समुद्र दोनों दिशाओं में खोज करेगा। डॉ. सिंह ने रॉकेट पहल के लिए अंतरिक्ष विभाग के नए मॉडल और पीएम गति शक्ति, स्वामित्व, स्मार्ट सिटीज और अमृत जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अंतरिक्ष और ड्रोन प्रौद्योगिकियों के बढ़ते उपयोग पर प्रकाश डाला। इन तकनीकों को रेलवे, स्वास्थ्य सेवा और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी एकीकृत किया जा रहा है। इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने मिशन के बारे में कहा कि यह इसरो का नहीं बल्कि राष्ट्र का कार्यक्रम है। गगनयान मिशन में जाने वाले चार अंतरिक्षयात्रियों का चयन किया जा चुका है। वे ट्रेनिंग ले रहे हैं। चुने गए अंतरिक्ष यात्री हैं- ग्रुप कैप्टन पीबी नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप और ग्रुप कैप्टन एस शुक्ला। नारायणन ने कहा कि तीन दिवसीय मानवसहित गगनयान मिशन में वैज्ञानिकों द्वारा तैयार खास किस्म के चावल और मूंग की दाल के साथ फलों में आम दिए जाएंगे।

इस साल के अंत तक चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत

▸▸ जापान को पछाड़ देश की जीडीपी 4.187 ट्रिलियन डॉलर होगी : आइएमएफ

नयी दिल्ली। भारत 2025 के अंत तक दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। उस समय देश की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4.187 ट्रिलियन डालर हो जाएगी और यह जापान की जीडीपी 4.186 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा होगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विश्व आर्थिक परिध्श्य से जुड़ी रिपोर्ट के अनुसार, 'भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है और वह अगले दो सालों में छह प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करने वाला एकमात्र देश होगा। दूसरी ओर, जापान को वैश्विक व्यापार में कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है, जिसके चलते उसकी आर्थिक वृद्धि 2025 और 2026 में 0.6 प्रतिशत पर स्थिर रहेगी। विकास की ऊंची दर से भारत की जीडीपी 2028 में बढ़कर 5.584 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी ।

नकद खर्च में बिहार पहली बार शीर्ष तीन में

नयी दिल्ली। बढ़ती आय और बदलते उपभोक्ता व्यवहार के बीच भारत में नकद आधारित खर्च के नए ट्रेंड सामने आए हैं, जिससे उपभोक्ता अब कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और एफएमसीजी जैसे क्षेत्र पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं वहीं बिहार ने पहली बार नकद खर्च करने के मामले में शीर्ष तीन राज्यों में जगह बनाई है। सीएमएस इंफो सिस्टम्स की मंगलवार को जारी कंजम्पशन रिपोर्ट 2025 के अनुसार, उपभोक्ता अब कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और एफएमसीजी जैसे सेक्टर्स पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं। वहीं, बिहार ने पहली बार नकद खर्च में शीर्ष तीन राज्यों में जगह बनाई है।

नये पोप के चयन की प्रक्रिया आज से

▸▸ 132 कार्डिनल इलेक्टर्स सहित 170 कार्डिनल्स पहुंचे वेटिकन
▸▸ भारत, पोलैंड व पुर्तगाल में चार-चार कार्डिनल हैं

एजेंसी

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के चयन के लिए यहां हलचल बढ़ गई है। नए पोप के चयन की प्रक्रिया बुधवार से शुरू होगी। इस कान्क्लेव में हिस्सा लेने के लिए 132 कार्डिनल इलेक्टर्स सहित 170 कार्डिनल्स पहुंच चुके हैं। दुनियाभर के 140 करोड़ कैथोलिक के नए पोप का चुनाव भौगोलिक विविधता के लिहाज से इस बार ऐतिहासिक होगा। नए पोप के चुनाव के लिए बुधवार से कान्क्लेव शुरू होगी। हालांकि ऐसा कोई बाध्यता नहीं है कि कार्डिनल राष्ट्रीयता अथवा क्षेत्र के लिहाज से मतदान करें, लेकिन भौगोलिक लिहाज से उनके दृष्टिकोण को समझने से उनकी प्राथमिकताएं पता चलती हैं। फिलहाल 71 देशों में 80 वर्ष से कम उम्र के 135 कार्डिनल हैं। इनमें से दो ने स्वास्थ्य कारणों के से मतदान में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है। बहुमत के लिए दो-तिहाई यानी 89 मत की जरूरत होगी। इटली में सर्वाधिक 17 कार्डिनल हैं। इसके बाद अमेरिका (10), ब्राजील (7), फ्रांस और स्पेन (5), अर्जेंटीना, कनाडा, भारत, पोलैंड और पुर्तगाल में चार-चार कार्डिनल हैं। वेटिकन के आंकड़ों के अनुसार, यूरोप के 53 कार्डिनल हैं और एक के बीमार होने से मतदान में 52 हिस्सा लेंगे। इसके बाद एशिया से 23, अफ्रीका के 18 में एक की खराब तबीयत के बाद 17, दक्षिण अमेरिका के 17, उत्तरी अमेरिका के 16, मध्य अमेरिका के चार और ओसियनिया के चार कार्डिनल हैं।